सोमवार
08 जुलाई 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

बिहार में मंडराने लगा बाढ़ का खतरा, नदियों का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंचा

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

पुरी में दो दिनी रथ यात्रा उत्सव शुरू

बलभद्र और सुभद्रा के साथ रथ में सवार हो नगर भवन को निकले भगवान जगन्नाथ

एजेंसी/पुरी

ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का उत्सव शुरू हो चुका है। 53 साल बाद यह यात्रा दो दिनों की हो रही है। मान्यता के अनुसार स्नान पूर्णिमा पर स्नान के बाद भगवान बीमार हो जाते हैं। इस साल भी स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान ठीक हो चुके हैं। रथयात्रा शुरू होने से पहले रस्में पूरी की गईं। इसके बाद भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा दोपहर 2.30 बजे अपने-अपने रथ में विराजमान हुए। जगन्नाथ मंदिर के पंचांगकर्ता डॉ. ज्योति प्रसाद ने बताया कि भगवान को आम दिनों से 2 घंटे पहले जगाया गया और मंगला आरती सुबह 4 की बजाय तड़के 2 बजे हुई। मंगला आरती के बाद करीब 2.30 बजे दशावतार पूजन हुआ। 3 बजे नैत्रोत्सव और 4 बजे पुरी के राजा की तरफ से पूजा की गई। सुबह 7 बजे भगवान को खिचड़ी भोग-प्रसाद लगाया गया। रथयात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। श्रद्धालुओं द्वारा भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहन, बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों को खींचा गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी भक्तों के साथ देवी का रथ खींचा। हालांकि, सूर्यास्त की वजह से यात्रा को विराम दिया गया है। अब सोमवार की सुबह 9 बजे पूजा-पाठ के बाद दोबारा रथयात्रा शुरू होगी।

रविवार को ओडिशा के पुरी में आयोजित भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा उत्सव में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा था। ऐसा लग रहा था मानो हर कोई इस पल का साक्षी बनने को आतुर हो।

एनडीआरएफ टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चला लोगों को निकाला

देवघर में अचानक भरभराकर गिरा तीन मंजिला घर, 3 लोगों की मौत

- घटना में घायल चार लोगों को अस्पताल में किया गया भर्ती
- सांसद ने मृतक के परिजनों को 1-1 लाख की राशि देने की घोषणा की

केटी न्यूज/देवघर

झारखंड के देवघर में रविवार की सुबह एक पुराना तीन मंजिला मकान अचानक भरभराकर नीचे गिर गया। इसमें दबकर तीन लोगों की मौत हो गई। एनडीआरएफ और स्थानीय लोगों ने मलबे के नीचे से सात लोगों को निकाला। चार लोगों को सदर हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है। मृतकों में सुनील कुमार, उनकी पत्नी सोनी देवी और मनीष दत्त शामिल हैं। घायलों के नाम दिनेश बरनवाल, मुन्नी बरनवाल, सत्यम और अनुपमा देवी हैं। तीन बच्चों को सुबह ही सुरक्षित निकाल लिया गया था। सांसद निशिकांत दुबे ने देवघर में मकान गिरने से हुई दुर्घटना में 3 मृतकों के परिजनों को दुर्घटना राहत कोष से 1-1 लाख की राशि देने की घोषणा की है।

इस दुर्घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के अफसर और गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे मौके पर पहुंचे। इसके बाद एनडीआरएफ की टीम बुलाई गई और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ। जिला प्रशासन ने दोपहर तीन बजे रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लिए जाने की घोषणा की। डीसी, एसपी और गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे मौके पर कैंप करते रहे। डीसी ने बताया कि यहां कुछ कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा था। संभवतः मकान कमजोर रहा होगा, जिसकी वजह से ऐसी घटना हुई है। मकान क्यों गिरा, इसकी जांच करवाई जाएगी? गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, देवघर में आज सुबह छह बजे के आसपास बमबम झा पथ पर तीन मंजिला मकान ढह गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी ने तुरंत ही टीम भिजवाया। सुबह से मैं खुद भाजपा के वरिष्ठ नेताओं व स्थानीय लोगों के साथ घटनास्थल पर मौजूद हूं।

सूरत में 6 मंजिला बिल्डिंग गिरने से मरनेवालों की संख्या सात हुई

सूरत। गुजरात के सूरत में शनिवार की दोपहर सचिन इलाके में एक 6 मंजिला बिल्डिंग गिरने से इसमें दबकर मरनेवालों की संख्या सात हो गई है। जानकारी में सामने आया है कि सूरत के जो बिल्डिंग गिरी है। वह सिर्फ आठ साल पुरानी थी। यह बिल्डिंग 2016 में बनी थी। ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है क्या बहुमंजिला बिल्डिंग के निर्माण में सही निर्माण सामग्री का इस्तेमाल नहीं हुआ था। इस बिल्डिंग में छह परिवारों के रहने की बात सामने आई है। सूरत के जिस इलाके में यह घटना हुई है वह सूरत महानगरपालिका में आता है। इमारत के ढहने से करीब 15 लोगों के घायल होने की भी खबर है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके जर्जर होने के चलते सूरत महानगर पालिका ने इसे खाली करने के आदेश भी दिए थे। बताया जा रहा है कि इमारत का मालिक विदेश में रहता है।

बिहार और झारखंड से छह साइबर ठग को दिल्ली पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कमीशन के आधार पर अपने बैंक खाते बेचने' और लोगों को ठगने वाले छह साइबर ठगों को बिहार तथा झारखंड से गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान रौशन कुमार शुक्ला, शिवेंद्र कुमार, तुशार कर्माकर, सागर कर्माकर, राहुल पात्रो और राजू पात्रो के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने एक ऑनलाइन विज्ञापन देखा जिसमें एक व्यक्ति ने अपने बीमार रिश्तेदार के लिए वित्तीय सहायता मांगी थी।

महिला ने पोस्ट के नीचे अपना फोन नंबर दिया। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण पश्चिम) रोहित मीणा ने बताया कि पिछले वर्ष दो दिसंबर को महिला को एक अज्ञात नंबर से कॉल कर एक व्यक्ति ने कहा कि उसके रिश्तेदार को इलाज के लिए धन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कुछ देर बाद उसने फिर फोन कर कहा कि उसका मित्र रोशन कुमार शुक्ला भी महिला को इसी संबंध में फोन करेगा। अधिकारी ने कहा, कुछ समय बाद शिकायतकर्ता को दूसरे मोबाइल नंबर से व्हट्सऐप' के माध्यम से फोन आया। तीन दिसंबर को शिकायतकर्ता ने मदद के तौर पर तीन लाख रुपये भेज दिए। इसके बाद आरोपियों ने फोन बंद कर दिया, उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसी के आधार पर कार्रवाई की गइ।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले... आज देश के लिए मरने की नहीं बल्कि जीने की है जरूरत

एजेंसी/अहमदाबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि देश के लिए मरने की नहीं बल्कि जीने की जरूरत है। उन्होंने गुजरात के विकास में भूमिका के लिए कड़वा पाटीदार समुदाय की सराहना की। वह मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की मौजूदगी में यहां छात्रों के लिए एक छात्रावास परिसर का उद्घाटन करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शाह ने शहर में एक अस्पताल का भी उद्घाटन किया। छात्रावास के अधिकारियों ने बताया कि अमीन पीजेकेपी विद्यार्थी भवन का निर्माण कड़वा पाटीदार समुदाय द्वारा किया गया है और इसमें सभी सामाजिक समूहों के छात्रों के लिए आवास की व्यवस्था होगी।

शाह ने कहा कि आज देश के लिए मरने की नहीं, बल्कि देश के लिए जीने की जरूरत है। उन्होंने कहा, आप एक अच्छे आईएएस, आईपीएस, सीए, चिकित्सक, अच्छे नागरिक या गृहिणी हो सकते हैं, लेकिन आपको देश के लिए काम करने की जरूरत है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि कड़वा पाटीदार समुदाय ने गुजरात के विकास में बहुत योगदान दिया है। उन्होंने कहा, गुजरात और पाटीदार समाज का विकास समानांतर है। अपनी मेहनत से कड़वा पाटीदार समाज ने अपने विकास के साथ-साथ राज्य और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा, बच्चों को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना बहुत जरूरी है। शिक्षा ही विकास की नींव है. सरकार देश के भविष्य को संवारने के लिए शिक्षा को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

मलबा गिरने से हिमाचल प्रदेश में 150 व उत्तराखंड में 100 सड़कें बंद

एजेंसी/नई दिल्ली

पूरे देश में दक्षिण पश्चिम मानसून झूम के बरस रहा है। पश्चिम में हिमाचल प्रदेश से लेकर पूरब बिहार और पूर्वोत्तर में असम तक भारी बारिश के चलते नदियां उफान पर है और बाढ़ की स्थिति गंभीर बनती जा रही है। असम के 35 में से 30 जिले बाढ़ की चपेट में हैं और 24.50 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। हिमाचल प्रदेश में 150 और उत्तराखंड में 100 से अधिक सड़कें जगह-जगह मलबा आने से बंद हो गई हैं। बिहार में अलग-अलग स्थानों पर बज्रपात (बिजली गिरने) से 9 लोगों की मौत हुई है। मौसम विभाग ने अगले दो से तीन पूरे देश में अलग-अलग स्थानों पर भारी से लेकर बहुत भारी बारिश की संभावना जताई और रेड, ऑरेंज व यलो अलर्ट जारी किए हैं।

इंदौर में छह बच्चों की मौत मामले में पीएम ने दिया जांच का आदेश

इंदौर। इंदौर के पंचकुइयां रोड स्थित श्री युग पुरुष धाम आश्रम में छह बच्चों की मौत का मामला अब राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने एक जांच दल इंदौर भेजा है। जांच टीम की सदस्य डॉ. दिव्या गुप्ता ने कहा कि पीएम मोदी ने इस विषय को लेकर पूरी तहकीकात करने का आदेश दिया है।

जम्मू-कश्मीर में हुई दो मुठभेड़ों में 6 आतंकवादी ढेर, दो जवान शहीद

एजेंसी/जम्मू

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में हुई दो मुठभेड़ों में छह आतंकवादी मारे गए और दो जवान शहीद हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया, मोदरगाम मुठभेड़ स्थल से दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए जबकि चिन्नीगाम स्थल से रविवार को चार शव बरामद किए गए। कुलगाम जिले के दो गांवों में शनिवार को मुठभेड़ शुरू हुई थी।

आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक पैरा कमांडो समेत दो सैन्यकर्मियों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। अभियान के बारे में बताते हुए जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक आरआर स्वैन ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में आतंकवादियों का सफाया करना एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, निस्संदेह सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में यह एक बड़ा मील का पत्थर है। ये सफलताएं वास्तविक रूप से और संदेश के लिहाज से भी बहुत सार्थक हैं।

अब पैकेट वाले खाद्य पदार्थों के रैपर पर नमक, चीनी व फैट के बारे में बोल्ड अक्षरों में लिखना होगा

एजेंसी/नई दिल्ली

खाद्य नियामक एफएसएसएआई पैकेट वाले खाद्य पदार्थों पर नमक, चीनी और संतृप्त वसा के बारे में बोल्ड अक्षरों के साथ ही बड़े फॉन्ट में जानकारी देने को अनिवार्य करने की तैयारी कर रहा है। नियामक ने शनिवार को इस संबंध में लेबलिंग के नियमों में बदलाव को मंजूरी दी है। एफएसएसएआई इस बारे में एक मसौदा अधिसूचना जारी करेगा और हितधारकों से टिप्पणियां मांगेगा। एक आधिकारिक बयान में एफएसएसएआई ने कहा कि उसने पैकेट वाले खाद्य पदार्थों के लेबल पर बोल्ड अक्षरों और अपेक्षाकृत बड़े फॉन्ट साइज में कुल चीनी, नमक और संतृप्त वसा के बारे में पोषण संबंधी जानकारी देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। पोषण संबंधी जानकारी लेबलिंग के संबंध में खाद्य सुरक्षा और मानक (लेबलिंग और प्रदर्शन) विनियम, 2020 में संशोधन को मंजूरी देने का फैसला एफएसएसएआई के चेयरमैन अपूर्व चंद्रा की अध्यक्षता में लिया गया। नियामक ने कहा, संशोधन का मकसद उपभोक्ताओं को उत्पाद के पोषण मूल्य को अच्छी तरह समझने और बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनाना है।

बनारसी साड़ी को जीआई टैग मिलने से विश्व में इसे मिली है नई पहचान

अंबानी परिवार की शादी में बनारसी साड़ी बिखेरेगी अपनी चमक

केटी न्यूज/वाराणसी

काशी की जीआई और ओडीओपी उत्पाद बनारसी साड़ी अंबानी परिवार की शादी में रंग बिखेरेगी। काशी की इस प्राचीन कला को जीआई टैग मिलने से विश्व में बनारसी साड़ी को अलग ही पहचान मिली है। योगी सरकार द्वारा बनारसी साड़ी को वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट में शामिल करने से काशी के कारीगरों का हुनर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उड़ान भर रहा है। बनारसी साड़ी को नई पहचान मिलने के बाद इसकी ख्याति और बढ़ती जा रही है। फिल्म इंडस्ट्री हो या देश दुनिया के सबसे बड़े औद्योगिक घराने, बनारसी साड़ी सबको खूब भाती है। वहीं बेटे की शादी के लिए नीता अंबानी ने भी इसी खास बनारसी साड़ी का ऑर्डर दिया है।

पीएम-सीएम ने दिया शिल्पियों के हुनर को नया बाजार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जीआई उत्पाद व वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट के ब्रांड अंबेसडर के रूप में देश के शिल्पियों के हुनर को नया बाजार दिया है। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घरानों में शुमार मुकेश अंबानी की पत्नी नीता अंबानी अपने बेटे की शादी के लिए यह साड़ी खरीदने कुछ दिन पहले बनारस पहुंची थीं। नीता अंबानी साड़ी की दुकान से लेकर बुनकर के घर तक गईं। उन्होंने करघे पर बुनकरों की बुनाई करते हुए कारीगरी को भी देखा। साथ ही बनारसी साड़ी के कारीगरों से इसकी बारीकियां भी समझीं। जीआई एक्सपर्ट पद्मश्री डॉ रजनीकांत ने बताया कि जीआई टैग की बनारसी साड़ी 100 प्रतिशत हैंडलूम और सिल्क की होती है।

बेटे की शादी के लिए नीता अंबानी ने दिया है ऑर्डर: नीता अंबानी ने बेटे की शादी के लिए ढेर सारी बनारसी साड़ियों का आर्डर दिया है। साड़ी के व्यापारी और एक्सपोर्टर प्रवीण अग्रवाल बताते हैं कि बनारसी साड़ी को जीआई उत्पाद में शामिल होने और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा इसे ओडीओपी में शामिल करने से पुरातन कला और बुनकरों को नया जीवन मिला है। अंबानी परिवार की इस शादी में जब बनारसी साड़ी पहनी जाएगी, तब इसकी चर्चा पूरी दुनिया में फिर से होगी।

सीएम नीतीश से मिले केंद्रीय मंत्री चिराग, पुरानी व्यवस्था से दफादार-चौकीदार की बहाली की रखी मांग

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय मंत्री और एलजेपी प्रमुख चिराग पासवान ने रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने बिहार में चल रहे विकास कार्यों और सरकारी नौकरियों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। हाल ही में बिहार में कई पुल गिरने की घटनाओं के मद्देनजर चिराग पासवान ने इस पर भी चिंता जताई। यह चिराग पासवान की मोदी सरकार में मंत्री बनने के बाद नीतीश कुमार से पहली मुलाकात थी। चिराग पासवान ने मुलाकात की तस्वीरें

सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास पर भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने बिहार में हाल ही में हुए पुल हादसों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इन दिनों बिहार में निमार्णाधीन पुल गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं, इसको लेकर भी सीएम के सामने अपनी चिंता व्यक्त की। बता दें कि पिछले 20 दिनों में बारिश के कारण बिहार में 14 पुल गिर चुके हैं।

चिराग पासवान ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सरकारी नौकरियों पर भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के द्वारा 2014 में बिहार चौकीदार संवर्ग नियमावली बनाई थी। इसमें दफादार और चौकीदारों के आश्रितों की बहाली का प्रावधान किया गया था। इस नियमावली के तहत साल 2023 तक आश्रितों की बहाली होती रही है। चिराग पासवान ने कहा कि पहले से रिटार्यड और रिटायर होनेवाले चौकीदारों के आश्रितों की बहाली और स्वेच्छिक सेवानिवृत के शेष आश्रितों की नियुक्ति पत्र अभी तक जारी नहीं किए गए, जबकि एक-दो जिलों में सरकार ने नई बहाली की प्रकिया शुरू कर दी है, जो चिंताजनक है। उन्होंने आगे कहा कि लोजपा रामविलास पार्टी की मांग है कि पुरानी व्यवस्था को फिर से बहाल किया जाए। चिराग पासवान ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी मुद्दों पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

जदयू विधायक ने पूर्व केंद्रीय मंत्री पर किया हमला... कहा- बकबक करते हैं अश्विनी चौबे, उनका दिमाग खिसक गया है

पटना। बिहार में लोकसभा चुनाव के पश्चात आगामी 2025 में विधानसभा चुनाव होना है। केन्द्र में अपने घटक दलों की मदद नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री चुने गए हैं, लेकिन बिहार एनडीए में आम चुनाव से पूर्व सब कुछ ठीक नहीं है। इसकी बानगी फिर दिखने लगी है। दरअसल बीते दिनों पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे भागलपुर पहुंचे थे, जहां उन्होंने ने 2025 विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने बिहार में एनडीए को भाजपा नेतृत्व वाले चेहरे पर चुनाव लड़ने की बात कही थी। जिसपर सियासी संग्राम बढ़ने लगा है। अश्वनी चौबे के इस बयान ने खूब सुर्खियां बटोरी। वहीं इसपर जदयू विधायक गोपाल मंडल ने अश्वनी चौबे और गिरिराज सिंह पर जवाबी हमला किया। गोपाल मंडल ने कहा कि अश्वनी चौबे क्या है? बिहार में भाजपा का स्थान कहां है? चौबे जी बकबक करते हैं। उनका दिमाग खिसक गया है। वहीं गिरिराज सिंह को लेकर कहा कि वह भी बकबक करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नीतीश को साइड करके कहां जाएगी, अगर दम था तो क्यों नहीं अकेले चुनाव लड़े।

कोसी बराज से 2.7 लाख, जबकि गंडक बराज से 4 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया

बिहार में मंडराने लगा बाढ़ का खतरा, नदियों का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंचा

- पड़ोसी देश नेपाल के तराई वाले इलाकों में हो रही जोरदार बारिश से कोसी और गंडक नदी में आया उफान
- गंडक बराज के 39 में से 36 गेट खोल दिए गए हैं

केटी न्यूज/पटना

बिहार में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश से गंगा समेत कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। उधर, पड़ोसी देश नेपाल के तराई वाले इलाकों में भी जोरदार बारिश हो रही है। ऐसे में कोसी और गंडक नदी में उफान आ गया है। गंडक बराज के 39 में से 36 गेट खोल दिए गए हैं, जिससे बिहार में एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। कई नदियों का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच चुका है। लगातार हो रही बारिश के कारण कोसी और गंडक नदी का जलस्तर खतरे के निशान के पास पहुंच चुका है जो किसी भी वक्त पार कर सकता है। नीचले इलाकों में तेजी से बाढ़ का पानी फैल रहा है। कोसी और गंडक बराज से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। कोसी बराज से 2.7 लाख क्यूसेक जबकि गंडक बराज से 4 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। विभाग की तरफ से नीचले इलाकों में बाढ़ का अलर्ट जारी कर दिया गया है। बिहार में लगातार हो रही बारिश और नेपाल से छोड़े गए पानी के कारण गंगा समेत कई

बारिश के कारण तेजी से बढ़ रहा गंगा नदी का जलस्तर भी

इसी तरह कमला बलान जयनगर और झंझारपुर, जबकि गंडक नदी मुजफ्फरपुर के रेवाघाट में लाल निशान की ओर बढ़ रही है। बारिश के कारण गंगा नदी का जलस्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। पटना, मुंगेर, भागलपुर और कहलगांव में गंगा का जलस्तर बढ़ना शुरू हो गया है। वहीं, बागमती-अधवारा सीतामढ़ी और शिवहर में, घाघरा नदी सीवान और सारण में, खिरोई दरभंगा में लगातार उफान पर जा रही है। कोसी नदी खगड़िया में भी तेजी से ऊपर जा रही है। पिछले साल मानसून शुरू होते ही गंडक ने गोपालगंज में भारी तबाही मचाई थी। इसके बाद कोसी नदी ने कई इलाकों में बाढ़ के हालात बना दिए थे।

नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। जिस तरह से जलस्तर बढ़ रहा है नदियां खतरे के निशान को किसी भी वक्त पार कर सकती हैं।

गंगा नदी की बात करें तो केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, गंगा का जलस्तर चार से पांच सेंटीमीटर प्रतिघंटा बढ़ोतरी हो रही है। गोपालगंज में गंडक के जलस्तर में भारी बढ़ोतरी हुई है। गंडक बराज वाल्मीकिनगर से 4 लाख 40 हजार 750 क्यूसेक पानी छोड़ा गया । गोपालगंज के निचले इलाके में लगातार बाढ़ का पानी फैल रहा है। जिले में बाढ़ को लेकर हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। विभाग द्वारा तटबंधों की निगरानी बढ़ा दी गई है। वहीं शिवहर में भी बाढ़ अलर्ट जारी किया गया है। बागमती नदी में उफान आ गया है।

रोहतास में अचानक जल प्रताप में आया उफान, मंदिर में पूजा करने गये लोग जान बचाकर भागे

पटना। रोहतास के नौहट्टा महादेव मंदिर स्थित जल प्रताप में अचानक ऊफान आ गया। जिस कारण भयावह दृश्य देखने का मिला। पहाड़ पर झरना की शक्ल में गिरने वाले पानी में आई ऊफान के कारण पानी पूरा मंदिर परिसर में फैल गया। झरना के इस विकराल रूप को देखकर आसपास के लोग भाग खड़े हुए। यहां तक की प्रतिदिन मंदिर में पूजा अर्चना करने वाले लोग भी यहां से भाग गए। आप तस्वीरों में देख सकते हैं, किस प्रकार पहाड़ से गिरने वाली झरना का विकराल रूप देखने को मिला। जो पूरे मंदिर परिसर को अपने जद में ले लिया। बता दे की कैमूर पहाड़ी पर जब मूसलाधार बारिश होती है तो झरने का स्वरूप बड़ा हो जाता है। लेकिन इस बार आप देख सकते हैं कि कितने तेज रफ्तार में महादेव को से पानी गिर रहा है। यहां एक प्राचीन शिव मंदिर है और इस मंदिर के बगल से मानसून में तेज झरना गिरता है। लेकिन इस बार झरने का विकराल रूप देखकर लोग भयभीत हो गए। मंदिर की देखरेख करने वाले कुछ लोग यहां रहते हैं उन लोगों का कहना है कि जून जुलाई के बाद कुछ इस तरह का झरना यहां शुरू हो जाता है जब-जब बाहर पर मूसलाधार बारिश होती है तो झरना का रौद्र रूप देखने को मिलता है।

बढ़ने वाली हैं लालू प्रसाद की मुश्किलें, कोर्ट में पहुंचा हत्या का 30 साल पुराना मामला

केटी न्यूज/पटना

आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद की मुश्किलें एक बार फिर से बढ़ने वाली हैं। करीब 30 साल पुराना हत्या का मामला कोर्ट में पहुंच गया है। लालू प्रसाद के खिलाफ मुजफ्फरपुर की अदालत में परिवाद दायर कराया गया है। लालू पर आरोप है कि उन्होंने गांधी मैदान में भड़काऊ भाषण दिया था, जिसके बाद हिंसा भड़क गई थी और एक शख्स की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। दरअसल, आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद के खिलाफ मुजफ्फरपुर के अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम पश्चिम की कोर्ट में एक परिवाद दाखिल कराया गया है। पारू थाना क्षेत्र के उस्ती गांव निवासी राजीव रंजन उर्फ टुनटुन सिंह ने लालू प्रसाद पर भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगाते हुए परिवाद दाखिल कराया है।

परिवादी राजीव रंजन का आरोप है कि लालू प्रसाद ने 30 साल पहले पटना के गांधी मैदान में भड़काऊ भाषण दिया था। जिसके बाद आरजेडी के लोगों ने उनके पिता की हत्या कर दी थी। 1994 में बिहार में आ?जेडी की सरकार थी और लालू प्रसाद मुख्यमंत्री थे। आरोप है कि 27 जून 1994 को गांधी मैदान में लालू प्रसाद ने जाति विशेष को लेकर भाषण दिया था जिससे कार्यकर्ता उग्र हो गए। 30 जून को परिवादी राजीव रंजन के पिता का अपहरण कर लिया गया और हत्या करने के बाद उनके शव के पेड़ पर लटका दिया था।

राजीव रंजन ने आरोप लगाया है कि जातिय उन्माद में उनके पिता के अलावा अन्य लोगों की हत्या हुई, जिसके लिए लालू प्रसाद जिम्मेवार हैं। परिवादी के पिता उस वक्त की बिहार पीपुल्स पार्टी के मुजफ्फरपुर पश्चिमी से अध्यक्ष थे। कोर्ट ने इस परिवार की सुनवाई की तिथि निर्धारित कर दी है। आगामी 19 जुलाई को कोर्ट इस मामले की सुनवाई करेगा।

उचित मूल्य 9800197310 उत्तम व्यवहार
गीता प्रेस
पुस्तक की दुकान
सभी प्रकार की धार्मिक पुस्तकों के एकमात्र विक्रेता
सहयोगी प्रतिष्ठान
डॉ. रामप्रवेश राय (मुन्ना राय)
: 6299941536
लक्ष्मी पैलेस मेन रोड, बक्सर (नहर के पास)

नौकरी नहीं मिलने से परेशान युवक ने दे दी जान, पति की मौत की खबर सुन पत्नी ने छत से लगा दी छलांग

केटी न्यूज/पटना

पटना के एक युवक ने ऐसा कदम उठा लिया कि परिजन काफी सदमें में हैं। एमबीए करने के बाद भी जब युवक को नौकरी नहीं मिली तो वह डिप्रेशन में चला गया और बड़ा कदम उठा लिया। युवक ने बनारस के एक होटल में जाकर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। वही इस घटना की खबर जब पत्नी को लगी तो वो यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर सकी। पति की मौत के बाद वो छत पर चली गयी और ऊंचाई से कूदकर अपनी जान दे दी। पति की मौत के बाद पत्नी की भी जान चली गयी।

इस घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की पहचान 27 वर्षीय हरीश बगेश के रूप में हुई है जो बिहार के पटना स्थित बाढ़ का रहने वाला था जबकि मृतका संचिता श्रीवास्तव गोरखपुर की रहने वाली थी। दो साल पहले ही दोनों ने लव मैरिज की थी। जानकारी के अनुसार एमबीए की पढ़ाई करने के बाद हरीश बगेश मुंबई में एक प्राइवेट बैंक में काम करता था। लेकिन तभी पत्नी संचिता की तबीयत खराब होने की

सूचना मिलते ही उसने नौकरी छोड़ दी और अपने ससुराल गोरखपुर में ही रहने लगा। बेरोजगारी का दंश झेल रहा युवक पिछले कुछ दिनों से काफी परेशान था। ससुरालवालों को यह कहकर निकला था कि वह अपने घर पटना जा रहा है। लेकिन पटना जाने के बजाय वह बनारस चला गया। जहां सारनाथ के पास एक होटल में ठहर गया। जब उसने ऑनलाइन खाना मंगवाया तब यह मैसेज पत्नी के मोबाइल पर भी आ गया। जिसके बाद पत्नी ने पति को फोन लगाया लेकिन उसने नहीं उठाया। तब पत्नी ने बनारस में रहने वाले एक पहचान के व्यक्ति को फोन किया और होटल में जाने को कहा। परिचित जब होटल गये तो देखा कि हरिश की लाश फंदे से लटकी हुई है। इस पर पत्नी भी सदमा बर्दाश्त नहीं कर पाई।

बिहार में हजारों करोड़ की सड़क परियोजनाओं पर संकट, वन विभाग ने अटका दिया बड़ा रोड़ा

पटना। बिहार में करीब 50 हजार करोड़ की सड़क परियोजनाओं पर संकट के बादल छा गए हैं। वन विभाग की एक बड़ी शर्त सरकार के लिए परेशानी का सबब बन गई है। बिहार में सड़क में वन भूमि के उपयोग के बदले गैर वन भूमि देने की सरकार की शर्त गले की हड्डी बनती जा रही है। इस शर्त के कारण राजमार्ग निर्माण की रफ्तार पर ब्रेक लग गई है। दरअसल, बिहार में केंद्र सरकार के नए नियम के कारण सड़कों के निर्माण में परेशानी सामने आ रही है। पुराने नियम के मुताबिक सड़क निर्माण में जितने पेड़ों की कटाई होती थी उससे दोगुने पेड़ लगाने के लिए सरकार को वन विभाग को पैसे देने पड़ते थे लेकिन पिछले साल केंद्र सरकार के वन मंत्रालय ने इसमें एक नई शर्त जोड़ दी। पेड़ लगाने के पैसा और नकद राशि के साथ साथ यह भी प्रावधान किया गया कि सड़कों के निर्माण में जितनी वन भूमि का इस्तेमाल होगा, उतनी जमीन सरकार को वन निभाग को उपलब्ध कराना होगा, ताकि उस भूमि में वन को विकसित किया जा सके।

वन मंत्रालय की इस शर्त का बिहार सरकार ने पहले ही विरोध जताया था और इसे किसी भी सूरत में सही करार नहीं दिया था। राज्य सरकार का स्पष्ट कहना था कि बिहार में इस नियम का अगर पालन किया गया तो सड़कों का निर्माण नहीं हो सकेगा। बिहार सरकार का कहना है कि जिन सड़क परियोजनाओं को परिवेश पोर्टल पर नए नियम के लागू होने से पहले अपलोड किया गया है, उस पर यह शर्त लागू नहीं हो हालांकि वन विभाग तमाम परियोजनाओं पर इस नियम को लागू करना चाह रहा है। ऐसे में बिहार में करीब 50 हजार करोड़ की सड़क परियोजनाओं पर ब्रेक लगने की संभावना जताई जा रही है।

परिवहन सचिव ने संबंधित सभी एग्रीगेटर कपनियों के प्रतिनिधियों को दिया निर्देश

13 जिलों में शुरू होगी बाइक और टैक्सी सेवा

केटी न्यूज/पटना

राजधानी पटना में टैक्सी कैब सेवा की सफलता के बाद अब बिहार के अन्य प्रमुख शहरों में भी ओला, उबर, सवारी मिथिला की और रैपिडो जैसी बाइक और टैक्सी सेवा प्रदाता कंपनियों की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके लिए परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने संबंधित सभी एग्रीगेटर कपनियों के प्रतिनिधियों को निदेश दिया है। परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए दरभंगा, भागलपुर, पूर्णिया, गया, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सारण, मुंगेर, नालंदा, बेगुसराय, रोहतास, कटिहार और किशनगंज जिला में बाइक और टैक्सी सेवा शुरू करने का निर्णय लिया गया है. प्रथम फेज में इन 13 जिलों में बाइक और टैक्सी की सेवा शुरू की जायेगी। वहीं द्वितीय फेज में कुल 25 जिलों में शुरू होगी।

परिवहन सचिव द्वारा आइआइएम, बोधगया में परिवहन कार्यालय गया के कार्यों की समीक्षा के दौरान इन सभी एग्रीगेटर प्रतिनिधियों को पुनः निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द टैक्सी सुविधा उपलब्ध कराया जाये।

एग्रीगेटर सर्विस उपलब्ध होने से किराए पर टैक्सी, कैब का उपयोग करने से उपयोगकर्ता के मन में संशय की भावना नहीं होती है। साथ ही साथ टैक्सी सेवा प्रदाता चिंता एवं संशय से मुक्त रहते हैं कि उनकी वाहन का उपयोग रजिस्टर व्यक्ति के द्वारा किया जा रहा है, अतः यह दोनों के लिए उपयोगी है। सबसे महत्वपूर्ण है कि इस सुविधा के उपलब्ध होने पर उपयोगकर्ता कहीं भी किसी भी समय अपने मोबाईल के द्वारा किराया पर टैक्सी की सुविधा ले सकते हैं। परिवहन सचिव ने संबंधित जिलों के जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि कैब में यूज होने वाले वाहनों का कैंप लगा कन्वर्जन कराएं एवं वाहनों का फिटनेस और परमिट दें।

बैठक में परिवहन सचिव ने निर्देश दिया कि उक्त कंपनियां बिहार के विभिन्न शहरों में अपनी प्रीपेड बाइक और टैक्सी सेवाएं शीघ्र प्रारंभ करें, ताकि राज्य के नागरिक पटना के अलावा अन्य शहरों में भी परिवहन सुविधाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने बताया कि ओला, उबर, सवारी मिथिला की और रैपिडो जैसी कंपनियों की सेवा मिलने से यात्रियों की सुविधा बढेगी एवं रोजगार का भी सृजन हो सकेगा।

डीएम ने चौसा आरओबी के एक्जीक्यूटिव व प्रोजेक्ट इंजीनियर को किया शोकॉज

केटी न्यूज/बक्सर

♦ ससमय चौसा आरओबी के पहुंच पथ का निर्माण नहीं होने पर डीएम अंशुल अग्रवाल ने जताई नाराजगी

चौसा में निर्माण हो रहे आरओबी का ससमय निर्माण पूरा न होने पर निरीक्षण में पहुंचे जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल झल्ला उठे। इस दौरान पुल के निर्माण में त्रुटियों की जानकारी होने के बाद उसको दूर कर शीघ्र निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही पड़ रहे त्रुटियों सम्बंधित पदाधिकारियों को भी सहयोग करने का निर्देश जारी किया गया। बता दें कि डीएम अपने मातहतों के साथ टूर कार्यक्रम के तहत चौसा आरओबी का निरीक्षण करने पहुंचे थे। जहां निर्माण की गति धीमी होने पर खेद प्रकट की। चौसा आरओबी का चार मई 2022 को पहुंच पथ का कार्य प्रारंभ किया गया। जिसे तीन अगस्त 23 में पूर्ण कर लिया जाना था। किन्तु निर्धारित अंतिम तिथि तक कार्य पूर्ण नहीं होने के कारण इसके निर्माण तिथि को विस्तारित करते हुए 31 दिसम्बर 2024 कर दी गई।

बताया गया कि निर्माण होने वाले अप्रोच पथ में कुल 10 पिलर में से अभी तक मात्र पूर्ण रूप से चार पिलर का ही निर्माण किया गया है। कार्य में हो रहे विलंब के संबंध में पृच्छा करने पर प्रोजेक्ट इंजिनियर ने बताया कि निर्माण कार्य के बीच में रैयती भूमि आने एवं स्थल स्पष्ट नहीं रहने के कारण कार्य कराने में कठिनाई उत्पन्न हो रही है। वहीं वृक्ष भी निर्माण में बाधा उत्पन किये है। इस संबंध में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी एवं चौसा अंचलाधिकारी को निर्देशित करते हुए संबंधित हितबद्ध रैयतधारियों को नोटिस तामिला कराते हुए यथाशीध्र नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। वहीं, प्रोजेक्ट इंजीनियर को वन विभाग से समन्वय स्थापित कर यथाशीध्र पेडो को हटवाने का निर्देश दिया गया।

आवागमन में कठिनाईयों का करना पड़ रहा सामना : वहीं, निरीक्षण के क्रम में पाया कि चौसा कोचस मुख्य पथ के किनारे उक्त पुल का निर्माण कार्य होने के कारण रास्तें में जलजमाव हो गया है। जिसके कारण स्थानीय जनता को आवागमन में कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। जहां संवेदक जान-बुझकर कार्य में लापरवाही बरता जा रहा है। जिसमे संवेदक को निर्देशित करते हुए कहा संबंधित स्थल पर नाली एवं मुख्य सडक से जाने वाले अप्रोच पथ की मरम्मती कराया जाय। आरओबी के निर्माण गति धीमी प्रक्रिया पर डीएम ने सम्बंधित कार्यपालक अभियंता एवं प्रोजेक्ट इंजीनियर, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड पर कारण पृच्छा करने का निर्देश दिया गया। इस मौके पर जिला भू अर्जन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, पुल निर्माण निगम लिमिटेड प्रोजेक्ट इंजिनियर, चौसा बीडीओ व सीओ उपस्थित रहे।

11 जुलाई को जिला मुख्यालय में धरना पर बैठेंगे जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के सदस्य

डुमरांव। नगर के एक सभागार में जनसंख्या पर नियंत्रण को लेकर एक बैठक आहूत की गई। बैठक का आयोजन जनसंख्या समाधान फाउंडेशन की तरफ से किया गया। इस बैठक में लोगों को जनसंख्या के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही, जनसंख्या को नियंत्रण करने के लिए केन्द्र सरकार से कानून बनाने की पुरजोर मांग की गई। सभी को बताया गया कि अगामी 11 जुलाई को पूरे देशभर के जिला मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में जिला मुख्यालय बक्सर में भी अम्बेडकर चौक कवलदह पोखरा के पास धरना दिया जाएगा। धरने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम का ज्ञापन डीएम अंशुल अग्रवाल को दिया जाएगा। फिर लोगों से अपील की गई कि इसमें सबकी भागीदारी से ही कामयाब होने की बात कही गई। इस अवसर पर फाउंडेशन के बिहार संयोजक संजय राय, प्रदेश उपाध्यक्ष सुमन राय, संतोष दूबे, अजय कुमार चंद, विशोका चंद्र, संजय सिंह, मनोज जायसवाल, विपिन बिहारी, राघव, महेन्द्र राम, बिनोद सिंह, उमाशंकर सिंह, गोपाल प्रसाद गुप्ता, अंकुर चौबे, सतीश राय सहित अन्य मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

दो पक्षों में हुई मारपीट में दो जख्मी

नावानगर। स्थानीय थाना क्षेत्र के परमानपुर गांव में आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों खुब लाठियां चटकी। जिसमें एक पक्ष के दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों जख्मी हरेंद्र राम व सुमन कुमार है। जो रिश्ते में पिता-पुत्र बताया जाता है। दोनों जख्मी का इलाज स्थानीय सीएचसी में कराया गया। हरेंद्र राम ने मारपीट करने का आरोप लगाते हुए धर्मेंद्र राम व संजीत राम समेत चार लोगों को नामजद कर नावानगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष नंदू कुमार ने बताया कि हरेन्द्र राम के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

भूमि विवाद में हुई मारपीट, 6 घायल

राजपुर। राजपुर थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में जमीनी विवाद में दो पक्षों में मारपीट की गई। जिसमें एक पक्ष के तीन जबकि दूसरे पक्ष के भी तीन कुल छह व्यक्ति घायल हो गए। जहा दोनो ओर से घायलों के इलाज के लिए सदर अस्पताल व राजपुर सीएचसी में लाया गया। जिनमे दोनो पक्ष द्वारा दर्जनों लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। बताया जाता है पूर्व के भूमि विवाद को लेकर शनिवार को दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। जहा वाद-विवाद के बाद मामला मारपीट में तब्दील हो गया। जिसमे एक पक्ष के प्रवीण राय, ज्योति राय तथा प्रशांत राय घायल हो गए। मामले में दोनों पक्षों ने आवेदन देकर दर्जनों लोगों पर केस दर्ज कराया है।

जमीन बचाने के लिए अनशन पर बैठेंगे लोग

डुमरांव। एक एकड़ सत्ताईस डिसमिल कैसरे-ए-हिंद की भूमि को बिद्या देवी के वारिस शेखर के द्वारा 22 फरवरी से किये जा रहे घेराबंदी को सरकारी सम्पति बचाओ मंच के द्वारा 6 मार्च से चलाए गए अनिश्चित कालीन धरना 14 मार्च को सीओ के हस्तक्षेप पर घेराबंदी स्थगित की गई थी। लेकिन अब फिर उक्त जमीन की घेराबंदी होने की सूचना मिल रही है। जिसको लेकर सरकारी सम्पति बचाओ मंच ने प्रदीप शरण की अध्यक्षता में चकबंदी ऑफिस के समीप बैठक हुई। जिसमें अनिश्चितकालीन अनशन धरना देने का निर्णय लिया गया।

सफलता : 24 घंटे के अंदर मोबाइल शॉप के लूट की घटना का पुलिस ने किया उद्भेदन

चोरी की बाइक से मंगल ने मुरार में लूट की घटना को दिया था अंजाम: एसपी

♦ एसपी मनीष कुमार ने प्रेस वार्ता कर दी जानकारी, कई कांडों में शामिल थे तीन अभियुक्त गिरफ्तार

केटी न्यूज /बक्सर

पकड़े गए अपराधियों के साथ एसपी, डुमरांव एसडीपीओ व अन्य।

विगत पांच जुलाई को मुरार थाने के स्थानीय बाजार स्थित मोबाइल शॉप से लूट हुई थी। इस लूटकांड का महज 24 घंटे के अंदर बक्सर पुलिस ने मामले का उद्भेदन कर दिया। इस घटना में शामिल तीन अपराधियो को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके पास से एक देसी पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस तथा एक बाइक भी बरामद की है। पकड़े गए अभियुक्तों का कई कांडों में संलिप्तता भी उजागर हुई। जिसमें एक का पुराना आपराधिक इतिहास भी रहा है।

एसपी मनीष कुमार ने रविवार को पकड़े गए अपराधियों की प्रेसवार्ता कर जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि 5 जुलाई को मुरार थाने की पुलिस को सूचना मिली कि स्थानीय बाजार में निशा मोबाइल शॉप में तीन अपराधकर्मियों के द्वारा लूट की गई है। जहा पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए थाने में प्राथमिकी दर्ज कर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, डुमराव के नेतृत्व में टीम गठित कर अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी हेतु अभियान जारी किया गया। जहा गठित टीम द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान व साक्ष्यों के आधार पर छापेमारी चलाया गया। इसके तहत मुरार थाना क्षेत्र के टुनटुन कमकर के पुत्र मनीष कुमार उर्फ मंगल कमकर एवं इनके अन्य दो साथियों औद्योगिक थाना क्षेत्र के मंझरिया गांव के राधेश्याम यादव के पुत्र चंदन कुमार यादव तथा बड़की सारीमपुर गांव निवासी सुहेल खान को गिरफ्तार किया। जहां पकड़े गए तीनो ने अपनी संलिप्तता स्वीकार की तथा पूछताछ में पूर्व की लूटपाट में शामिल रहना स्वीकारा।

फाइनेंस वाले से लूटे थे 1.04 लाख रुपए व लैपटॉप : एसपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान अपराधियों ने स्वीकार किया की पूर्व में गोलम्बर पर मोटरसाईकिल की चोरी, चक्की ओपी क्षेत्र में तीन जुलाई को बंधन बैंक समूह फाइनेंस वाले से एक लाख चार हजार रूपए नगद, एक टैब एवं पर्स में रखे आधार तथा पैन कार्ड की लूट एवं मुरार थाना में छिनतई एवं मोटरसाईकिल चोरी की घटना भी इन्हीं लोगों ने अंजाम दिया था। इनके पास से एक देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल फोन, एक बाइक व एक टैब बरामद किया गया। गिरफ्तारी के लिए बनाई गई टीम में डुमरांव अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अफाक अख्तर अंसारी, मुरार थानाध्यक्ष कमल नयन पाण्डेय चक्की ओपीध्यक्ष संजय पासवान कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार, नया भोजपुर ओपीध्यक्ष मनीष कुमार तथा डीआइयू की टीम शामिल थी।

कुख्यात मंगल पर तीन थानों में दर्ज है लूट व आर्म्स एक्ट के आधा दर्जन संगीन मामले

मोबाइल दुकान पर लूट की घटना को अंजाम देने के बाद पुलिस की गिरफ्त में आए मंगल कमकर पर अनुमंडल के विभिन्न थानो में लूट, डकैती, छिनतई के साथ ही आर्म्स एक्ट के आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। उसे पर मुरार थाने में तीन, ब्रह्मपुर, कोरान सराय और डुमरांव थाना में एक-एक मामला दर्ज है। सभी मामले लूट, छिनतई तथा आर्म्स एक्ट से जुड़े हैं। हाल के दिनों में वह लूट की ताबड़ तोड़ घटनाओं को अंजाम दे डुमराव अनुमंडल पुलिस के लिए सर दर्द बन गया था। पुलिस की माने तो वह नए लड़कों को अपने गैंग में शामिल कर उनसे रेकी से लेकर लूट तक करवाता था। पिछले दिनों मुराद थाना क्षेत्र में ही सुबह एक शिक्षिका से लूट मामले में पुलिस ने उसके दो सागिर्दो को गिरफ्तार किया था, लेकिन इस दौरान वह पुलिस को चकमा देने में सफल रहा था। पुलिस ने उसके ठिकाने से एक देसी कट्टा बरामद किया था। मोबाइल दुकानदार से लूट की घटना सामने आने के बाद पुलिस ने इसे चुनौती के रूप में लिया और उसके ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर 24 घंटे के अंदर उसे पकड़ लिया। मंगर की गिरफ्तारी से अनुमंडल पुलिस ने चैन की सांस ली है।

कुख्यात कल्लू राय का राइट हैंड मंटू राय गिरफ्तार, आर्म्स एक्ट में चल रहा था फरार

बक्सर। कुख्यात राकेश राय ऊर्फ कल्लू राय का राइट हैंड प्रमोद कुमार राय ऊर्फ मंटू राय को पुलिस ने गिरफ्तार कर कर लिया है। मंटू राय आर्म्स एक्ट में 29 अक्टूबर 2023 से फरार चल रहा था। पुलिस की माने तो गुप्त सुचना मिली की प्रमोद ऊर्फ मंटू राय पिता अवधेश राय अपने घर बड़का नुआँव आया हुआ है। जिसके बाद मुफस्सिल थाना की पुलिस सादे लिबास में गई तथा उसे दबोच लिया। ज्ञात हो कि पुलिस ने 29 अक्टूबर 2023 को गुप्त सूचना के आधार पर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जासो गांव में छापेमारी कर भारी मात्रा में आर्म्स दारा पाठक के घर से बरामद किया था। जिसमें पूछताछ में पता चला की आर्म्स राकेश राय ऊर्फ कल्लू राय का है। जिसे बड़का नुआँव गांव निवासी प्रमोद ऊर्फ मंटू राय उसके यहां रख कर गए है। क्योंकि दो दिन पूर्व आरा बालू घाट पर गोलीबारी हुई थी। जिसमें 2 की मौत हुई थी। वहीं कल्लू राय के पेट में गोली लगी थी। ईलाज के दौरान पुलिस ने कल्लू को गिरफ्तार किया था। उसके आर्म्स को छुपाने के लिए दारा पाठक के घर रखा गया था। दारा पाठक के घर से पुलिस ने तीन राइफल, दो पिस्तौल, एक देसी बंदूक, एक रेगुलर बंदूक के अलावा 111 जिंदा कारतूस और 75 खोखे बरामद किया था। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। जिसमें दारा पाठक, मृत्युंजय पाठक उर्फ पिंटू पाठक और अभिमन्यु पाठक उर्फ छोटू पाठक शामिल हैं। मंटू राय की गिरफ्तारी की पुष्टि मुफस्सिल थानाध्यक्ष ने की है।

विभाग से प्रोन्नती पर मार्गदर्शन नहीं मिला तो शिक्षक संघर्ष मोर्चा करेगा विरोध

डुमरांव। अवकाश प्राप्त शिक्षकों ने आपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर रविवार को नगर के एक सभागार में बैठक की। बैठक में पूर्व की मांगों के मुद्दे को उठाया गया। शिक्षकों का कहना है कि 1993 नियमावली के तहत जिला शिक्षा पदाधिकारी बक्सर द्वारा प्राथमिक शिक्षा विभाग के निदेशक से प्रोन्नति की मार्ग दर्शन मांगी गई थी, लेकिन उपलब्ध नहीं कराया गया। इसके विरूद्ध शिक्षा पदाधिकारी द्वारा अगर कोई करवाई की जाती है तो शिक्षक संघर्ष मोर्चा इसके विरोध में संघर्ष करने पर मजबूर हो जाएगा। शिक्षकों का कहना है कि मंत्रीमंडल सचिवालय विभाग के आदेश के अनुरूप प्रमंडलीय संवर्ग के लिपिक का स्थानांतरण नहीं किये जाने के मुद्दे पर बैठक में विमर्श किया गया। शिक्षकों ने हरियाणा कोर्ट के आदेश पेंशन का मुटेशन के संबंध में बिहार सरकार के विरूद्ध हाईकोर्ट में जाने का निर्णय लिया गया। सेवा निवृत शिक्षकों का एमएसीपीएस से संबंधित अंतर वेतन एवं सेवांत लाभ बकाया का भुगतान कराने हेतु जिला शिक्षा विभाग के कार्यालय में अधिकारियों से मिलने पर सहमति बनी। फिर संघर्ष मोर्चा के सक्रीय सदस्य मो. शमीम अहमद खां के अकास्मिक निधन पर शोक जताते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की गई। मौके पर संघ के जिलाध्यक्ष आलमगीर अंसारी, जिला सचिव अंजनी कुमार, ललन सिंह, तारकेश्वर पांडेय, काशीनाथ सिंह, अखौरी हरेन्द्र कुमार, लाल प्रसाद गुप्ता, नागेन्द्र राय, फूलन सिंह, मो. मुस्लिम सहित अन्य मौजूद रहे।

बिना आधार कार्ड वाले बच्चों की रिपोर्ट तलब

बक्सर। जिले के विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का शत प्रतिशत आधार कार्ड बनवाने एवं ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर अपलोड करने के लिए विभाग ने सख्ती दिखाई है। सर्व शिक्षा अभियान के डीपीओ ने पत्र जारी कर सभी निरीक्षणकताओं से तीन दिनों के अंदर अपने-अपने आवंटित विद्यालयों में निरीक्षण करते हुए निर्धारित प्रपत्र में सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। विभागीय निर्देश पर प्राथमिक से उच्च माध्यमिक विद्यालयों के छात्र व छात्राओं का छात्र प्रोफाईल अभियान के तहत युद्ध स्तर पर ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर प्रविष्टि कराया जा रहा है। जिसमें 2023-24 के नार्मांकित छात्र-छात्राओं का लगभग 50 प्रतिशत प्रविष्टि किया जा चुका है। विद्यालय स्तर से सूचना प्राप्त हो रही है कि वैसे बच्चे जिनका नया आधार कार्ड नहीं बना है, उनके जन्म प्रमाण पत्र बनवाने में विलम्ब हो रहा है. इसको ध्यान में रखते हुए डीपीओ सर्व शिक्षा अभियान ने जिले के सभी निरीक्षणकर्त्ता को आदेश दिया है कि 3 दिनों के अन्दर अपने-अपने आवंटित विद्यालयों में निरीक्षण करते हुए विहित प्रपत्र में वैसे छात्र-छात्राओं की सूची प्रखंड संसाधन कार्यालय में अचूक रूप से उपलब्ध करायेगें। जिसके बाद उनके आधार कार्ड बनवाने की प्रक्रिया में गति लाया जा सके। इसके साथ ही ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर प्रविष्टि शत प्रतिशत कराया जा सकें।

बारिश में गिरा मकान, मलबे में दबकर हजारों का सामान बर्बाद

केटी न्यूज/डुमरांव

शहर के चौक रोड स्थित अर्धकट्टी मोहल्ले में बारिश के दौरान एक मकान के गिरने से हजारों रुपये की संपत्ति बर्बाद हो गयी। यह संयोग था कि परिवार के सभी सदस्य बाल-बाल बच गये। किसी के हताहत होने की सूचना नही हैं।

मकान के गिरने से पीड़ित दारा प्रसाद जायसवाल, कन्हैया प्रसाद जायसवाल और शंभूनाथ जायसवाल को काफी क्षति हुई हैं। इन परिजनों के सामानों की बबार्दी हुई है। सूचना पाकर पहुंचे स्थानीय विधायक डॉ अजित कुमार सिंह ने आर्थिक का क्षति जायजा लिया और इसकी तत्काल सूचना स्थानीय अधिकारियों को दी। सुबह में लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गयी। बताया जाता है कि शनिवार की रात परिजन घर मे मौजूद थे। इसी दौरान बारिश होने लगा। पानी के रिसाव से मकान का कुछ हिस्सा गिर पड़ा और परिजन मलबे को हटाकर बाहर निकले। मलबे में दबकर घर का सामान क्षतिग्रस्त हो गया। पीड़ित परिजन मकान के शेष भाग में सिर छिपाने के लिए मशक्कत करने में जुट गये।

नाश्ता बनाने के दौरान गैस सिलेंडर के रिसाव से लगी आग, मची अफरा-तफरी

♦ आगलगी के कारण एक लाख का सामान जलकर हुआ राख

केटी न्यूज/डुमरांव

रविवार की सुबह स्थानीय शहर के मुख्य चौक स्थित एक घर में गैस सिलेंडर के रिसाव से आग लग गयी। परिजन कुछ समझ पाते तब तक आग ने भयंकर रूप अख्तियार कर लिया था। मोहल्लेवासियों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड व स्थानीय पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड कर्मियों ने मोहल्लेवासियों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

आगलगी की इस घटना में करीब एक लाख रुपये के सामान जलकर राख हो गये। पीड़ित विश्वनाथ प्रजापति के पुत्र शिवजी प्रजापति बताया जाता है। पीड़ित का उसी मकान में एक किराना का दुकान भी हैं। घटना को लेकर बताया जाता है कि परिजन सुबह में नाश्ता बना रहे थे। इसी दौरान गैस सिलेंडर में लगे रेगुलेटर में गैस का रिसाव होने लगा। परिजन कुछ समझ पाते तब तक आग तेजी से फैलने लगा। यह देख परिजनों के बीच अफरा-तफरी मच गयी और परिजन घर से बाहर भाग निकले। परिजनों के अनुसार आगलगी की इस घटना में कपड़े, बर्तन, अनाज, बक्सा, चौकी सहित अन्य कीमती सामान व नगद राशि जलकर राख हो गयी। इन सामानों की कीमत करीब एक लाख रुपये बतायी जाती हैं। घटना के बाद डुमरांव विधायक डॉ अजित कुमार सिंह के निजी सहायक मो. नासिर हसन वहां पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय विधायक के सहयोग से डुमरांव सीओ द्वारा को मुआवजा दिलाने की बात कहीं। पीड़ित ने इस संबंध में डुमरांव थाने में आवेदन दिया हैं।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री मिथिलेश तिवारी रविवार को पहुंचे बक्सर, कहा-

नावानगर के इकोनॉमिक जोन बनने से मिलेगा रोजगार

♦ मिथिलेश तिवारी ने पार्टी के जिला अधिकारियों व युवा मोर्चा के सभी पदाधिकारी के साथ की बैठक

केटी न्यूज/ बक्सर

भारतीय जनता पार्टी के. सांसद प्रत्याशी तथा बिहार भाजपा के प्रदेश महामंत्री मिथिलेश तिवारी ने रविवार को बक्सर में पार्टी के जिला अधिकारियों, युवा मोर्चा के सभी पदाधिकारी के साथ अलग-अलग बैठक की। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए उपस्थित कार्यकताओं एवं पदाधिकारी को पार्टी हित में तथा संगठनात्मक दृष्टिकोण से जिलाध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारी को गांव और समाज में लोगों के साथ सहयोगात्मक पहल करने की अपील की। सभी उपस्थित कार्यकताओं एवं पदाधिकारी ने महामंत्री के इस पहल को दल हित में जरूरी बताया।

बैठक के उपरांत प्रदेश महामंत्री ने प्रेसवार्ता की। जिसमें उन्होंने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उनके मंत्रिमंडल के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के प्रयास से बिहार के पश्चिमी चंपारण में कुमारबाग एवं बक्सर जिले के नवानगर जो डुमरांव विधानसभा में पड़ता है, को स्पेशल इकोनोमिक जोन बनाने का निर्णय लिया है। जो बिहार के लिए एक स्पेशल सौगात है। कदम से कदम मिलाते हुए बिहार सरकार के मंत्री नीतीश मिश्रा ने बक्सर को औद्योगिक क्षेत्र बनाने की पहल में सार्थक भूमिका को निभाया है, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि नवानगर में रोजगार की कई संभावनाएं जन्म लेंगी। बिहार सरकार एवं भारत सरकार के संयुक्त प्रयास से यह सपना पूरा होने वाला है। नावानगर इंडस्ट्रियल क्षेत्र के रूप में जब विकसित होगा तो वहां के नौजवानों को नौकरी मिलेगी तथा पथ निर्माण विभाग, भारत सरकार की एक्टिविटी बढ़कर रोड कनेक्टिविटी में परिवर्तित हो जाएगी। रोड कनेक्टिविटी बढ़ते ही दूसरे राज्यों से आवागमन आसान हो जाएगा।

चौसा के किसानों के समस्या का जारी है समाधान : उन्होंने बताया कि इधर चौसा पावर प्लांट की समस्या के समाधान की प्रक्रिया लगातार प्रगति पर है। वहां के किसानों को भूमि अधिग्रहण का मुआवजा देने की प्रक्रिया बिहार सरकार द्वारा सरल तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सोमवार को बिहार सरकार के नगर विकास मंत्री नीतिन नवीन का बक्सर आगमन होने जा रहा है। आने के पश्चात सरकारी योजनाओं की समीक्षा करेंगे तथा भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं के साथ परिचयात्मक बैठक कोईरपुरवा स्थिति एक निजी पैलेस में होगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह, उपाध्यक्ष मनोज कुमार पांडेय, अनिल कुमार पांडेय, संत कुमार सिंह, मीना सिंह कुशवाहा, महामंत्री निर्भय राय, इंद्रलेश पाठक, पूनम रविदास, इंदु देवी, तेज प्रताप सिंह उर्फ छोटे सिंह, राजू कुशवाहा, जयप्रकाश राय, सौरभ तिवारी तथा उमाशंकर राय जिला मीडिया प्रभारी भाजपा सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केसठ में स्टार्टर खराब होने से जल आपूर्ति ठप

केटी न्यूज/केसठ

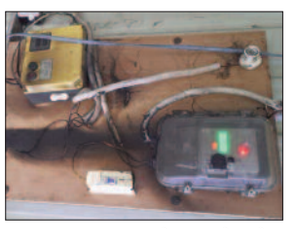

केसठ गांव वार्ड 12 में नलजल योजना का क्रियान्वयन होने से योजना ग्रामीणों को जोरदार झटका दे रहा है। स्टार्टर के साथ बोर्ड भी शॉर्ट सर्किट से खराब हो गई है। जिसके कारण लोगों के घरों में पानी सप्लाई बाधित हो गया है। यह स्थिति लगभग 5 दिनो से बनी हुई है।

वार्ड समिति की शिकायत के बाद भी क्रियान्वयन एजेंसी इस पर ध्यान नहीं दे रही है। शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए सरकार की मुहिम को झटका लग रहा है। मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना का आकार धरातल पर सफल नहीं हो रहा है। सरकार द्वारा लाखों की राशि खर्च करने के बाद भी योजना सफल संचालन के अभाव में लोगों के लिए लाभकारी नहीं हो पा रही है। जिस कारण नल जल योजना से लोग लाभान्वित नहीं हो पा रहे हैं। गांव वार्ड 12 में पीएचइडी विभाग के द्वारा निर्मित नल जल योजना का बहुत ही खराब हाल है। कभी पाइप में लिकेज तो कभी स्टार्टर जलने से पानी आपूर्ति ठप यहां के दिनचर्या में शामिल हो गया है। अब तो मोटर में भी शार्ट सर्किट होने की बात बताई जा रही है। सरकारी प्रावधानों के अनुसार यह कार्य वार्ड क्रियान्वयन समिति की बदौलत पीएचइडी विभाग को सौंपा गया। पहले तो कार्य कराने में एजेंसी को ज्यादा समय लग गया। जिस कारण लोगों को स्वच्छ पानी देने की योजना धरातल पर दम तोड़ रही है। यह स्थिति तब उत्पन्न हो गई है जब लोगों को पीने के पानी की आवश्यकता है। इसे सिस्टम का दोष कहा जाए या वार्ड क्रियान्वयन समिति का ढुलमुल रवैया। जिसका खमियाजा आमलोग भुगत रहे हैं।वार्ड के 100 घरों में नल का जल पहुंचाने के लिए कनेक्शन किया गया। इन जगहों पर तकरीबन दर्जनों से अधिक टोटी लगाई गई थी। आलम ये है की कई जगह पाइप भी फट गया या फिर शरारती तत्वों द्वारा तोड़ दिया गया।जब ये योजना गांव तक आई थी तब लोगों को लगा कि अब शुद्ध पानी पीने को मिलेगा। अब इस नलजल योजना की टंकी से पानी सप्लाई बाधित है। एजेंसी भी अपना पिंड छुड़ाकर चली गई। अब इसको दुरुस्त कौन करेगा?

डुमरांव में गंदगी फैलाने वाले लोगों को लेकर नगर परिषद सख्त, ऐसे लोगों को सब सिखाने की तैयारी

नगर परिषद क्षेत्र में कचरा फैलाने वाले फल विक्रेताओं से अब वसूला जाएगा जुर्माना: ईओ

♦ शहर के मेन रोड स्थित साफखाना रोड मोड़ के पास पूरे दिन कचरा फेंकते हैं फल विक्रेता व दुकानदार

केटी न्यूज/डुमरांव

एक तरफ डुमरांव नगर परिषद स्वच्छता सर्वेक्षण में औव्वल स्थान लाने के लिए प्रयासरत है। हर माह सफाई के नाम पर लाखों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। डोर टू डोर कचरा का उठाव करवाने के साथ ही नप प्रशासन शहर के मुख्य सड़क, गली मोहल्लों तथा नुक्कड़ आदि जगहों पर रखे गए डस्टबिन के कचरे को भी हर दिन उठवा शहर से दूर फेकवा रहा है। हर सुबह कचरे का उठाव कर शहर को साफ सुथरा किया जाता है। लेकिन शहर के फल तथा सब्जी विक्रेताओं की करतूत से नगर परिषद की इस कवायद के साथ ही स्वच्छता अभियान पर बट्टा लग रहा है। जबकि शहर में पथरी गंदगी हर दिन बाहर से आने वाले हजारों लोगों के लिए परेशानी की सबब बन गई है।

बता दे कि स्टेशन रोड में सफाखाना मोड़ के पास अस्थाई रूप से बस स्टैंड बनाया गया है। इस जगह पर इक सफ खाना मोड़ के पास एक डस्टबिन भी रखा गया है जहां आसपास के दुकानदार अपने दुकान का कचरा फेकते हैं और यही से सफाई कर्मी इसे उठाकर शहर से दूर ले जाते हैं। लेकिन आसपास में सड़क के किनारे अवैध तरीके से ठेला पर फल बेचने वाले दुकानदार कचरा उठाने के बाद सड़क किनारे ही फिर से कचरा फेंक देते हैं, जिसे पूरे दिन यहां कचरा का अंबार लगा रहता है। पूरे दिन कचरा पतले रहने से बस तथा अन्य वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

मोड़ के पास दुकानदारों के द्वारा फेंका हुआ कचरा।

जबकि कचरे से उठने वाले सड़ांध से राहगीरों से लगायत स्थानीय दुकानदारों तक की मुश्किलें बढ़ी रहती है। कई बार तो इस कचरे के कारण लोग तथा वाहन फिसलते रहते हैं। स्थानीय लोगों की शिकायत पर नगर परिषद प्रशासन ने इस पर संज्ञान लिया है। नगर परिषद के योग मनीष कुमार ने कहा कि ऐसी शिकायत मिली है सोमवार को ही फल विक्रेताओं को नोटिस थमा यह निर्देश दिया जाएगा कि वे पूरे दिन कचरा वहा नहीं फेंके तथा इसका उल्लंघन करने वाले फल विक्रेता से जुर्माना वसूला जाएगा।

जलजमाव से बच्चे और शिक्षक परेशान

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर का चर्चित ट्रेनिंग स्कूल इस समय टापू बन गया है। इसके चारोतरफ जलजमाव होने से बच्चों को वर्ग कक्षा में जाने के लिए पानी से होकर जाना पड़ता है। बच्चों ने जूता और मोजा पहनना छोड़ दिया है। इसी रास्त से शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान में जाया जाता है। प्रशिक्षण लेने वाले शिक्षकों को भी आने-जाने में परेशानियों से गुजरना पड़ता है। इतना ही नहीं स्कूल के बच्चे प्रार्थना भी नहीं कर पाते हैं। इतना ही नहीं खेल मैदान पूरी तरह से पानी से भर गया है, जिससे बच्चों को खेलने भी बंद हो गया है। इस खेल मैदान में आसपास के बच्चे भी खेलने के लिए जाते हैं, उन्हें भी अब घरों में ही रहना पड़ रहा है।

बता दें कि ट्रेनिंग स्कूल का कैम्पस बहुत बड़ा है। इसमें मध्य विद्यालय के अलावे इसी कैम्पस में शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान भी चलता है, जहां तीन सौ शिक्षक प्रशिक्षण ले रहे हैं। वहीं स्कूल में छह सौ बच्चे पढ़ते हैं। स्कूल के टापू बन जाने से बच्चों को परेशानी तो होती ही है, ट्रेनिंग ले शिक्षकों भी आने-जाने में परेशानी हो रही है। छोटे वर्ग के बच्चों को तो गोद में उठाकर वर्ग कक्षा तक पहुंचाया जाता है। इस समस्या को देखते हुए अभिभावक अपने छोटे बच्चों को स्कूल भेजना ही बंद कर दिया है। इधर डायट ने रोड की तरफ से मिट्?टी गिराकर अस्थायी रास्ता बनाया है। उसमे भी मिट्टी गिराए जाने से कीचड़ हो गया है, जिससे लोगों का पैर मिट्?टी में धंस जाता है। लिहाजा शिक्षक, बच्चे पानी से होकर ही गुजरना पसंद करते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इसकी कईबार जानकारी नप के चयरमैन और ईओ को दी गई, लेकिन उनकी तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की गई।

एक नजर

रालोम जिला उपाध्यक्ष के निधन पर अभिनव कला संगम के सदस्यों ने दी श्रद्धांजलि

डेहरी। अभिनव कला संगम के वरीय सदस्य सह राष्ट्रीय लोक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष संतोष चंद्रवंशी के निधन से राजनीतिक व सामाजिक कार्यकताओं में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं शहर में शव यात्रा निकालकर सोन नद तट पर अंतिम संस्कार किया गया। बताते चले की मृतक संतोष चंद्रवंशी करीब 10 वर्षों से अभिनव कला संगम के वरीय सदस्य के रूप में थे। वहीं राष्ट्रीय लोक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष के रूप में राजनीतिक गतिविधि भी तेज थी। एक माह पूर्व मां के निधन के उपरांत 46 वर्षीय संतोष चंद्रवंशी की तबियत खराब थी। शनिवार की रात परिजनों ने इलाज के लिए जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां इलाज के क्रम में उनका निधन हो गया। निधन उपरांत शव को उनके घर लाया गया। जहां राजनीतिक व समाजिक कार्यकताओं ने उन्हें अंतिम विदाई दी। मुख्य पार्षद प्रतिनिधि गुड्डू चंद्रवंशी अगुवाई में नगर परिषद के शव वाहन रथ के द्वारा शव को शहर में भ्रमण कराते हुए श्मसान घांट पहुंचाया गया। जहां मृतक के पुत्र ने शमसान घाट पर पिता को मुखाग्नि दी। अभिनव कला संगम अध्यक्ष कमलेश कुमार के साथ अन्य सदस्यों ने श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रीय लोक मोर्चा सुप्रीमो सह पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा, प्रदेश सचिव रिंकू सोनी, विशाल सिंह, प्रिय रंजन कुमार, हरेश मेहता, सुरेंद्र ठाकुर आदि ने मृतक के परिजनों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। वही कौशलेंद्र कुशवाहा, संजय सिंह बाला, नंदन कुमार, मुकुल मणि, रवि तिवारी, कलाम हाशमी, मुकेश कुमार, उमेश गुप्ता, विजय चंद्रवंशी आदि ने संतोष चंद्रवंशी के निधन पर शोक जताते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की।

जनसंख्या नियंत्रण पखवाड़ा के तहत प्रभारी चिकित्सक ने लोगों से की सहयोग की अपील

केसठ। इस समय जनसंख्या नियंत्रण हेतु पुरुष नसबंदी व महिला बंध्याकरण पखवारा मनाया जा रहा है। इस संबंध में पीएचसी केसठ के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विनय कुमार ने क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि सरकार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में अपना निबंधन करा कर इसका लाभ उठाएं। उन्होंने लोगों से अपील किया कि यह पकवाड़ा 11 जुलाई से ही शुरू है जो 31 जुलाई तक चलेगा। इसमें निशुल्क पुरुष नसबंदी व महिला बंध्याकरण का सफल ऑपरेशन किया जा रहा है। उन्होंने विशेष रूप से लोगों से अपील की है कि पुरुष नसबंदी काफी सूक्ष्म एवं बिना कष्ट दाई होता है। पुरुष नसबंदी कराने से किसी प्रकार शारीरिक कमजोरी व यौन संबंध बनाने में तनिक भी कठिनाई उत्पन्न नहीं होती है। पुरुष नसबंदी कराने वालों को सरकार के तरफ से 3 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। साथ हि उत्प्रेरक को भी 400 रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाती है। वहीं महिलाओं को बंध्याकरण ऑपरेशन कराने पर 2 हजार और 3 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाती है। वही उत्प्रेरक को 300 व 400 रुपए की राशि प्रदान की जाती है। बताते चले कि पुरुष नसबंदी पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विनय कुमार के हाथों स्वयं की जाती है। इसके लिए उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं आदि लोगों से अपील करते हुए कहा कि इसके प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाए। ताकि लोग इस पखवाड़ा का लाभ उठाना सुनिश्चित करें।

नोखा में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत एवं सात घायल

केटी न्यूज/नोखा

जिले के नटवार थाना क्षेत्र के खरवत गांव के सिवान में रविवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक की मौत हो गई। वहीं, इस घटना में सात अन्य लोग बुरी तरह से घायल हुए हैं। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि रविवार की लगभग 3:00 बजे यह घटना घटी। खरवट गांव के सिवान में मजदूरों द्वारा खेत के रोपनी की जा रही थी। इस बीच अचानक के खेत में ही बिजली गिरी। जिसमें बिजली गिरने के साथ ही एक महिला की पर घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

मृतक नोखा थाना क्षेत्र हसनाडीह गाव निवासी कांति देवी बताइ जा रही है। वहीं, आकाशीय बिजली के गिरने से सात घायल में हसनाडीह गाव निवासी शंकरी देवी, ममता देवी, मठिया गांव के सोनी कुमारी,

हसनाडीह गाव के सोनी कुमारीं पति अनिल राम, हसनाडीह की प्रियंका कुमारी और खरवत गांव के दिनेश कुमार कुशवाहा के गंभीर अवस्था में घायल हो गए। इन्हें की नोखा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए लाया गया और यहां से बेहतर उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया गया। डॉ. टीके चक्रवर्ती ने बताया कि रविवार को बिजली गिरने से कुल नौ लोगों का उपचार कर हायर सेंटर भेजा गया है। जिनमें एक की स्थिति गंभीर है।

स्पर्शाघात से युवक की मौत

दिनारा। रोहतास जिला स्थित दिनारा थाना क्षेत्र के धरकंधा गांव में बिजली के तार की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक धरकंधा गांव निवासी माधो पासवान का सोनू पासवान बताया जाता है। मृतक के घर बिजली खराब हो गया था उसे ठीक करने के समय बिजली के करेंट से युवक बुरी तरह जख्मी हो गया। लेकिन अस्पताल पहुंचे से पहले ही उसकी मौत हो गई थी।

मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक

सासाराम। सदर थाना के आउटपोस्ट गोला थाना परिसर में मुहर्रम को लेकर के शांति समिति की बैठक रखी गई। जिसकी अध्यक्षता सदर एसडीओ ने की। एसडीओ ने मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, आपसी भाईचारा व सौहार्द के साथ मनाने पर बल दिया। साथ ही कमेटी के द्वारा मुहर्रम में आने वाले परेशानी और समस्या का समाधान करने के लिए मुहर्रम कमेटी के सचिव अखलाक अहमद रिजवी के द्वारा मांग पत्र को एसडीओ को सौंपा। एसडीओ ने सरकार के द्वारा जारी लेटर को सभी के सामने प्रस्तुत किया। इस दौरान कमिटियों के द्वारा स्थानीय समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक में मानवाधिकार समस्या एवं समाधान सहायता संघ के डायरेक्टर संजय कुमार गुप्ता व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता के अलावा नगर निगम के ईओ, स्थानीय बीडीओ और कई विभाग से पदाधिकारी उपस्थित हुए।

दहेज के लोभियों ने ली नवविवाहिता की जान, छह पर नामजद प्राथमिकी

केटी न्यूज/काराकाट

जिले के काराकाट थाना क्षेत्र के तिरासी बिगहा गांव में एक नवविवाहिता की हत्या करने पर विवाहिता के पिता ने पति सहित छः लोगों को आरोपी बनाया है। मृतका तिलौथू थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी गांव निवासी विमल किशोर सिंह कि 25 वर्षीय बेटी मीरा कुमारी बताई जाती है। हत्या के मामले में विवाहिता के पिता विमल किशोर सिंह के बयान पर एफआरआई दर्ज किया गया है। दर्ज एफआईआर में मृतका के परिजनों ने बताया कि उनकी बेटी की शादी तिरासी बिगहा निवासी सोनू कुमार से 13 फरवरी 2024 को हिन्दू रीति रिवाज से की गई थी। लेकिन शादी के बाद ही ससुराल वालों ने दहेज के लिए दो लाख रुपये की मांग और की जाने लगी। दहेज की रकम नहीं देने पर उनकी बेटी के ससुराल वालों ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के मामले में तिरासी बिगहा निवासी सोनू कुमार, बिरेन्द्र कुमार, अनील कुमार सिंह सहित छह को आरोपी बनाया गया है। थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने बताया कि बयान दर्ज कार्रवाई की जा रही है। वहीं, आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है।

आहर में डूबे युवक का दूसरे दिन शव बरामद

आरा। जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के श्रीरामपुर गांव स्थित आहर में डूबे युवक का शव दूसरे दिन बरामद हुआ है। उसका शव रविवार की सुबह बरामद किया गया है। शव के मिलने से लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक उदवंतनगर थाना क्षेत्र के श्रीरामपुर गांव निवासी बैजनाथ सिंह का 30 वर्षीय पुत्र कौशल सिंह है एवं पेशे से मजदूर था।

इधर मृतक के बड़े भाई राम बाबू सिंह ने बताया कि शनिवार की शाम वह गांव में ही स्थित बधार में शौच करने गया था। शौच करने के बाद जब वह पानी छूने के लिए आहर के किनारे गया। उसी दौरान वह आहर में गिरकर डूब गया। जिससे उसकी मौत हो गई। देर शाम जब वह घर वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने काफी खोजबीन की। लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया था। रविवार की सुबह गांव का जब युवक जब उधर शौच करने के लिए गया। तभी वह आहर में उसके शव को देखा। इसके बाद उसने इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और स्थानीय लोगों के सहयोग से उसके शव को पानी से बाहर निकाला।

विद्युत तार की चपेट में आने से किसान की मौत

दिनारा। खेत पटवन के लिए घर से जा रहे किसान विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना रोहतास जिला स्थित दिनारा थाना क्षेत्र के चिलबिला गांव की है, जहां अपने धान रोपाई खेत की पटवन के लिए जा रहे किसान बिजली तार के संपर्क में आ गया। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनारा थाना क्षेत्र के चिलबिला गांव निवासी दुखित चौधरी के 40 वर्षीय पुत्र विनोद चौधरी धान रोपाई के लिए खेत का पटवन करने जा रहे थे। जहां घर के समीप स्थित टांसफार्मर से विनोद चौधरी द्वारा बिजली मोटर चलाने वास्ते तार ले जाया गया था। जो तार टुटकर गिरा हुआ था। उसी विद्युत प्रवाहित बिजली तार की चपेट में आने से मौत हुई। सूचना बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल करते हुए शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम भेज दिया। मौत के बाद घर परिवार में कोहराम मच गया है। पत्नी और परिजन का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। वहीं थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि मृतक के भाई प्रमोद कुमार के बयान पर यूडी केस दायर किया गया है।

सिंचाई अभियंता कटान के स्थायी निदान के लिए भेजें प्रस्ताव : श्रम मंत्री

- शासन स्तर से बजट जारी करते हुए इस समस्या का स्थाई निदान का होगा प्रयास

केटी न्यूज / मऊ

जनपद के प्रभारी मंत्री श्रम एवं सेवायोजन तथा समन्वय विभाग उत्तर प्रदेश शासन अनिल राजभर ने विकासखंड फतेहपुर मंडाव स्थित ग्राम पंचायत बिंद टोलिया के कटान क्षेत्र का निरीक्षण किया। इसके पूर्व प्रभारी मंत्री ने कंपोजिट विद्यालय विग्रह पुर में अपनी माता के नाम वृक्षारोपण किया। इसके अलावा कंपोजिट विद्यालय में स्थापित कल्पना चावला ग्रामीण अंतरिक्ष प्रयोगशाला का भी अवलोकन प्रभारी मंत्री द्वारा किया गया। उन्होंने वहां उपस्थित बच्चों से अंतरिक्ष के संबंध में जानकारी को भी साझा किया एवं जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे इस अनूठी पहल की सराहना भी की। प्रभारी मंत्री ने वहां पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए वृक्षारोपण हेतु प्रेरित किया।

मऊ के डीएम ने किया बाढ़ शरण स्थल का निरीक्षण

मऊ। डीएम प्रवीण मिश्र ने पुलिस अधीक्षक इलामरन ने फतेहपुर मंडाव क्षेत्र के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र एवं शरणालयों का निरीक्षण किया। डीएम ने निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों से बाढ़ से बचाव के पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बाढ़ शरण स्थल के निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां पर सारी सुविधाएं बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए सुनिश्चित करने को कह। जिससे बाढ़ के दौरान विस्थापन के उपरांत यहां पर ठहरने वालों के लिए किसी प्रकार की कोई असुविधा का सामना ना करना पड़े। इस दौरान बाढ़ चौकी पर की गई व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली।

प्रभारी मंत्री ने विकासखंड फतेहपुर मंडाव में बिंद टोलिया ग्राम पंचायत के कटान क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिशासी अभियंता सिंचाई से कटान से बचाव हेतु किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली साथ ही कटान के स्थाई निदान हेतु भेजे गए प्रस्ताव से भी अवगत कराने को कहा, जिससे शासन स्तर से बजट जारी करते हुए इस समस्या का स्थाई निदान किया जा सके। इस दौरान प्रशांत नागर, अखिलेश कुमार, तहसीलदार मधुबन, खंड विकास अधिकारी फतेहपुर मंडाव एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

कैबिनेट मंत्री ने मां के नाम किया पौधरोपण

मऊ। उत्तर प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर जी ने शिक्षा क्षेत्र रतनपूरा के कंपोजिट विद्यालय गुलौरी में वन महोत्सव जन अभियान के तहत अपनी मां जीतना देवी के नाम वृक्षारोपण किया। इसके अलावा स्कूल चलो अभियान के तहत उन्होंने जिज्ञासा, रिचा एवं रणवीर का कक्षा एक में नामांकन भी किया। इस अवसर पर वहां पर उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने लड़कियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने को कहा, जिससे आधी आबादी के लोग भी आत्मनिर्भर बन सके एवं किसी भी क्षेत्र में अपना कैरियर बना सके। उन्होंने विशेष कर महिलाओं से लड़कियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्हें चूल्हे चौके से दूर रखते हुए उन्हें आत्म निर्भर बनाने हेतु विशेष प्रयास करने को कहा। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार उपाध्याय,खंड शिक्षा अधिकारी सहित सुभासपा पार्टी के स्थानीय नेताओं सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

डीएम ने 141 शिकायतों में से 8 का किया निस्तारण

मऊ। डीएम प्रवीण मिश्र के नेतृत्व में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील मधुबन में संपन्न हुआ। जनपद के अन्य तहसीलों में भी संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।
तहसील मधुबन में संपन्न संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 141 शिकायतें आई, जिनमें से 8 शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया गया एवं 4 शिकायतों के तत्काल निस्तारण हेतु मौके पर टीमों को भेजा गया। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल प्राप्त शिकायतों में सर्वाधिक राजस्व विभाग के 84, पुलिस विभाग से 31 तथा शेष अन्य विभागों से संबंधित थे। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को जन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जन शिकायतों का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। संपूर्ण समाधान दिवस पर जन सुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक इलामारन जी, उप जिलाधिकारी मधुबन अखिलेश कुमार, समस्त जनपद एवं तहसील स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों को सर्वे रिपोर्ट मिलते ही मुआवजा जल्द करें प्रदान : सीएम

श्रावस्ती और कुशीनगर में बाढ़ में फंसे 87 लोगों की रेस्क्यू कर बचायी गयी जान

- सीएम योगी ने जिलाधिकारियों को 24 घंटे के अंदर क्षतिग्रस्त फसल की सर्वे रिपोर्ट सौंपने के दिये निर्देश
- श्रावस्ती के 18 गांव के करीब 400 ग्रामीणों को बाढ़ को देखते हुए सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया

केटी न्यूज / लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत कार्यों में तेजी लाने, पीड़ितों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश के बाद अतिसंवेदनशील और संवेदनशील जिलों के अधिकारी हरकत में आ गये हैं। सीएम योगी के निर्देश के बाद अधिकारी अपने जिलों में बाढ़ की स्थितियों पर लगातार नजर बनाए रखे हैं। इसी क्रम में नेपाल में मूसलाधार बारिश के बाद अचानक पांच लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने से श्रावस्ती और कुशीनगर में बाढ़ में फंसे 87 लोगों को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर सुरक्षित निकाला गया है। इस दौरान कुशीनगर में बाढ़ में फंसे 20 मवेशियों को भी बचाया गया। वहीं सीएम योगी ने नेपाल से छोड़े गये पानी से प्रभावित श्रावस्ती और कुशीनगर के जिलाधिकारियों को क्षतिग्रस्त फसल का 24 घंटे के अंदर सर्वे कर रिपोर्ट शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। इसके साथ ही सीएम योगी ने शासनस्तर के अधिकारियों को क्षतिग्रस्त फसल की सर्वे रिपोर्ट मिलते ही तत्काल मुआवजा देने का आदेश दिया है। हालांकि अभी इन जिलों में स्थिति सामान्य है, जबकि कुछ ही इलाकों में फसलों को नुकसान हुआ है।

एक टापू पर फंसे 76 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

राहत आयुक्त ने बताया कि शनिवार रात करीब आठ बजे राज्य स्तरीय इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर को नेपाल में मूसलाधार बारिश के बाद देवघाट बैराज से 5,71,850 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सूचना मिली। इस पर कुशीनगर जिलाधिकारी उमेश मिश्रा को बड़ी गंडक में बाल्मीकि नगर बैराज द्वारा 3 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने की संभावना पर तहसील खड्डा के गांवों के प्रभावित होने की तत्काल जानकारी दी गयी। इसके बाद डीएम ने अपनी टीम के साथ तहसील खड्डा के प्रभावित 13 गांवों का निरीक्षण किया। साथ ही गांव को खाली करने की अपील की। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान तहसील खड्डा के नारायणपुर के एक टापू पर कुछ लोगों के साथ मवेशियों के फंसे होने की जानकारी मिली।, जिसके बाद एनडीआरएफ और पीएसी की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

रात आठ बजे मिली सूचना, सुबह 3 बजे 11 को सुरक्षित निकाला गया: राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि शनिवार रात करीब आठ बजे राज्य स्तरीय इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर को श्रावस्ती के तहसील जमुनहा की ग्राम पंचायत गजोभरी के ग्राम मोहनपुर भरथा एवं केवटन पुरवा में नेपाल से अचानक छोड़े गये पानी में 11 लोगों के फंसे होने की सूचना मिली, जिसमें तीन बच्चे, पांच महिलाएं और 3 पुरुष शामिल थे। सूचना मिलते ही तत्काल श्रावस्ती जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी को जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी अपनी टीम के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए मौके पर पहुंचे। जिला प्रशासन एवं फ्लड पीएसी की टीमों ने ज्वॉइंट रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और लगभग आठ घंटे की कड़ी मेहनत के बाद सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद सभी का चिकित्सकों की टीम द्वारा प्राथमिक उपचार भी कराया गया। साथ ही सभी पीड़ितों को राप्ती बैराज स्थित गेस्ट हाउस में पहुंचाया गया।

बाढ़ से पीड़ितो को जल्द मिले मुआवजा : सीएम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह तड़के नेपाल से छोड़े गये पानी से प्रभावित श्रावस्ती और कुशीनगर के जिलाधिकारियों से बातचीत कर स्थिति की जानकारी हासिल की। उन्होंने सीएम को बताया कि रेस्क्यू कर 87 लोगों के साथ 20 मवेशियों को भी बचाया गया है। इस पर सीएम योगी ने सभी डीएम को बाढ़ के पानी से क्षतिग्रस्त फसल का 24 घंटे के अंदर सर्वे कराकर शासन को रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिये। इसके अलावा उन्होंने शासनस्तर के अधिकारियों से बात कर क्षतिग्रस्त फसलों की रिपोर्ट मिलते ही तत्काल मुआवजा देने का आदेश दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रभावित जिलों के अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर राहत कार्य पर नजर रखें और प्रभावित लोगों को मदद प्रदान करें। उन्होंने आपदा से हुई जनहानि से प्रभावित परिवारों को अनुमन्य राहत राशि अविलंब प्रदान किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के घरों को नुकसान पहुंचा अथवा पशु हानि हुई, ऐसे प्रभावितों को तत्काल अनुमन्य वित्तीय सहायता प्रदान की जाए। पीड़ितों का प्राथमिक उपचार और खाना खिलाने के बाद उन्हे उनके गांव में सुरक्षित भेज दिया गया। रेस्क्यू के दौरान करिका 10 वर्ष, मिन्नी 12 वर्ष, रीता 25 वर्ष, शेरू 8 वर्ष, अर्चना 17 वर्ष, कमला देवी 40 वर्ष, शान्ति देवी 50 वर्ष, सकटराम 18 वर्ष, रेखा देवी 28 वर्ष, नन्दन 30 वर्ष और राम उजागर 50 वर्ष को सुरक्षित निकाला गया।

एक नजर

स्कॉर्पियो के धक्के से दो युवक घायल

गड़वार। स्थानीय कस्बा स्थित चंद्र सिंह मोड़ पर रविवार की दोपहर स्कॉर्पियो के धक्के से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने घायल दोनों युवकों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां दोनों का इलाज चल रहा है। वहीं क्षतिग्रस्त स्कॉर्पियो को पुलिस थाने लेकर चली गई। जबकि स्कॉर्पियो चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया। पिपरा निवासी युवक आलोक कुमार व मनोज प्रजापति बाइक से रविवार की दोपहर में गड़वार की तरफ आ रहे थे कि बलिया की तरफ जा रही स्कोर्पियो ने गड़वार कस्बा स्थित चंद्र सिंह मोड़ पर धक्का मार दिया। जिससे बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायल युवकों को ग्रामीणों की सहायता से आनन फानन में जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां हालत नाजुक बनी हुई है।

विषैले जंतु के काटने से युवती की मौत

मनियर। नगर पंचायत के मनियर चांदूपाकड़ वार्ड नं 4 निवासी मुद्रिका राजभर की 19 वर्षीय पुत्री नंदिनी राजभर को शनिवार की रात किसी विषैले जंतु के काटने से मौत हो गई। परिजनों के अनुसार बताया जा रहा है कि प्रतिदिन की भांति रात को खाना खाने के बाद नन्दनी अपने बिस्तर पर सो गई। रात करीब तीन बजे जब उसका गला सूखने लगा तो चिल्लाने लगी। आनन-फानन में परिजन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मनियर ले गए। जहां चिकित्सकों ने जिला अस्पताल बलिया रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। नंदिनी की शादी जून 2025 में तय थी। पांच भाई बहन में वह दूसरे नंबर की थी।

पीडीए पौधा रोपण कर पर्यावरण का दिया संदेश

बलिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आह्वान पर 01 से 07 जुलाई 2024 तक पीडीए पौधा रोपण कार्यक्रम लगातार जारी है। इसी क्रम में रविवार को पूर्व राजस्व मंत्री उप्र सरकार अम्बिका चौधरी बघेजी-थम्हनपुरा सम्पर्क मार्ग स्थित पुल से पहले पीपल, बरगद, पाकड़ का पौधारोपण करके पर्यावरण संरक्षण के संदेश दिए। बताया कि इस साल गर्मी और हीट वेव ने जिस तरह रिकार्ड तोड़ा है इससे भी आने वाले दिनों में बदतर स्थिति हो सकती है। ऐसे में समय रहते हम चेत जाए। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब धरती में प्राणी नामक चीज ही नहीं बचेगी। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान अमडरिया एवं समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता लालबाबू यादव , वैना ग्राम प्रधान महेश यादव, थम्हनपुरा ग्राम प्रधान अखिलेश भारती जी, पूर्व प्रधान वैना बिजली यादव , पूर्व छात्र नेता दिनेश यादव , पूर्व प्रधान गंगहरा धर्मेन्द्र सिंह सहित तमाम लोग रहे।

पिकअप के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

दुबहर। पुलिस की तत्परता से पशुपालक की कीमती भैंस बरामद हो गई। वहीं, पुलिस ने एक पिकअप के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। क्षेत्र के नगवा निवासी प्रमोद गोंड पुत्र स्व. छितेश्वर गोंड की लगभग एक लाख की कीमती भैंस शुक्रवार की रात दरवाजे से चोरी ही हो गई थी। इस बात की जानकारी होने पर प्रभारी निरीक्षक राकेश सिंह ने तत्परता दिखाते हुए टीम बनाकर खोजबीन शुरू कर दी। क्षेत्र में नाकेबंदी के उपरांत रविवार की सुबह मुखबिर की सूचना पर उप निरीक्षक विश्वदीप सिंह व हमराहियों के साथ ओझवलिया घाट के निकट आछी बाबा के स्थान के पास पहुंचे प्रभारी निरीक्षक ने पिकअप के साथ भैंस को कब्जे में लेने के साथ ही दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। बरामद भैंस प्रमोद गोंड की ही थी, जिसे पाकर पशुपालक सहित क्षेत्रीय लोगों ने दुबहर पुलिस की प्रशंसा की है। क्षेत्रीय लोगों ने कहा कि पुलिस की तत्परता एवं सक्रियता से ही एक गरीब पशुपालक की कीमती भैंस बरामद हो सकी है।

आकाशीय बिजली गिरने से युवती की मौत

मऊ। जिले के सरायलखंसी थाना क्षेत्र के तेंदुली गांव में खेत में धान की रोपाई करते समय एक युवती की आकाशीय बिजली की चपेट में आ जाने से महिला की मौके पर दर्दनाक ही मौत हो गई।सरायलखंसी थाना क्षेत्र के तेंदुली गांव निवासी निशा (18) पुत्री सुरेश कुमार शनिवार की शाम गांव स्थित सिवान में परिजनों के साथ धान की रोपाई कर रही थी। इस दौरान तेज बारिश के साथ बिजली चमकी। अचानक बिजली गिरने से निशा चपेट में आ गई । मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है। वहीं दूसरी ओर सभी प्रक्रिया पूरी करते हुए पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की मांग स्थानीय स्तर पर की जा रही है। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही सभी प्रक्रिया पूरी करते हुए पीड़ित परिजनों का नियमानुसार आर्थिक सहायक उपलब्ध कराया जाएगा।

ताजोपुर इंडस्ट्रियल एरिया में जलजमाव से उद्योग पर पड़ रहा असर, व्यवसायी परेशान

केटी न्यूज / मऊ

मऊ। उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड द्वारा अवस्थित और व्यवस्थित औद्योगिक क्षेत्र ताजोपुर मऊ पहली बरसात में ही अपनी बदहाल स्थिति में पहुंच गया है। गौरतलब हो जनपद में स्थित औद्योगिक क्षेत्र ताजोपुर जो पहले मंथर गति इंडस्ट्रियल एरिया के नाम से संचालित था। जिसे बाद में उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास कॉरपोरेशन द्वारा तीव्र गति से विकास करने वाला औद्योगिक क्षेत्र (फास्ट मूव) घोषित कर दिया गया। लेकिन वर्षों से यहां के नाली की सफाई नहीं हो पाई है। लगभग 2012 के बाद से यहां की सड़कें बुरी तरह टूट कर बिखर गई थी। जिन्हें अभी फिलहाल जल्द में ही बनवाया गया। लेकिन नालियों की सफाई नहीं होने से पहली बरसात में ही पूरा पानी सड़क के ऊपर घुटने बराबर तक पसर गया है। स्थिति यह हैं कि कहीं-कहीं लोगों के औद्योगिक प्रतिष्ठान में भी पानी प्रवेश करने लगा है। इस संबंध में उद्यमियों ने कहाकि एक तरफ सरकार जहां औद्योगिक विकास के लिए रेड कारपेट बिछा रही है वहीं पहले से स्थित औद्योगिक क्षेत्र में स्थितियां बदहाल होती जा रही हैं। इस इलाके में रहने वाले इंड्रस्टलिस्टों का कहना है कि जलजमाव होने के कारण उनके व्यवसाय पर असर पड़ रहा है। माल लदा ट्रक उनके फैक्ट्री तक नहीं पहुंच पा रहा है। जिसका असर सीधे उत्पादन पर पड़ रहा है। वहीं इसे दुरूस्त करने के लिए सरकार प्रयास नहीं कर रही है।

देशी शराब के सेल्समैन से लूट के तीन आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

केटी न्यूज / मऊ

चार दिन पहले देशी शराब के सेल्समैन से लूट करने वाले तीन बदमाशों को मधुवन पुलिस और संयुक्त पुलिस टीम ने भैरोपुर मंदिर के पास से मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। बीस मिनट तक चली मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल रहा। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों के पास से पिस्टल, लूट की नकदी बरामद किया। एसपी इलामारन ने बताया कि मधुवन पुलिस और एसओजी-स्वाट टीम को शनिवार की बीती रात करीब दो बजे शातिर बदमाशों का सुराग मिला।जिसके बाद मधुबन के भैरोपुर मंदिर के पास से पुलिस ने घेराबंदी कर चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी बीच पुलिस टीम ने चार लोगों को रुकने का इशारा किया। जिस पर एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी पुलिस करवाई में शातिर अपराधी बृजेश कुमार उर्फ प्रिंस बांसफोर निवासी मानिकपुर असना थाना घोसी के बाएं पैर में गोली लगी। वहीं करीब बीस मिनट के मुठभेड़ के बाद पुलिस ने रिषभ निवासी फतेहपुर तालचवर थाना मधुबन, विपुल चौरसिया निवासी रामपुर बेलौली थाना को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इन बदमाशों के पास से लूट की चालीस हजार की नकदी और पिस्टल, बाइक, लूट का दस्तावेज से भरा एक बैग बरामद किया।

सौ साल पहले दुखी भगत और सालिक भगत ने की थी रथयात्रा की शुरुआत

धूमधाम से निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

- नगरवासी आज भी उस परंपरा को जारी रखते हुए हर वर्ष असाढ़ मास के द्वितीया को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकालते है

केटी न्यूज/रसड़ा

नगर के ठाकुरबाड़ी मंदिर एवं महावीर अखाड़ा से रविवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा गाजे बाजे के साथ धूमधाम से निकाली गयी। जिसमे सैकड़ों भक्तो ने रथ को अपने हाथों खींच कर यश के भागी बने। बताते है कि 1823 से दुखी भगत और सालिक भगत के द्वारा रथयात्रा की शुरुआत किया गया था। लगातार सौ सालों से यह परंपरा बनी हुई है। जिसे नगरवासी आज भी उस परंपरा को जारी रखते हुए हर वर्ष असाढ़ मास के द्वितीया को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकालते है। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा ठाकुरबाड़ी मंदिर एवं महावीर अखाड़ा से प्रारंभ होकर श्रद्धालुओं के जयकारों के बीच श्रीनाथ बाबा मठ के समीप स्थित अंजनी मंदिर व विवेकानंद के मंदिर पर पहुंचा। जहां भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा एवं बलभद्र के साथ आरती पूजन पंडित रामेश्वर तिवारी ने कराया। रथयात्रा का नेतृत्व रिखी लाल, राजेश, रजत, रितेश जायसवाल, दिलीप गुप्ता आदि ने किया। सुरक्षा के मद्देनजर रथ के साथ भारी संख्या में पुलिस बल लगी रही। वहीं दूसरी ओर नगरवासियों को उत्साह देखने योग्य था। इस मौके पर राधा कृष्ण मंदिर पर मेला भी लगा था।

मान्यता... भगवान के रथ का रस्सा खींचने से मन्नतें होती हैं पूरी

बांसडीह। कस्बे में रविवार को भगवान श्रीजगन्नाथ की शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के रथ को आयोजकों ने भव्य रूप से सजाया था। भगवान श्रीजगन्नाथ को रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण कराया गया। इस यात्रा में कई श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्रद्धालु भगवान श्रीजगन्नाथ को रथ खींचने और स्पर्श के लिए उत्साहित नजर आये। कहा जाता है कि भगवान जगन्नाथ के रथ का रस्सा खींचने से लोगों की मन्नतें पूरी हो जाती हैं। पिछले आठ वर्षो से कस्बे के बड़ी बाजार से लगातार रथ यात्रा निकाली जा रही है। जिसका जिम्मा कस्बे के ही रहने वाले मनोज कुमार मद्धेशिया उर्फ पकौड़ी और मुहल्ले वाले संभालते है। कस्बे में निकाली जाने वाली यात्रा बड़ी बाजार से होते स्टेट बैंक रोड, कचहरी,अंबेडकर तिराहे, कोतवाली चौक,गढ़ आदि क्षेत्रों से होते हुए वापस बड़ी बाजार पहुंची। इस दौरान श्रद्धालुगण भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा के दर्शन किए। वही रथ यात्रा का संचालन करने वाले आयोजक सभी श्रद्धालु भक्तो को प्रसाद वितरण भी करते रहे। वहीं दूसरी ओर प्रशासन ने भी सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये गये थे।

कमलेश हत्याकांड: पुलिस ने प्रेमी के बाद आरोपी पत्नी को किया गिरफ्तार

केटी न्यूज / बलिया

दोकटी थाना क्षेत्र के श्रीपतिपुर (धतूरी टोला) गांव निवासी कमलेश बिंद हत्याकांड मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी के प्रेमी को गिरफ्तार करने के बाद रविवार को आरोपी पत्नी को भी गिरफ्तार कर लिया। आपको बता दें कि दोकटी थाना क्षेत्र के श्रीपतिपुर (धतूरी टोला) गांव निवासी कमलेश बिंद 34 वर्ष पुत्र स्व. लाल बच्चा बिंद के चचेरे भाई का तिलक गुरुवार को था। जहां कमलेश गया हुआ था। उधर, मृतक की पत्नी व उसका प्रेमी राजेश साहनी निवासी श्रीपतिपुर धतुरी टोला खेत में स्थित मड़हे में रंगरेलियां मना रहे थे। इधर मृतक कमलेश को शंका हुई तो वह पत्नी को ढूढ़ते हुए खेत स्थित मड़हे में पहुंचा, जहां पत्नी व उसके प्रेमी राजेश को आपत्तिजनक हाल में पकड़ लिया। इसके बाद तीनों में हाथापाई हुई। फिर प्रेमी व उसकी प्रेमिका ने लाठी से पीटकर हत्या कर मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी खेत में शौच करने जा रहे ग्रामीणों को शुक्रवार की सुबह हुई। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जब छानबीन शुरू किया तो मृतक की पत्नी और उसका प्रेमी राजेश साहनी हत्यारा निकले। इसके बाद पुलिस ने राजेश को गिरफ्तार कर लिया। जिससे एसपी देव रंजन वर्मा ने पूछताछ की। जबकि पत्नी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही थी। मृतक दो भाई है। बड़ा भाई टुनटुन गुजरात में नौकरी करता है। जबकि कमलेश दुबई में नौकरी करता था। आठ माह पूर्व पिता की मौत के बाद उनके श्राद्ध कर्म में शामिल होने के लिए दुबई से आया था, तब से दुबई नहीं गया। उधर दुबई जाने के बाद उसकी पत्नी व गांव के ही राजेश साहनी के बीच प्रेम प्रसंग परवान चढ़ता गया। जब पति ने आपत्तिजनक हाल में दोनों को पकड़ लिया तो दोनों ने मिलकर कमलेश की हत्या कर दिया।

आयुध नगरी के रूप में विकसित हो रहा पूरब का मैनचेस्टर

- 18 हजार से अधिक युवाओं को रक्षा उत्पादन सेक्टर में मिलेगा रोजगार का अवसर
- छोटे-बड़े हथियार से लेकर गोला-बारूद, अंतरिक्ष उपकरण और डिफेंस टेक्सटाइल्स का होगा निर्माण

केटी/ गाजीपुर

कभी पूरब का मैनचेस्टर कहा जाने वाला कानपुर आने वाले दिनों में आयुध नगरी के रूप में विख्यात होने जा रहा है। देश को रक्षा उत्पाद के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देशन में यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपी डीआईसी) तेजी से आकार ले रहा है। यूपी डीआईसी के प्रदेश में छह नोड हैं, जिसमें कानपुर नोड में सर्वाधिक निवेश हो

रहा है। कानपुर नोड में सबसे बड़े पैमाने पर रक्षा क्षेत्र से जुड़े उत्पादों का निर्माण होगा। इसमें छोटे-बड़े हथियारों से लेकर गोला-बारूद और देश की सेना के लिए अत्याधुनिक वस्त्रों का निर्माण भी शामिल है। यही नहीं कानपुर नोड में अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े उपकरणों को भी निर्मित किया जाएगा। अदाणी समूह बना रहा गोला-बारूदकानपुर के नरवल तहसील अंतर्गत साढ़ में 218 हैक्टेयर से अधिक भूमि पर डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर आकार ले रहा है। यूपीडा के अधिकारियों के अनुसार अबतक यहां 24 कंपनियों ने निवेश की इच्छा जाहिर की है, जिसमें से पांच कंपनियों ने निवेश शुरू करते हुए कार्य प्रारंभ कर दिया है। इसमें सबसे बड़ा नाम अदाणी समूह का है, जिसने बीते फरवरी माह से ही यहां अपनी फैक्ट्री शुरू कर दिया है। 1500 करोड़ रुपए के निवेश से शुरू हुए इस प्रोजेक्ट के जरिए छोटे, मध्यम और बड़े कैलिबर के गोलाबारूद के विविध रेंज का निर्माण किया जाएगा।

इन्फ्रास्ट्रक्चर पर सरकार खर्च कर रही 62 करोड़ रुपए से अधिक

यूपीडा के अधिकारियों के अनुसान कानपुर नोड के लिए अबतक 210 हैक्टेयर से अधिक भूमि अलॉट की जा चुकी है। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के कानपुर नोड से कुल 18 हजार से भी अधिक रोजगार सृजन होने की उम्मीद है। वहीं अबतक कुल 17 सौ करोड़ से अधिक का निवेश धरातल पर उतर भी चुका है, जिससे फिलहाल ढाई हजार रोजगार युवाओं को प्राप्त हुए हैं। कानपुर नोड में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए योगी सरकार 62 करोड़ रुपए से अधिक खर्च करेगी। इसमें से लगभग 33 करोड़ रुपए के कार्य पूरे हो चुके हैं। इसके अलावा 16 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य निमार्णाधीन हैं। वहीं 13 करोड़ से अधिक के कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है।वहीं इसके अलावा 38 करोड़ रुपए से आधुनिक मैटेरियल एंड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सैनिकों के लिए अत्याधुनिक वस्त्रों के निर्माण का कार्य भी शुरू हो चुका है। वहीं 360 करोड़ रुपए से नेत्र ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड आर्टलरी शेल का निर्माण करेगी और 3500 करोड़ रुपए से अनंत टेक्नोलॉजी एलईओ और जीईओ सैटेलाइट निर्माण से जुड़े उपकरण तैयार करेगी।

एक नजर

जमीनी विवाद में मारपीट, इलाज के दौरान मौत

चंदौली। धीना थाना क्षेत्र के करजरा गांव में शनिवार के दिन हुए विवाद में अजय प्रजापति पर फावड़े से हमला किया गया था। हालत गंभीर होने पर ट्रॉमा सेंटर में हो रहा था इलाज के दौरान रविवार की सुबह घायल ने दम तोड़ दिया। जिससे करजरा गांव में मचा कोहराम मच गया।मौके पर फोर्स को तैनात किया गया है। धीना थानाध्यक्ष रमेश यादव ने बताया कि मारने वालों पर कल ही मारपीट का मुकदमा लिखा जा चुका हैं और कारवाई की जा रही हैं बहुत जल्द अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के समय उनके पड़ोसी गांव के ही आरोपी उनकी निजी जमीन में रास्ता छोड़ने के लिए दबाव बना रहे थे और उनका कार्य दो माह से रोके हुए थे। गांव में रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष के दौरान अजय प्रताप प्रजापति के ऊपर धारदार हथियार से प्रहार किया गया जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई थी ।जिसका इलाज के दौरान मृत्यु हों गई। इस घटना से गांव में तनाव की स्थिति है। मृतक के घर फोर्स तैनात की गई है। आरोपियों के घर पुलिस ने दबिश दी तो घर में महिलाएं मिलीं। पुरुष घर छोड़ कर फरार हो चुके थे।पूछताछ के लिए दो लोगों को को पुलिस हिरासत में ली है।

आप जिला इकाई कार्यकारिणी का हुआ गठन

पीडीडीयू नगर। आम आदमी पार्टी जिला इकाई चंदौली के आवश्यक बैठके आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह के द्वारा किया गया। इस बैठक में जिले की कार्यकारिणी का गठन किया गया है। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह जी ने कहा कि कार्यकारिणी के सदस्य जिले के सभी कार्यकताओं को मिलकर आम आदमी पार्टी को चंदौली जिले में एक नंबर की पार्टी बनानी है। इन्होंने ये भी कहा कि संघर्ष के कोख से नेता पैदा होता है न कि किसी राजा रजवाड़े के कोख से नेता पैदा होता है या तो संघर्ष का कोख विपक्ष का नेता बनता है या ईवीएम मशीन बनती है जिसको जितवाती है जो कि लोकसभा का नेता होता है। इन्होंने यह भी कहा कि एक आम कार्यकर्ता भी संघर्ष करके बड़े से बड़े पद प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, संतोष कुमार सिंह, उपेंद्र सिंह ,रमेश चंद्र, सुलेमान जी, दीपक सिंह, राजेश द्विवेदी, रविकांत, चरण सिंह यादव, अजफर शमशुलक हक, फहीम खान, वीरेंद्र यादव, संजय कुमार, संदीप सिंह, रामरतन राम, ओमप्रकाश भारती एवं नगर अध्यक्ष रंजीत कुमार आदि उपस्थित थे।

मां के नाम पर जरूर लगाएं एक पेड़: टीओ

बलिया। पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ अभियान के अन्तर्गत कलेक्ट्रेट स्थित जिला कोषागार में एक पेड़ माँ के नाम थीम पर वन महोत्सव रविवार को मनाया गया। कोषागार परिसर में वरिष्ठ कोषाधिकारी आनन्द दूबे ने कोषागार कर्मियों, डीएफओ व अन्य वनकर्मियों के साथ कोषागार परिसर में आम, महुआ, ऑवला, महोगनी, आदि पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद दूबे ने अपील किया कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक वृक्ष मां के नाम पर लगाएँ। सम्भव हो तो जितना हो सके अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें तथा उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। डीएफओ विमल कुमार आनन्द ने बताया कि इस वर्ष 20 जुलाई को समस्त विभागों को अपने लक्ष्य के अनुरूप वृक्षारोपण करना है। सबसे यह भी अपील किया है कि रोपण के बाद वृक्षों के सुरक्षित रखने में अपना अमुल्य योगदान दें। वेदों में भी कहा गया है। ह्यह्यएक वृक्ष सौ पुत्र समानाह्यह्य अर्थात वृक्ष भी पुत्रों के समान ही जीवन के लिए आधार प्रदान करते है। वृक्ष ही जीवन के आधार है। अधिक से अधिक वृक्षों का रोपण कर धरा को हरा भरा बनाने में सभी लोग अपना सहयोग प्रदान करें। पौधा ही आपके आने वाले भविष्य के लिए रक्षक के तौर पर रहता है। बहुत सारे ऐसे भी लोग जो पौधारोपण को बस कोरम समझते है। इससे बाहर निकलने की जरूरती है। हर कोई अपने घर के आगे पेड़ अवश्य लगवा ले। इसके बाद उसकी रक्षा करते और समय पर खाद पानी जरूर दें। उक्त कार्यक्रम में वन विभाग से उप प्रभागीय वनाधिकारी, बलिया-रसड़ा उर्वशी, क्षेत्रीय वन अधिकारी ज्योंति यादव, भुपेन्द्र कुमार तिवारी, वन दरोगा अखण्ड प्रताप सिंह, राकेश शर्मा, वन रक्षक मंगलदेव सिंह, शलभ उपाध्याय, दतात्रेय सिंह आदि थे।

खबरें फटाफट

राजनीतिक पुरोधाओं को किया सम्मानित

नगरा। मैं अपने अतीत को नही भूलता हूं। जब तक मैं हूं। लोक सभा क्षेत्र बलिया ही नहीं बल्कि हर जगह के लोगों का सम्मान व उनकी समस्यायों का निराकरण करना मेरा कर्तव्य है। बात चाहे विकास की हो या सम्मान करने की मैं पीछे नहीं हटूंगा। यह बातें सांसद सनातन पान्डेय ने अपने आवास पर राजनिति शुरू करने के दिनो वर्ष 1996-97 के राजनितिक अभिभावको का सम्मान अंग वस्त्रम व स्मृति चिह्न देकर करते हुए कही। कहा कि आज हमें सांसद बनने का जो सौभाग्य मिला है यह सब इन लोगों की देन है। ये लोग हमें सहारा नहीं दिए होते तो आज मैं इस सदन में नही पहुंचता। उपस्थित दो दर्जन वयोवृद्ध हो चुके राजनीतिक पुरोधाओं को सम्मानित कर अपने आप को मैं धन्य समझ रहा हूं। इस मौके पर चिलकहर व नगरा तथा जनपद के लोग मौजूद रहे।

बच्ची की मौत के मामले में एक्शन, 4 शिक्षक सस्पेंड

गाजीपुर। नगसर थाना क्षेत्र के उजराडीह कम्पोजिट विद्यालय में बीते शनिवार को बिजली करंट लगने से 5 साल की रागिनी की मौत हो गयी थी। इस मामले में बीएसए के कई शिक्षकों पर एक्शन लिया है। विभाग किनर से बीईओ को रागिनी के गांव भरवलियां पंहुचे। बीईओ ने मृतक के पिता भोला राजभर को विभाग की ओर से आर्थिक मदद के तौर पर एक लाख की धनराशि उपलब्ध कराते हुए शोक संवेदना जाहिर किया। मालूम हो कि बीते शनिवार को रागीनी उम्र पांच वर्ष अपने बडे भाई अंकित के साथ नामांकन कराने विद्यालय पहुंची। इसी दौरान प्यास लगने पर मासूम हैंडपंम्प की ओर जा रही थी। वह विद्युत करंट के जद में आने से अचेत होकर जमीन पर गिर गई। उसे आननफानन में डाक्टर के यहां विद्यालय के अध्यापक और ग्रामीण ले गये। जहां डाक्टर ने मासूम रागीनी को देखते ही मृत घोषित कर दिया था । रविवार को बीईओ अशोक कुमार गौतम ने कारवाई करते हुए तत्काल चार शिक्षकों को संस्पेंड कर दिया।

काशी में रविवार की सुबह 222 साल पुरानी जगन्नाथ यात्रा की हुई शुरूआत

काशी में रथ खींचने के साथ शुरू हुआ तीन दिवसीय रथयात्रा मेला, गूंजा जय जगन्नाथ

- काशीराज परिवार से कुंवर अनंत रथ को खींचकर शुरू की जगन्नाथ यात्रा हाथी पर सवार होकर मेले में पहुंचे
- भगवान जगन्नाथ, भैया बलभद्र और बहन सुभद्रा के खास काष्ठ विग्रह को अष्टकोणीय रथ पर कराया गया विराजमान

केटी न्यूज / वाराणसी

वाराणसी में 222 साल पुरानी जगन्नाथ यात्रा आज से शुरू हो गई है। राजसी अंदाज में हाथी की सवारी करके काशीराज के कुंवर मेले में पहुंचे और उससे पहले रथ को 2 पग खींचा। इसके बाद रथयात्रा शुरू हो चुकी है। वहीं शहर में बेनी के बगीचे पर अब तक 70 हजार से ज्यादा भक्तों ने दर्शन कर प्रसाद पा लिया है। काशी का दूसरा बड़ा रथयात्रा मेला राजातालाब में लगा है। ये एक 150 साल पुराना मेला है। इन मेलों को काशी के विश्व प्रसिद्ध लक्खा मेले में शुमार किया गया है। परंपरा के तौर पर काशीराज परिवार राजसी अंदाज में राजा तालाब मेले का शुभारंभ किया। वहीं, 3 दिन बाद ठीक इसी अंदाज में श्बेनी के बगीचेश यानी कि रथयात्रा के मेले का समापन होगा। आज राजा तालाब में काशीराज परिवार से कुंवर अनंत नारायण सिंह 2 पग रथ को खींचकर हाथी पर सवार हुए और मेला तक गए। भोर में ही भगवान जगन्नाथ, भैया बलभद्र और बहन सुभद्रा के खास काष्ठ विग्रह को अष्टकोणीय रथ पर विराजमान कराया गया। फिर विग्रहों को पीतांबर वस्त्र धारण कराया गया। स्वर्ण मुकुट एवं आभूषण पहनाने के साथ बेला, गुलाब, चंपा, चमेली, तुलसी की मालाओं से श्रृंगार किया गया। तीन दिन तक बाबा विश्वनाथ की नगरी भगवान जगन्नाथ के आराधना में लीन रहेगी। मेला क्षेत्र में रौनक देखने को मिलेगा। मेले में जय जगन्नाथ, हर-हर महादेव का गगनभेदी उद्घोष हो रहा है। भगवान का रथ छूकर श्रद्धालु निहाल हो रहे। श्रद्धालु पूरे श्रद्धाभाव से प्रभु को फल-पुष्प और तुलसी की माला अर्पित कर रहे हैं। यात्रा में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। प्रभु का दरबार बना 20 फीट ऊंचा रथ आम भक्तों के दर्शन-पूजन के लिए खुल गया। रथ पर उन्हें छप्पन भोग लगाया गया है। पुजारी से लेकर आम भक्तों ने नान खटाई, राजभोग, पुड़ी-सब्जी, हलवा, परवल की मिठाई, मालपुआ, केसरिया पेड़ा और आम का भोग लगाया गया। ये भोग तीनों ही दिन तक लगेंगे। काशी में विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा मेले के पहले दिन बाबा कालभैरव के पंचबदन प्रतिमा की भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

धूमधाम से निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

चंदौली। जिले में भगवान जगन्नाथ बलभद्र सुभद्रा की रथ यात्रा का त्यौहार सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाया गया। चंदौली नगर के पुरानी बाजार स्थित महावीर मंदिर से रविवार को परंपरागत तरीके से भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकली गई। रथयात्रा बाजार भ्रमण करते हुए मझवार गांव में पहुंची। इस दौरान रथ पर भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र व सुभद्रा के प्रतीक स्वरूप झांकी सजी रही। इसके दर्शन को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही। लोगों ने पूरी आस्था व श्रद्धा के साथ यात्रा पर फूल बरसाए और मत्था टेका। इससे वातावरण भक्तिमय बना रहा। नगर के महावीर मंदिर से प्रति वर्ष रथयात्रा निकाली जाती है। मंगलवार को भी रथयात्रा हर्षोल्लास पूर्ण वातावरण में परंपरागत तरीके से मझवार गांव स्थित ठाकुर मंदिर प्रांगण के लिए निकली। इस दौरान रथ यात्रा में भक्तों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा। रथायात्रा की भव्य झांकी के दर्शन को रास्ते भर लोग फूल-माला लेकर खड़े रहे। इस दौरान बीच-बीच में भक्तों के जयकारे से पूरा नगर भक्ति मय हो उठा। कुछ स्थानों पर भवनों के ऊपर मौजूद भक्तों ने रथयात्रा पर पुष्प वर्षा भी की। यात्रा जैसे-जैसे मझवार गांव के लिए आगे बढ़ती गई, भक्तों की भीड़ यात्रा के साथ जुड़ती गई। इसके अतिरिक्त मंदिर प्रांगण में मौजूद भक्तों के बीच प्रसाद का भी वितरण किया गया। वही सुरक्षा के मद्देनजर भारी संख्या में पुलिस जवान मुस्तैद रहे।इस दौरान राकेश गुप्ता, वरुण तिवारी, पीयूष गुप्ता, अमित मोदनवाल, आशीष चौरसिया, रघुवर माली, संतोष गुप्ता उपस्थित रहे।

दबंग कर रहे पीड़ित के जमीन पर अवैध कब्जा

वाराणसी। जौनपुर-जिले के मड़ियाहूं कोतवाली थाना क्षेत्र के निन्दूरपुर गांव में दंबगो के द्वारा पुलिस के सह पर जमीन पर अवैध ढंग से मकान बनाकर कब्जा किया जा रहा है मड़ियाहूं थाना क्षेत्र के हुसेनपुर गांव निवासी पीड़ित राय साहब पटेल का आरोप है कि हमारे जमीन पर दबंग किस्म का व्यक्ति महेन्द्र पटेल द्वारा जबरदस्ती कब्जा किया जा रहा है पीड़ित ने कहाँ कि लेखपाल सहित सभी विभागीय लोगों के द्वारा जमीन की सीमांकन हो चुका है। इसके बावजूद भी दंबग व्यक्ति के द्वारा जबरदस्ती कब्जा किया ज रहा है। पीड़ित ने इस प्रकार की सूचना स्थानीय पुलिस को दियोसूचना देने के बाद भी पुलिस आज तक विपक्षी के खिलाफ किसी भी प्रकार की कोई कारवाई नहीं किया।

करंट की चपेट में आने से दादा और पोते की मौत

केटी न्यूज/जौनपुर

थाना कोतवाली मडियाहू क्षेत्र के राजापुर नंबर 2 गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। करंट की चपेट में आने से पोते और दादा की मौत हो गई। परिवार में दो लोगों की मौत से कोहराम मच गया।सूचना के बाद पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी।जानकारी के मुताबिक थाना मडियाहू क्षेत्र के गांव राजापुर नंबर दो में गंगा प्रसाद व उनका पोता मनीष दुबे अपने घर के पास ही खेत में काम कर रहे थे। खेतों में कार्य के दौरान मनीष वही नजदीकी बने पंपसेट के कमरे में कुछ सामान रखने के लिए गया था, कमरे में लगे सॉफ्टिंन में करंट आने के कारण वह उसकी चपेट में आ गया और गिर पड़ा कुछ देर तक मनीष के ना लौटने पर गंगा प्रसाद भी वहां पहुंचे मनीष को गिरा हुआ देख उसे उठाने चले तो वह भी करंट की चपेट में आ गए। गांव के लोगों ने घटना देख इसकी सूचना मनीष के परिजनों को दी तथा ग्रामीणों की सूचना के बाद मौके पर पुलिस भी पहुंच गई।पुलिस ने ग्राम प्रधान की मदद से बिजली विभाग को सूचित कर उसे क्षेत्र का बिजली काट कर दोनों को अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सीओ मड़ियाहूं उमाशंकर सिंह ने बताया कि सुबह मनीष व उसके बाबा खेत मे कार्य कर रहे थे दोनो वहां बने पम्पिंग सेट के कमरे में किसी कार्य से गये थे वहां सॉफ्टिंन में करंट आ रहा था मनीष करंट की चपेट में आने से वहीं गिर पड़ा थोड़ी देर बाद उसके दादा देखने गए उसे उठाने के चक्कर मे वह भी चपेट में आ गए।पुलिस ने बिजली विभाग को सूचित कर लाइन कटवाकर दोनो को नजदीकी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।आगे की कार्यवाही की जा रही है।

सेना भर्ती की तैयारी के लिए युवक लगा रहा था दौड़, हार्ट अटैक से मौत

गाजीपुर। खानपुर थाना के गांव भुजाड़ी में एक युवक की सेना में भर्ती की तैयारी के लिए दौड़ लगाते हुए हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह अपने अन्य साथियों के साथ गांव के मैदान में दौड़ लगा रहा था। इसी दौरान युवक दौड़ लगाते हुए अचानक गिर पड़ा। दौड़ लगा रहे उसके अन्य साथियों ने मामले की सूचना फोन पर परिजन को दी। गांव भुजाड़ी के रहने वाले अभिषेक यादव उर्फ गोलू की उम्र 21 साल बताई जा रही है। अभिषेक के साथियों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। उसे उपचार के लिए वाराणसी ले गए। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सुगंधित धान 2000, शंकर 11500 और 1 लाख 135 हेक्टेयर में सामान्य धान का लक्ष्य निर्धारित

विभाग ने 11365 हेक्टेयर धान रोपाई के लक्ष्य का किया निर्धारण

- किसी भी प्रकार की किसानों को परेशानी हो तो कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों से संपर्क कर सकते है

केटी न्यूज/चंदौली

कृषि विभाग की ओर से जनपद में धान के रोपाई का लक्ष्य का निर्धारित कर दिया गया है। यही नहीं जनपद में रोपाई का कार्य शुरू हो चुका है। किसान जहां अपने रोपाई कार्य में जुट गए हैं। वहीं विभाग की ओर से लक्ष्य निर्धारित होने के बाद किसानों को समय-समय पर विभाग की ओर से जागरूकता करने का वही कार्य किया जा रहा है। किसी भी प्रकार की किसानों को परेशानी हो तो कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों से संपर्क कर सकते है। वही अगैती धान की रोपाई करने वाले किसान अपने खेतों में रोपाई का कार्य शुरू कर दिए हैं, ताकि धान का अच्छा उत्पादन हो सके। जनपद में कृषि विभाग की ओर से 113665 हेक्टेयर में धान की रोपाई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें सुगंधित धान 2000, शंकर 11500 और 1 लाख 135 हेक्टेयर में सामान्य धान की खेती करने का लक्ष्य निर्धारित हैं। यही नहीं जनपद की कुछ ऐसे किसान हैं जो धान की अगैती खेती करने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे किसान के खेतों में पहले ही नर्सरी डाल देते हैं और अब उनकी रोपाई भी शुरू हो चुकी है। किसान जय तिवारी ने कहा कि रोपाई का कार्य शुरू हो चुका है। इससे फसल अच्छी होती है और समय से गेहूं का भी बुवाई हो जाता है। वही पीछे नर्सरी डाले किसानों की धान की रोपाई का कार्य अभी शुरू नहीं हुआ है,लेकिन वह भी जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। यह बारिश भी किसानों के लिए अभी तक बरदान साबित हो रही है। अगर इसी तरह बारिश होती रहे तो जल्द ही किसान धान की रोपाई शुरू कर देंगे। जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार यादव ने बताया कि पहले के नर्सरी डाले किसानों ने धान की रोपाई शुरू कर दी है।लगभग 20 प्रतिशत किसान ऐसे हैं जिन्होंने धान की रोपाई शुरू कर दी।वहीं शेष किसान अपनी धान की रोपाई के लिए बारिश के बाद खेतों की तैयारी भी शुरू कर दी हैं। प्रशासन का प्रयास है कि समय रहते लक्ष्य को प्राप्त कर लिया जाए। वहीं कृषि विभाग के सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि रोपाई के दौरान किसानों को हर संभव सहायता दें। अपने इलाके में सभी कर्मी किसानों को अपना मोबाइल नंबर दें दे। ताकि जब भी किसानों को जरूरत महसूस होगी। वह कृषि विभाग के कर्मियों से संपर्क स्थापित कर रोपाई के बारे में जानकारी हासिल कर सकते है।

सुभाषितम्

बिना विश्वास के कोई काम हो ही नहीं सकता।

\- नारायणदास

सीवर लाइन के बावजूद सभी बड़े शहरों में जल प्लावन की स्थिति

भारत के सभी बड़े शहरों में स्वच्छता अभियान के तहत सीवर लाइनों का काम पिछले कई वर्षों से किया जा रहा है। सरकार ने इसमें अरबों रुपए खर्च किए हैं। महानगरों से लेकर ए और बी क्लास के सभी शहरों में सीवर लाइन का काम पिछले दो दशक में बड़ी तेजी के साथ हुआ है। नालियों को सीवर लाइन से जोड़ा गया है। सारे शहर का पानी सीवर लाइन के माध्यम से ट्रीटमेंट करके बहाने की व्यवस्था की गई है। दूसरी तरफ हकीकत यह है कि शहर के जो भी नाले थे उन पर भारी अतिक्रमण हो गया है। हर शहर में जो खुली जमीन पड़ी हुई थी उसमें बड़े-बड़े भवन बना दिए गए हैं। अब जब बारिश होती है और खासकर थोड़ी सी बारिश में ही शहरों के अनेक हिस्सों में पानी भर जाता है। निचली बस्तियों में नाव चलाने की नौबत आ जाती है। पूरा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। यह सब इसलिए होता है क्योंकि शहरी विकास में पुरानी संरचना और नई संरचना को जोड़ने में जिस तरह के कार्य किए जाने थे वह नहीं किए गए। हर शहर में करोड़ों रुपए की सीवर लाइन के ठेके हुए। सीवर लाइन बनाते समय यह ध्यान नहीं रखा गया कि पानी का ढलान जहां से सीवर लाइन शुरू हो रही है और जहां पर जाकर वह मिलेगी उसके बीच में ढलान है या नहीं। सीवर लाइन बनाने और ठेके में भारी भ्रष्टाचार के चलते केवल बड़ी-बड़ी नालियों को सीवर लाइन दी गई, उनके अंदर सीवर लाइन के पाइप डाल दिए गए। कंक्रीट के जरिए एक नाला बना दिया गया। लेकिन जैसे ही बरसात आती है वह पानी इन सीवर लाइनों और नालों से बहकर शहर के बाहर नहीं निकल पाता है। जिसके कारण जल प्लावन की स्थिति हर साल बनती है। इसमें करोडों-अरबों रुपए का नुकसान नगरीय संस्थाओं और सरकारों के साथ-साथ आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। दिल्ली हो, मुंबई हो, चेन्नई हो या अन्य महानगर हों या कोई भी बड़े शहर हों सभी में यह स्थिति देखने को मिल रही है। पूरे साल सीवर लाइन के माध्यम से जो गंदा पानी इनमें बहता है वह भी नहीं निकल पाता है। क्योंकि गंदा पानी ज्यादा निकलता है उसकी सफाई नहीं हो पाती है। जिसके कारण साल भर सीवर लाइन के चेंबर से गंदा पानी रोड पर बहता रहता है। जो संक्रमण फैलाने और बीमारियों का कारण भी बनता चला जा रहा है। नगरीय संस्थाओं के इंजीनियर, राज्य सरकारें और भारत सरकार जो योजना बनाती हैं उन योजनाओं का क्रियान्वयन ठीक तरीके से नहीं होता है। विशेष रूप से सीवर लाइन के मामले में सारे इलाकों में पानी के बहाव को लेकर सर्वे करने के पश्चात काम करना चाहिए था, ऐसा नहीं होने के कारण गंदगी से मुक्ति तो मिली नहीं अब हर समय गंदगी और बरसात में जल प्लावन का दंस नागरिकों को झेलना पड़ रहा है। हर बारिश में नागरिकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसके साथ-साथ घर छोड़कर अन्य जगहों पर जाकर रहने के लिए विवश होना पड़ रहा है। भारत सरकार और राज्य सरकारों को चाहिए कि शहरों में जो भी सीवर लाइन बिछाई गई हैं उनका व्यापक सर्वेक्षण कराया जाए। जल निकासी के लिए बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। शहरों का विकास इस तरह से किया जाए कि साल भर जो गंदा पानी लोगों के घरों से निकलता है वह सीवर लाइनों के माध्यम से ट्रीटमेंट प्लांट तक सही तरीके से पहुंचे। सीवर लाइन समय-समय पर साफ हों। पानी का ढलान पर्याप्त हो। बारिश का पानी भी आसानी के साथ बाहर निकल सके। इसकी व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना जरूरी हो गया है। जिस तरह के हालात हर बारिश में बनते हैं, उससे सभी को बड़ा नुकसान हो रहा है।

चिंतन-मनन

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी। परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है। निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है। निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतन्त्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

जगन्नाथ रथ यात्रा एक अनुपम भक्तिभाव

-संजय गोस्वामी

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है। इस यात्रा को रथ महोत्सव और गुंडिचा यात्रा के नाम से जाना जाता है। इस बार जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरूआत 07 जुलाई से हो रही है। पद्म पुराण की मानें तो एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर देखने की इच्छा जाहिर की। इसके लिए भगवान जगन्नाथ ने सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाया। इस दौरान वह अपनी मौसी के घर भी गए। जहां वह सात दिन तक रुके। मान्यता है कि तभी से हर साल भगवान जगन्नाथ निकालने की परंपरा जारी है।ज्येष्ठ मास में गर्मी का आरम्भ होता है, अतः पुरी में श्रीजगन्नाथ जी के चतुर्धा विग्रह को स्नान कराया जाता है। १०८ घड़ों से स्नान के बाद उनको ज्वर हो जाता है, तथा १५ दिन बीमार रहने पर उनकी चिकित्सा होती है। उसके बाद आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को वे घूमने निकलते हैं। ३ रथों में जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा गुण्डिचा मन्दिर तक जाते हैं तथा ९ दिन बाद दशमी को लौटते हैं जिसे बाहुड़ा कहते हैं। लौटने को बहोर कहते हैं-गयी बहोर गरीब नेवाजू सरल सबल साहिब रघुराजू। (रामचरितमानस, बाल काण्ड, १२/४)। चान्द्र मास में भी जब अमावास्या के बाद चन्द्र सूर्य से दूर

जाता है तब शुक्ल पक्ष की शुद्ध तिथि होती है। जब सूर्य के निकट लौटता है तब बहुल तिथि होती है।परब्रह्म के अव्यय पुरुष रूप को जगन्नाथ कहा गया है।इसे गीता (१५/१) में विपरीत वृक्ष कहा गया है। भगवान बलभद्र को बलराम, दाऊ और बलदाऊ के नाम से भी जाना जाता है। बागियों में श्रेष्ठ होने के कारण इन्हें बलभद्र भी कहा जाता है। बलभद्र को शेषनाग के नाम से जाना जाता है और भगवान जग अर्थात श्री कृष्ण को भगवान कृष्ण का अवतार माना जाता है।. कहा जाता है कि जब कंस ने देवकी-वसुदेव के छह पुत्रों को मार डाला था, तब देवकी के गर्भ से शेषावतार और भगवान बलराम का जन्म हुआ था। योगी आदित्यनाथ ने उन्हें आकर्षित कर नंद बाबा के यहां रह रही श्री रोहिणी जी के गर्भ में निषेचित करवा दिया था। इसलिए उनका नाम संकर्षण पड़ा। श्री कृष्ण और बलराम की माताएं अलग-अलग हैं, लेकिन वे एक ही हैं। ध्यान से देखा जाए तो वे पहले देवकी के गर्भ में थे। बलराम सत्ययुग के राजा कुकुदनी की पुत्री रेवती के वंशज थे। रेवती बलराम से काफी लंबी थी, इसलिए बलराम ने उसे अपने हल से पराजित कर दिया था। संसार की रथयात्रा में बलभद्र का भी रथ है। वे गदा धारण करते हैं। बलराम ने अपनी गदा से योगेन्द्र और भीम दोनों को मार डाला था। कौरव और पांडव दोनों ही उनके बराबर थे, इसलिए उन्होंने युद्ध में भाग नहीं लिया। मौसूलम युद्ध में यवंश के विनाश के बाद बलराम ने समुद्र तट पर बैठकर अपने प्राण त्याग दिए।सुभद्रा श्री कृष्ण की बहन भी थीं। बलराम चाहते थे कि सुभद्रा का विवाह कौरव कुल में हो। बलराम के हठ के कारण कृष्ण ने सुभद्रा का अर्जुन से हरण करवा दिया। बाद में अर्जुन का विवाह सुभद्रा से राका में हुआ।. विवाह के बाद वे एक वर्ष तक राका में रहे और शेष समय पुकुर में बिताया। 12 वर्ष पूरे होने पर वे सुभद्रा के साथ इंद्रप्रस्थ लौट आए।. सुभद्रा का पुत्र अमौध था, जिसे युद्ध में फंसने के कारण धन, कर्ण समेत कुल के आठ लोगों ने मार डाला था। अमौध की पत्नी उर थी, जिसके गर्भ से पार्वती का जन्म हुआ और पार्वती के पुत्र जनमेजय थे कहा जाता है कि नरकासुर का वध करने के बाद भगवान कृष्ण अपनी बहन सुभद्रा के घर उसके भाई को लेने गए थे। सुभद्रा ने उनका स्वागत किया और अपने हाथों से उन्हें भोजन कराया और उनके गले में एक ताला डाल दिया। पुरी में जगत की यात्रा में भगवान कृष्ण के साथ बलराम और सुभद्रा दोनों की मूर्तियां रखी जाती हैं। सुभद्रा वसुदेव की पत्नी रोहिणी की पुत्री थीं, जबकि श्रीकृष्ण वसुदेव की पत्नी देवकी के पुत्र थे। इस तरह श्रीकृष्ण और सुभद्रा के पिता एक ही थे लेकिन माताएं अलग-अलग थीं। फिर भगवान जगत को बड़े भाई बलराम जी और बहन सुभद्रा के साथ राणा हाउस से नीचे उतारकर मंदिर के पास बने नान मंडप में ले जाया जाता है। उन्हें 108 कलशों से स्नान कराया जाता है। मान्यता है कि इस स्नान से भगवान बीमार हो जाते हैं और वे पुनः स्वस्थ हो जाते हैं। फिर 15 मिनट के लिए भगवान जगत को शेष कलश में रखा जाता है। इसे शेष घर कहते हैं। 15 मिनट की इस अवधि में मंदिर के मुख्य सेवक और वैभव के अलावा महाप्रभु के दर्शन कोई नहीं कर सकता। इस अवधि में मंदिर में महाप्रभु की प्रभात की पूजा की जाती है और उनकी पूजा की जाती है। 15 मिनट के बाद भगवान स्नान कर कलश से बाहर आते हैं और भक्तों को दर्शन देते हैं। इसे नव युवा नैत्र उत्सव भी कहते हैं। इसके बाद भगवान कृष्ण और बड़े भाई श्रीकृष्ण भाई बलभद्र और सुभद्रा के साथ पुरी आते हैं और रथ पर बैठने की बजाय नगर भ्रमण पर निकलते हैं।वेद में इनको ५ प्रकार से दारु ब्रह्म कहा गया है-जगत का आधार, निरपेक्ष द्रष्टा, निर्माण सामग्री, निर्माण की शाखायें या विविधता, चेतन तत्त्व या संकल्प-कर्म-वासना का चक्र। परमात्मा तथा उसके व्यक्ति रूप आत्मा का सम्बन्ध देखने पर, आत्मा का कर्म रूप जीव (बाइबिल का आदम-ईव) पत्नी है, जगन्नाथ पति हैं, उन दोनों के बीच सुभद्रा रूपी माया का आवरण ननद है। ननद का अर्थ है न-नन्दति, अर्थात भाई को पत्नी से अधिक प्रेम करते देख प्रसन्न नहीं होती। इस भाव में विद्यापति, कबीर, महेन्द्र मिश्र आदि के कई निर्गुण गीत हैं। तुलसीदास जी ने इनका वर्णन किया है-आगे राम लखन बने पाछे। तापस वेश विराजत काछे॥उभय बीच सिय सोहति कैसी। ब्रह्म जीव बिच माया जैसी॥ (रामचरितमानस, २/१२२/१) आगे श्री रामजी हैं, पीछे लक्ष्मणजी सुशोभित हैं। तपस्वियों के वेष बनाए दोनों बड़ी ही शोभा पा रहे हैं। दोनों के बीच में सीताजी कैसी सुशोभित हो रही हैं, जैसे ब्रह्म और जीव के बीच में माया !जगन्नाथ के कई देव रूप हैं-विश्व का वास या आधार-वासुदेवजगत का क्रिया रूप = जगन्नाथचेतन तत्त्व = पुरुषमूल स्रोत से पूर्ववत सृष्टि = वृषा-कपि (हनुमान)=जल जैसे स्रोत का पान कर ब्रह्माण्ड, तारा, ग्रह आदि विन्दुओं की सृष्टि।तत्र गत्वा जगन्नाथं वासुदेवं वृषाकपिम्। पुरुषं पुरुषसूक्तेन उपतस्थे समाहितः॥ (श्रीमद् भागवत पुराण, १०/१/२०)एक ही परम तत्त्व के चतुर्धा विग्रह है-जगन्नाथ = चेतन तत्त्वबलभद्र = विश्व के निर्मित रूपसुभद्रा = माया का आवरणसुदर्शन = आकाश।

बरसात के पानी का पोल-खोल अभियान

\- राकेश अचल

` बरसात ईडी और सीबीआई से ज्यादा मजबूत जांच एजेंसी है। बरसात का पानी देश में समानदृष्टि से निर्माण कार्यों में हुई धांधली की पोल खोलता है । बरसात का पानी जो भी करता है दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करता है। बरसात का न किसी गंठबंधन के साथ तालमेल है और न कोई कॉमन मिनिमम प्रोग्राम। बरसात तो आती है और अपना काम कर वापस लौट जाती है दोबारा आने के लिए। इस बरसात ने केंद्र से लेकर राज्य सरकारों तक की पोल खोली है।बरसात का ये पोल-खोल अभियान अभी जारी है। देश में बरसात कमोवेश हरेक हिस्से में होती है। कहीं कम ,तो कहीं ज्यादा। बरसात को अपना काम करने के लिए न जनादेश की जरूरत पड़ती है और न किसी अध्यादेश की । बरसात का नियंता तो इंद्र है। इंद्र देवता है। खुश भी करता है और कुपित भी होता है। जब संयम से बरसता है तो किसानों के चेहरे खिल उठते हैं ,क्योंकि बरसात के पानी से ही खेत सोना उगलते हैं और जब कुपित होता है तो जल-प्लावन कर असंख्य जानें ले लेता है।इस लिहाज से बरसात का ,बादलों का नियंता बहुरूपिया है हमारे नेताओं की तरह। इंद्र की फितरत सैकड़ों,हजारों सालों से नहीं बदली। देश-दुनिया में सरकारें बदलतीं है किन्तु इंद्र नहीं बदलता। द्वापर में इंद्र का मान -मर्दन करने के लिए कृष्ण था । उन्होंने गोवर्धन को अपनी लाठी पर ऊपर उठाकर बचा लिया था ,लेकिन कलियुग में इंद्र तो है किन्तु कोई कृष्ण नहीं है। देश में निर्माण कार्यों के जरिये नेता,इंजीनियर और ठेकेदार खूब कमाते-खाते हैं लेकिन इन सबकी पोल बरसात के जरिये इंद्र ही खोलता है । इस बार सबसे पहले बिहार की पोल खुली। एक के बाद एक कर कोई एकदर्जन पुल गिर गए। किसी का कुछ नहीं बिगड़ा ।कुछेक इंजीनियर निलंबित किये गए। उन्हें बरसात के बाद बहाल कर दिया जाएगा। जो पुल बहे वे बदनसीब थे।सरकार इसमें क्या कर सकती है। सरकार का काम पुल बनाना है और बरसात का काम पल गिराना और बहाना है।यदि पुल बहेंगे नहीं तो नए कहाँ से बनेंगे। आज के नेता शेरशाह सूरी या कोई अंग्रेज तो नहीं हैं जो ऐसे पुल बनवा दें जो सदियों तक चलें ? हमारे देश में मुगलों और अंग्रेजों के जमाने के तमाम पुल अभी भी पूरी निष्ठा से अपना काम कर रहे हैं। देश में बहने या गिरने का काम केवल पुल ही नहीं करते ,हवाई अड्डे की छतें और केनोपी भी करतीं हैं। देश की राजधानी दिली के अंतर्राष्ट्रीय इंदिरागांधी हवाई अड्डे की केनोपी टपक रही हैं । कर पार्किंग की छत बैठ गयी है। इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और अयोध्या में बनाये गए नए-नवेले हवाई अड्डे निर्माण कार्यों की पोल खोल रहे हैं। रेलवे स्टेशनों की तिवारें ही नहीं रामलला के नवनिर्मित मंदिर की छत भी टपक रही है। लेकिन किसी का न तो रोम फड़क तरह है और न कोई इस बारे में सोच रहा है।सरकार का बस चले तो वो इस तरह का पोल-खोल अभियान चलने वाले इंद्र को स्वर्ग से गिरफ्तार कर हवालात में डाल दे ,लेकिन ये हो नहीं सकता।कोई ईडी या सीबीआई वाला स्वगारीहण कर इंद्र की गिरफ्तारी करने का करिश्मा नहीं दिखा सकता। बैशाखियों पर टिकी सरकार के पास भी ऐसी कोई ताकत नहीं है जो वो इंद्र को हटक सके।बरसात को होने से रोक सके । सरकारें अपना काम कर रहीं है और बरसात अपना काम कर रही है । सरकार बरसात से नहीं डरती और बरसात सरकार से नहीं डरती। असम से अयोध्या तक,दिल्ली से पटना तक देश के किसी भी हिस्से में जाइये,आपको बरसात सरकार के निर्माण कार्यों की पोल खुलती दिखाई देगी। पुल ही नहीं सड़कें भी सरकार की पोल खोलतीं है। बरसात में नदीं ही नाले भी उफन कर दिखा देते हैं। लेकिन सरकार न नदी का कुछ बिगाड़ सकती है और न नालों का । पानी बरसाने वाले बादलों के खिलाफ तो कुछ कर पाना मुमकिन ही नहीं है। केंद्र की सरकार 23 जुलाई से बरसात की परवाह किये बिना ही केंद्रीय बजट ला रही है। ये सीतारामी बजट होता है। देश के पास श्रीमती निर्मला सीतारामन जैसा कोई दूसरा है ही नहीं। वे लगातार चमत्कार करती आ रहीं हैं इसलिए उन्हें एक बार फिर मौका दिया गया है। बजट के मामले में निर्मला जी का स्मार्थन उनके अपने पति देव भी नहीं करते ऐसे में जनता उनके बजट का समर्थन क्यों करने लगी? एक जमाना था जब मुगल हों अंग्रेज हों या देशी राजे-महाराजे हों कम से कम निर्माण कार्यों में तो कमाई नहीं करते थे । घटिया सामग्री का इस्तेमाल नहीं करते थे ,यदि करते होते तो ग्वालियर के पास नूराबाद में शेरशाह सूरी के जमाने का बना पुल ,कोलकता में हुबली पर बना अंग्रेजों के जमाने का पुल और तो और छोड़िये 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में बदनाम हो चुके सिंधिया खानदान द्वारा बनाये गए पुल और बाँध आज भी काम कर रहे हैं। पिछले 75 साल में बनाया गया कोई भी पुल और सड़क पुराने जमाने के निर्माण कार्य का मुकाबला नहीं करसकता। जाहिर है कि तब में और अब में बहुत अंतर आ चुका है। ईमानदारी का इंडेक्स भी लगातार गिरा है। पिछले दस साल में तो इस इंडेक्स में इतनी गिरावट आई है की पूछिए मत ! आप पूछेंगे भी तो हम बता नहीं पाएंगे ,क्योंकि सब कुछ असीमित है। बरसात देश और दुनिया के असंख्य लोगों को प्रभावित करती है । भारत में भी यही हाल है। असम के 30 जिलों के लाखों लोग राहत शिविरों में है। चारधाम यात्रा स्थगित कर दी गयी है । दिल्ली जलमग्न है। अयोध्या हो या काशी सब जगह पानी ही पानी है सिवाय सरकारों और नेताओं की आखों के। सरकारें देखकर भी कुछ देखना नहीं चाहतीं और नेताओं को पानी हवाई जहाज में बैठकर देखने में मजा आता है। वे हवाई सर्वे करते हैं फिर राहत बांटे-बटवाते हैं। राहत कार्य भी निर्माण कार्यों की तरह कमाई का एक दूसरा जरिया होते हैं। टीडीपी और जेडीयू तो इस बार सरकार का हिस्सा बनकर उसे निचोड़ लेने पर आमादा हैं ,क्योंकि ऐसा मौका फिर कहा मिलेगा ? दस साल में पहली मर्तबा भाजपा लंगड़ी- लूली हुई है। इसलिए सब मिलजुलकर अपना-अपना उल्लू सीधा कर लेना चाहते हैं। इस बार चौमासा कहिये या मानसून सीजन कहिये में अभी तक केवल और केवल पानी से लड़े काले बादल ही गुरगुराते दिखाई दिए है। इंद्रधनुष तो दिखाई ही नहीं दिया। कहीं खुशी है तो कहीं गम भी है। बरसात न आये तो आलू,प्याज और टमाटरों को अपने भाव बढ़ाने का मौका ही कहाँ मिले ? बरसात सबका ख्याल रखती है । जमाखोरों का भी ,जो इस मौसम में मुनाफा नहीं कमा पाटा उसके लिए कोई दूसरा मुफीद मौसम होता ही नहीं है।मुझे तो बरसात का मौसम बेहद सुहाना लगता है।

पुलों का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण

\- ललित गर्ग

बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली हैं। जैसी खबरें हैं, अकेले बुधवार, यानी 3 जुलाई को ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में पांच पुल-पुलिया धराशायी हो गए। इनमें सिवान में छाड़ी नदी पर बने दो पुल शामिल हैं। इससे पहले दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान है। इस हादसे के कारण अनेक वाहन क्षतिग्रस्त हुए एवं एक व्यक्ति की मौत हो गई और 8 लोग घायल हुए थे। सभी को इस बात की हैरानी हो रही है कि देश के सबसे प्रमुख हवाईअड्डे पर इस तरह का हादसा कैसे हो सकता है? मुंबई में भी घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था।इन पुलों के गिरने एवं अन्य सरकारी निमार्णों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चाहे राजनीति की हो, सामाजिक हो, पारिवारिक हो, धार्मिक हो, औद्योगिक हो, शैक्षणिक हो, चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है।उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं।पुल के गिरने से जितने पैसों की बबार्दी हुई, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? बिहार में पुल गिरने की ताजा घटनाएं कोई पहली नहीं है।इससे पहले पिछले साल भर में सात पुलों के ढह जाने की खबरें आईं थी। जाहिर है, इन पुलों के ढहने एवं गिरने से कई गांवों का आपस में सीधा संपर्क टूट गया है और मानसून के मौसम में उनकी परेशानियां बढ़ गई हैं।बरसात के मौसम में जर्जर ढांचों के गिरने की घटनाएं ज्यादा घटती हैं और इसीलिए सभी राज्यों में स्थानीय प्रशासन मानसून आने से पहले ही उनकी पहचान कर उनका इस्तेमाल प्रतिबंधित कर देता है। मगर पुल कोई रिहाइशी इमारत नहीं, जिसमें चंद परिवार या कुछ लोग रहते हों, और जिसे एहतियातन खाली करा लिया जाए। ये पुल ग्रामीण लोगों के जीवन की अनिवार्यता एवं जीवनरेखाएं हैं। उच्च तकनीक और प्रौद्योगिकी के मौजूदा समय में उच्च लागत के बावजूद छोटी नदियों और नहरों पर बनने वाले पुल भी यदि चंद वर्षों में या बनते ही धराशायी हो जाएं, तो इसको कुदरती कहर का नतीजा नहीं, आपराधिक मानवीय लापरवाही, भ्रष्टाचार एवं सरकारी धन का दुरुपयोग ही मानना चाहिए। बिहार में सिवान की जिस नदी पर दो पुलों के ढहने की घटना घटी है, वह मृत हो चुकी थी और उसे जल-जीवन हरियाली अभियान के तहत पुनर्जीवित किया गया था। निस्संदेह, इसके लिए राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन सराहना के पात्र हैं। आखिर इस नदी के जिंदा होने से हजारों एकड़ भूमि की सिंचाई को बल मिला है। मगर क्या उसी तंत्र को यह भी नहीं सुनिश्चित करना चाहिए था कि जो पुल जर्जर अवस्था में हैं, उनका विकल्प भी साथ-साथ तैयार किया जाए? इस तरह बार-बार पुलों का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है।

आज का राशिफल

मेष लाभ के योग बन रहे हैं और आपके सम्मान में वृद्धि होगी। भौतिक विकास का योग अच्छा है।

तुला आज दिन लाभकारक है। कार्य व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं।

वृषभ आज आपका मन नई योजनाओं में लगेगा। कहीं यात्रा पर जाने से मन को प्रसन्नता होगी।

वृश्चिक आज आर्थिक मामलों में आज का दिन बहुत लाभ होगा। आज का दिन काफी मजबूत है।

मिथुन दिन काफी रचनात्मक है। किसी क्रिएटिव काम को पूरा करने में आपको खुशी होगी।

धनु आज बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो आपको बड़ा लाभ होगा।

कर्क दिन सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उस का फल उसी समय मिल सकता है।

मकर साझे में किया व्यापार आपको काफी लाभ देगा। घरेलू कामों को निबटाने का आज सुनहरा मौका है।

सिंह धर्म और आध्यात्म के मामले में पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा।

कुंभ आज लाभ होगा। जो भी कार्य अपने हाथ में लेंगे उसमें आपको सफलता प्राप्त होगी।

कन्या दिन हर काम को सावधानी से करने का है। आपसी वार्ता और व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें।

मीन आज का दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर होगा।

विशेष

भारत की जनता चमत्कार को नमस्कार करती है

भारत में ठग विद्या प्राचीन काल से चली आ रही है। माया का उपयोग भी ठगी के लिए किया जाता है। जब सीता मैया का अपहरण साधु के भेष में रावण ने किया था। यह ठगी की एक माया थी। जिसमें भगवान राम लक्ष्मण और सीता भी नहीं बची। भारत की 140 करोड़ जनता मौजूदा रामराज की व्यवस्था में चमत्कार को नमस्कार कर रही है। बिना कुछ किये मुहं मांगी मुराद को पूरे करने वाले तथाकथित फर्जी बाबा और फर्जी साध्वी यूट्यूब सोशल मीडिया के माध्यम से अपने जाल मे लोगों को फसाते हैं। लोग इन पर सहज विश्वास कर लेते हैं।

तिलक तराजू और तलवार-इनको मारो जूते चार

उत्तर प्रदेश मे मायावती ने दलितों के बीच में मनुवादी व्यवस्था का विरोध करते हुए नारा लगाया था। तिलक तराजू और तलवार मारो,इनको जूते मारो चार। कुछ वर्षों तक दलितों के बीच में मायावती का यह नारा सामाजिक क्रांति का कारण बना। यही दलित बाबा भोले के सबसे बड़े भक्त हैं। भोले बाबा उनकी सारी कठिनाइयों को पल भर में दूर करने का दावा कर रहे थे। यह दलित पाखंडी और फर्जी बाबा के शिष्य बन रहे थे। हाथरस की भगदड़ में जो मारे गए हैं। उसमें से 80 फीसदी दलित परिवार के हैं। बाबाओं ने मायावती के तिस्लम को तोड़ दिया। मायावती के घर में अब बाबाओं का राज आ गया है। इस बार लोकसभा में एक भी सीट बसपा ने नहीं जीती।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1709: रूस और स्वीडन के बीच शुरू हुए संघर्ष में रूस को विजय मिली. 1858: अंग्रेजों द्वारा ग्वालियर किले पर कब्जे के बाद लार्ड कैनिंग ने आजादी की लड़ाई समाप्त हो जाने की घोषणा की. 1895: दक्षिणी अफ्रीका में डेलागोवा रेलवे लाइन के खुलने से ट्रांसवाल को समुद्र तक पहुंचने का मार्ग मिल गया. 1948: भारतीय संविधान में सुधार के लिए मांटिगू चेम्सफोर्ड रपट प्रकाशित हुई. 1920: ब्रिटेन ने केन्या को अपना उपनिवेश बनाया. 1940: द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी हमले के दौरान नार्वे सरकार ने अपना कामकाज लंदन से शुरू किया. 1950: अमरीकी जनरल डगलस मैकआर्थर कोरिया में राष्ट्रसंघ सेना के प्रमुख बनाए गए. 1954: भा खड़ा नांगल नहर का उद्घाटन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने किया.

दैनिक पंचांग

8 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.00 बजे से
चंद्र	कर्क में	सिंह	08.16 बजे से
मंगल	मेष में	कन्या	10.28 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.39 बजे से
गुरु	वृष में	वृश्चिक	14.54 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	17.10 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	19.15 बजे से
राहु	मीन में	कुंभ	21.01 बजे से
केतु	कन्या में	मीन	22.34 बजे से
राहुकाल		मेष	00.05 बजे से
7.30 से 9.00		वृष	01.45 बजे स
बजे तक		मिथुन	03.43 बजे से

सोमवार 2024 वर्ष का 190 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081
शक संवत् 1946
मास आषाढ़
पक्ष शुक्ल
तिथि तृतीया अहोरात्र।
नक्षत्र पुष्य 06.03 बजे को समाप्त।
योग वज्र 02.06 बजे रात्र को समाप्त।
करण तैतिल 17.30 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 2.0 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872034
जूलियन दिन 2460499.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना मोहर्रम
तारीख 01

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

'पशुओं के लिये वरदान' अजोला

पशुपालकों की तरफ से हरे चारे की कमी व सस्ते बांट की कमी की समस्या प्रमुखता से उठायी जाती रही है। बरसात के मौसम के अलावा पशुओं को फसल अवशेष एवं भूसे पर पालना पड़ता है। जिससे पशु बढ़ोत्तरी, उत्पादन एवं प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल व विपरीत असर पड़ता है।

अजोला के गुण

अजोला जल सतह पर मुक्त रूप से तैरने वाली जलीय फर्न है। यह छोटे–छोटे समूह में सघन हरित गुच्छ की तरह तैरती है। भारत में मुख्य रूप से अजोला की जाति अजोला पिन्नाटा पायी जाती है। यह काफी हद तक गर्मी सहन करने वाली किस्म है।

रिजका एवं संकर नेपियर की तुलना में अजोला से 4 से 5 गुणा उच्च गुणवत्ता युक्त प्रोटीन प्राप्त होती है। तथा इसका उत्पादन भी रिजका व नेपियर से 4 से 10 गुना तक अधिक उत्पादन देता है।

अजोला की पशु आहार के रूप में उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर ने सर्वप्रथम अजोला को कृषकों तक पहुंचाने व उपयोग कराने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर पर गत मार्च में एक एजोला प्रदर्शन इकाई स्थापित की है। केन्द्र पर स्थापित की गई इकाई से किसानों को प्रशिक्षण के माध्यम से प्रेरित करके जिला धौलपुर के ग्रामों में अजोला इकाई स्थापना हेतु किसानों को केन्द्र द्वारा निःशुल्क अजोला बीज प्रदान किये गये।

केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक शिवमूरत मीणा के अथक प्रयास के कारण मात्र दो महीने के अल्पकाल में जिला धौलपुर के गांव खेरली, पंचगांव, सरकनखेडा, बाड़ी, धौलपुर शहर, विरौदा, पिदावली व रूपसपुर में किसानों ने अजोला इकाई की स्थापना करके आज पशुओं को हरे चारे के रूप में अजोला खिला रहे हैं। अजोला को वृहत स्तर पर प्रसार के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केन्द्र, धौलपुर ने अन्य कृषि विज्ञान केंद्र, करौली, यू.पी. का आगरा व एम.पी. के भिंड, ग्वालियर व मुरैना आदि को भी अजोला इकाई स्थापना हेतु तकनीकी जानकारी प्रदान की है।

अजोला का रखरखाव व सावधानियां

- क्यारी में जल स्तर को 1.0 सेमी तक बनाये रखें.
- प्रत्येक तीन माह पश्चात अजोला को हटाकर पानी व मिट्टी बदलें तथा नई क्यारी के रूप में दोबारा पुनः संवर्धन करें.
- अजोला को अच्छी बढ़वार हेतु 20–35 सेन्टीग्रेड तापमान उपयुक्त रहता है।
- शीतऋतु में तापक्रम 6.0 सेंटीग्रेड से नीचे आने पर अजोला क्यारी को प्लास्टिक मल्च अथवा पुरानी बोरी के टाट अथवा चद्दर से रात्रि में ढंक दें।

अजोला उत्पादन इकाई स्थापना में क्यारी निर्माण, सिलपुटिनशीट, छायादार नायलोन, जाली एवं अजोला बीज की लागत पशुपालक को प्रतिवर्ष नहीं देनी पड़ती है। इन कारकों को ध्यान में रखते हुए अजोला उत्पादन लागत लगभग 1.00 रु. किलो से कम आंकी गयी है।

अजोला पानी से फूल व सब्जी की खेती में लाभ

अजोला क्यारी से हटाने पानी को सब्जियों की खेती में काम में लेने से यह एक वृद्धि नियामक कार्य करता है, जिससे सब्जियों एवं फूलों के उत्पादन में वृद्धि होती है। अजोला एक उत्तम जैविक एवं हरी खाद के रूप में कार्य करता है।

कृषि विज्ञान केंद्र, धौलपुर पशुपालकों को सलाह देता है कि अजोला उत्पादन की तकनीकी जानकारी प्राप्त करने के लिय केंद्र से संपर्क करें तथा अजोला पर प्रशिक्षण प्राप्त कर पशुओं के लिये अजोला इकाई स्थापित करें।

अजोला की विशेषता

- यह जल में तीव्रगति से बढ़वार करती है।
- यह प्रोटीन आवश्यक अमीनो अम्ल, विटामिन 'ए' विटामिन बी–12 तथा बीटा कैरोटीन, कैल्शियम, फैरस, कापर एवं मैग्नीशियम से भरपूर है। इसमें गुणवत्तायुक्त प्रोटीन व निम्न लिखित तत्व होने के कारण मवेशी इसे आसानी से पचा लेते हैं।
- शुष्क वजन के आधार पर पोषक तत्वों की उपलब्धता इस प्रकार है–

प्रोटीन–20–30 प्रतिशत
वसा – 20–30 प्रतिशत
खनिज तत्व–50–70 प्रतिशत
रेशा – 10–13 प्रतिशत
बायो–एक्टिव व बायो–पॉलीमर– पर्याप्त मात्रा

- अजोला औसतन 1.5 कि.ग्रा./वर्गमीटर की दर से प्रति सप्ताह उपज देती है।
- यह फर्न तीन दिन में दुगनी हो जाती है।
- यह पशुओं का आदर्श आहार, जानवरों के लिये प्रतिजैविक तथा भूमि उर्वरता शक्ति को बढ़ाने का कार्य करती है। तथा इसकी उत्पादन लागत काफी कम है।

अजोला इकाई तैयार करने की विधि

- किसी छायादार स्थान पर 6.0×1.0×2.0 मीटर आकार की क्यारी खोदें।
- क्यारी में 120 गेज की सिलपुलिन शीट को बिछाकर ऊपर के किनारों पर मिट्टी का लेप कर दें।
- 80–100 किग्रा. मिट्टी की परत क्यारी में बिछा दें।
- 5–7 किलो गोबर (2–3 दिन पुराना) 10–15 लीटर पानी में घोल बनाकर मिट्टी पर फैला दें।
- क्यारी में 400–500 लीटर पानी भरें जिससे क्यारी में पानी की गहराई लगभग 10–15 सेमी तक हो जावे।
- उपजाऊ मिट्टी व गोबर खाद को जल में अच्छी तरह मिश्रित करें।
- इस मिश्रण पर दो किलो ताजा अजोला को फैला दें, इसके पश्चात से 1 लीटर पानी को अच्छी तरह से अजोला पर छिड़कें जिससे अजोला अपनी सही स्थिति में आ सकें।
- क्यारी को अब 50 प्रतिशत नायलोन, जाली से ढक कर 15–20 दिन तक अजोला को वृद्धि करने दें.
- 21वें दिन से 1.5–2.0 कि.ग्रा. अजोला की उपज प्राप्त करने हेतु 20 ग्राम एसएसपी तथा 5.0 किलोग्राम गोबर खाद का घोल बनाकर प्रतिमाह क्यारी में मिलावें।
- मुर्गियों को 30–50 ग्राम अजोला प्रतिदिन खिलाने से उनके वजन व अंडा उत्पादन क्षमता में 10–15 प्रतिशत की वृद्धि होती है।
- भेड़ व बकरियों को 150–200 ग्राम ताजा अजोला खिलाने से शारीरिक वृद्धि एवं दुग्ध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होती है।

लगाएं गेंदा

भिन्न–भिन्न ऊंचाई एवं भिन्न–भिन्न रंगों के कारण लेण्ड स्केप की खूबसूरती बढ़ाने के भी काम आता है। यह क्यारियों में तथा हरबेसियस बॉर्डर के रूप में आसानी से उगाया जाने वाला पौधा है। इसके साथ सबसे महत्वपूर्ण एवं फायदेमंद बात यह है कि इसकी खेती वर्ष पर्यन्त आसानी से की जा सकती है तथा इसमें कम पानी की आवश्यकता होती है। साथ ही इसके पुष्प लंबे समय तक खिलते हैं और संग्रहण क्षमता भी अच्छी होती है। इन सभी फायदों के चलते इसकी खेती आर्थिक दृष्टि से फायदे का सौदा सिद्ध होगी।

इसके अतिरिक्त यह बेहतर ट्रेप क्रॉप के रूप में भी उगाई जाती है। सूत्रकृमि या निमेटोड्स प्रभावित क्षेत्र में इसकी फसल लेने से सूत्रकृमियों का प्रभाव कम अथवा पूर्णतः समाप्त हो जाता है।

जलवायु वैसे तो गेंदे की खेती वर्ष भर की जा सकती है तथा सभी प्रकार की जलवायु में उगाया जा सकने वाला पौधा है। परंतु शीतोष्ण एवं समशीतोष्ण जलवायु उपयुक्त रहती है। पौधे की अच्छी बढ़वार एवं अधिक पुष्पन के लिये मुख्यतया नम जलवायु की आवश्यकता होती है। इसकी खेती सर्दी/गर्मी वर्षा तीनों मौसम में आसानी से की जा सकती है।

भूमि

सामान्यतया गेंदे की खेती सभी प्रकार की मिट्टी में की जा सकती है। परंतु अधिक उपज के लिए अच्छी जल निकास वाली गहरी दोमट तथा बलुई दोमट मिट्टी जिसका पीएचमान 6.5 से 7.5 के मध्य हो।

खाद एवं उर्वरक

खेत तैयार करते समय 15–20 टन/है. सड़ी हुई गोबर खाद, एफबायएम 200 कि.ग्रा./हे. यूरिया, 1000 कि.ग्रा. एसएसपी 200 किग्रा. एमओपी अच्छी तरह मिलाएं।

पिचिंग (शीर्ष कर्तन)

पौध रोपाई के 35 से 40 दिन पश्चात पौधे की ऊपरी शीर्ष शाखा 3 से 5 सेमी तक की ऊंचाई हो को हाथ से चुटक कर तोड़ दें जिससे पीछे की शाखाओं की संख्या में बढ़ोत्तरी होती है। और अधिक मात्रा में फूल प्राप्त किये जा सकते हैं।

खरपतवार नियंत्रण 3 से 4 बार अच्छी निराई गुड़ाई करके खरपतवारों को खेत से उखाड़े खरपतवारनाशी का भी प्रयोग किया जा सकता है।

बुवाई समय

गेंदे की बुवाई वर्ष में तीन बार की जा सकती है। वर्षा ऋतु में पुष्प प्राप्त करने के लिए मध्य जून में बीजों की बुवाई की जाती है तथा रोपाई मध्य जुलाई तक करते हैं। सर्दी की ऋतु में पुष्प प्राप्त करने के लिये मध्य सितम्बर तक बीजों की बुवाई करने के पश्चात मध्य अक्टूबर तक पौध की रोपाई की जाती है इसी प्रकार ग्रीष्मकालीन फसल प्राप्त करने के लिए जनवरी–फरवरी माह में बीजों की बुवाई की जाती है तथा फरवरी–मार्च माह में पौध रोपण का कार्य किया जाता है।

पौध तैयार करना

गेंदे की पौध तैयार करने के लिए भूमि की सतह से 15 सेमी.ऊंची बीज शैया तैयार करे जिससे आवश्यकता से अधिक जल का निकास संभव हो सके। बीज शैया की चौड़ाई 1 मी. तथा लंबाई आवश्यकतानुसार रखें। बीज बुवाई से पूर्व बीजोपचार आवश्यक रूप से करे जिससे पौध को कम अवस्था में होने वाले रोगों जैसे आर्द्रगलन, जड़ गलन से बचाव किया जा सके। बीजोपचार के लिये 0.2 प्रतिशत केप्टान अथवा बाविस्टीन का उपयोग करें।

पौध रोपण

जब पौधे की लंबाई 15 सेमी. के लगभग के हो जाये तथा उसे 4 पत्तियां निकल आये तब पूर्व में तैयार क्यारियों में स्वस्थ पौध की रोपाई कर दें। रोपाई के पश्चात हल्की सिंचाई अवश्य करें।

तुड़ाई

पूर्ण रूप से खिले पुष्पों की सुबह जल्दी अथवा शाम के समय तुड़ाई करें जिससे पुष्प अधिक समय तक खिले हुए ताजा एवं स्वस्थ रहे।

गेंदे की प्रजातियां

अफ्रीकन गेंदा :

इस किस्म के फूलों को मुख्यतया कट फ्लावर्स के तौर पर काम में लिया जाता है। इसके तने और शाखाओं में सीधी बढ़वार होती है। पौधों की लंबाई अन्य प्रजातियों के मुकाबले अधिक होती है। पुष्पों का रंग मुख्यतया पीला एवं नारंगी होता है तथा पुष्पों का आकार बड़ा एवं आकर्षक होता है।

मुख्य किस्में-

क्यूपिड क्राउन ऑफ गोल्ड/जायन्ट सनसेट/ गोल्डन एज, हैप्पीनेस, हनी कॉम्ब, प्रिमरोज, गोल्डन येलो, रिवरसाइड, जायन्ट डबल अफ्रीकन ऑरेन्ज, जायन्ट डबल अफ्रीकन येलो, पूसा नारंगी गेंदा, पूसा बसन्ती गेंदा, फर्स्ट लेडी, टेक्सास, गोल्डन जुबली, फायर ग्लो, अलास्का, क्रेकर जेक इत्यादि

फ्रेंच गेंदा -

इस किस्म के पौधे झाड़ीनुमा तथा फैलने वाले होते हैं। मुख्यतया पौधे अफ्रीकन प्रजाति की अपेक्षा लंबाई में छोटे होते हैं। पुष्प आकार में अपेक्षाकृत छोटे धारीदार एवं धब्बे युक्त अत्यंत आकर्षक होते हैं। पुष्पों का रंग लाल होता है। जिसमें पीला एवं नारंगी सुनहरा रंग मिश्रित होता है। मुख्य किस्में - बोलेरो, बोनिटा, रस्टी रेड, बटर स्कॉच, पेटाइट गोल्ड, पेटाइट हारमनी, स्पन गोल्ड, येलो पिग्मी, लेमन ड्रॉप, स्पेनिश ब्रोकेड, ओरेन्ज फ्लेम, फॉस्टा, गोल्डी, जिप्सी, स्कॉरलेट सोफिया इत्यादि।

उपज

अफ्रीकन गेंदे से औसतन 20 से 22 टन तथा फ्रेंच गंदे से 10 से 12 टन प्रति हैक्टेयर उपज प्राप्त होती है।

संक्षिप्त समाचार

100 तक पहुंच सकता है ब्रिज सिक्योरिटीज का शेयर, अभी 36 है दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। फाइनेंस सेक्टर की माइक्रो-कैप कंपनी ब्रिज सिक्योरिटीज के शेयर आने वाले दिनों में फोकस में रहेंगे। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 5 प्रतिशत तक चढ़कर 36.51 रुपये पर बंद हुए। बता दें कि हाल ही में कंपनी के बोर्ड मेंबर ने 1:10 के रेशियो के लिए स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान किया है। इसके बाद शुक्रवार को यह शेयर 52-सप्ताह के नए उच्च स्तर 36.51 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ था। कंपनी ने इसके लिए रिकॉर्ड डेट 10 जुलाई को तय किया था।

वित्तीय तिमाही के नतीजे- ब्रिज सिक्योरिटीज फाइनेंशियल्स 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही के दौरान कंपनी की नेट इनकम 0.32 करोड़ रुपये रही। इसका नेट खर्च क्यू4एफवाय24 में 0.02 करोड़ रुपये था, जो क्यू4एफवाय23 में 0.84 करोड़ रुपये था। ब्रिज सिक्योरिटीज ने कहा कि मार्च 2024 तिमाही में उसका 0.31 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2023 की समान तिमाही में यह (-0.51) करोड़ रुपये था, जबकि क्यू4एफवाय24 में शुद्ध लाभ 0.27 करोड़ रुपये था, जबकि क्यू4एफवाय23 में 0.40 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।

सेबी- रजिस्टर्ड एनालिस्ट वीएलए अंबाला के मुताबिक, 2 से 8 महीने की अवधि के भीतर 45 रुपये से 100 रुपये के बीच टारगेट प्राइस तक जा सकता है। 25 रुपये का स्टॉप लॉस रखना चाहिए। इसका मार्केट कैप 11 करोड़ रुपये से कम है। कंपनी स्मॉल-कैप कैटेगरी के आती है। बता दें कि कंपनी के शेयर पिछले पांच दिन में 22 प्रतिशत और महीनेभर में 55 प्रतिशत तक चढ़ गए हैं। छह महीने में यह शेयर 103 प्रतिशत तक चढ़ गया है। इस दौरान इसकी कीमत 17 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गई।

बंधन बैंक ने रतन कुमार केश को अंतरिम एमडी, सीईओ नियुक्त किया

कोलकाता एजेंसी। निजी क्षेत्र के बंधन बैंक ने अपने कार्यकारी निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी रतन कुमार केश को 10 जुलाई से अंतरिम प्रबंध निदेशक (एमडी) और सीईओ के रूप में नियुक्त किया है। बैंक के वर्तमान एमडी और सीईओ तथा संस्थापक चंद्रशेखर घोष नौ जुलाई को सेवानिवृत्त होंगे।

बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को बताया कि केश तीन महीने के लिए या नए पदाधिकारी के कार्यभार संभालने तक, जो भी पहले हो, अंतरिम एमडी और सीईओ होंगे। केश की नियुक्ति बैंक के शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। वह मार्च 2023 से बंधन बैंक के कार्यकारी निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी हैं। इससे पहले वह आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, यस बैंक और एक्सिस बैंक में काम कर चुके हैं।

10 टुकड़ों में बंटने जा रहा है यह शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। इस हफ्ते कई कंपनियां जहां एक्स-डिविडेंड और एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेंगी। तो वहीं कई कंपनियां शेयर बाजारों में एक्स-स्प्लिट के तौर पर भी ट्रेड करने जा रही हैं। हम बात कर रहे हैं डब्ल्यूपीआईएल लिमिटेड की। कंपनी के शेयरों को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। आइए जानते हैं कि किसी दिन स्टॉक एक्स-स्प्लिट के तौर पर ट्रेड करेगा।

अडानी के खिलाफ इंटरनेशनल साजिश! हिंडनबर्ग ने दो महीने पहले क्लाइंट से शेयर की थी रिपोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी समूह के खिलाफ अपनी रिपोर्ट की एक कॉपी इसके पब्लिश होने से लगभग दो महीने पहले अपने क्लाइंट को शेयर की थी। इसे न्यूयॉर्क के हेज फंड मैनेजर मार्क किंग्डन को शेयर किया गया था। इसने ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में उतार-चढ़ाव का फायदा उठाया था। बाजार नियामक सेबी ने यह दावा किया है। सेबी ने हिंडनबर्ग को भेजे अपने 46 पन्ने के कारण बताओ नोटिस में इस बारे में विस्तार से बताया है।

सेबी ने बताया है कि कैसे अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग को अडानी ग्रुप की 10 सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों के मूल्यांकन में गिरावट से फायदा हुआ। रिपोर्ट पब्लिश होने के बाद ग्रुप की कंपनियों में भारी-भरकम 150 अरब डॉलर की गिरावट आई थी। हिंडनबर्ग ने न्यूयॉर्क के हेज फंड और कोटक महिंद्रा बैंक से जुड़े ब्रोकर को पहले ही इस रिपोर्ट की कॉपी शेयर की थी।

सुप्रीम कोर्ट में रेगुलेटर ने क्या कहा था

सेबी ने पिछले साल सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त समिति को बताया था कि वह 13 ऐसी बाहरी 'अस्पष्ट' इकाइयों की जांच कर रहा है जिनकी अडानी समूह के पांच सार्वजनिक रूप से कारोबार वाले शेयरों में 14 फीसदी से 20 फीसदी के बीच हिस्सेदारी थी। सेबी ने न केवल हिंडनबर्ग को, बल्कि केएमआईएल, किंग्डन और हिंडनबर्ग के संस्थापक नाथन एंडरसन को भी नोटिस भेजा है। पूर्व में अडानी समूह के पक्ष में बात करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने 'एक्स' पर पोस्ट में दावा किया है कि किंग्डन का चीन से संपर्क है। किंग्डन का विवाह 'चीनी जासूस' अनला चेंग के साथ हुआ है। जेठमलानी ने आरोप लगाया है कि चीनी जासूस चेंग ने अपने पति मार्क किंग्डन के साथ अडानी पर एक शोध रिपोर्ट तैयार करने के लिए हिंडनबर्ग की सेवाएं लीं। उन्होंने अडानी के शेयरों की शॉर्ट सेलिंग के लिए ट्रेडिंग खाते को कोटक की सेवाएं लीं और इसके जरिये लाखों डॉलर कमाए। इससे अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों के मूल्यांकन में भारी गिरावट आई।

सेबी के नोटिस पर हिंडनबर्ग का जवाब

वहीं, सेबी के इस कारण बताओ नोटिस के जवाब में हिंडनबर्ग ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। इसमें हिंडनबर्ग ने कहा है कि यह 'भारत के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों की ओर से किए गए भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी को उजागर करने वालों को चुप कराने और डराने-धमकाने' का प्रयास है। साथ ही उसने खुलासा किया है कि अडानी की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लि. के खिलाफ दांव लगाने के लिए जिस इकाई का इस्तेमाल किया गया वह कोटक महिंद्रा (इंटरनेशनल) लिमिटेड (केएमआईएल) से संबंधित थी जो कोटक महिंद्रा बैंक की मॉरीशस स्थित सब्सिडियरी है। केएमआईएल के फंड ने अपने क्लाइंट किंग्डन के किंग्डन कैपिटल मैनेजमेंट के लिए अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड पर दांव लगाया। सेबी के नोटिस में अडानी एंटरप्राइजेज (एईएल) में भविष्य के अनुबंध बेचने के लिए हेज फंड के एक कर्मचारी और केएमआईएल के कारोबारियों के बीच 'चैट' के अंश शामिल हैं। कोटक महिंद्रा बैंक ने कहा है कि किंग्डन ने कभी यह खुलासा नहीं किया कि उनका हिंडनबर्ग के साथ कोई संबंध था। न ही वे किसी मूल्य-संवेदनशील जानकारी के आधार पर काम कर रहे थे।

आनंद महिंद्रा ने एक्स पर शेयर की खास तकनीक

नसों को ढूंढने के लिए करती है इंफ्रारेड रेज का इस्तेमाल

नईदिल्ली, एजेंसी। महिंद्रा एंड महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में एक ऐसी टेक्नोलॉजी दिखाई गई है जो खून की नसों को ढूंढने के लिए इंफ्रारेड रेज का इस्तेमाल करती है। इससे बार-बार नस ढूंढने के दर्द से छुटकारा मिल सकता है। वीडियो में दिखाया गया है कि मरीज के हाथ पर दबाव पड़ने पर नसों का दिखना कैसे बदलता है।

पोस्ट पर आईं अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं

महिंद्रा ने कहा, खून निकालते समय बार-बार नस खोजने के दर्द से छुटकारा। ये अक्सर सबसे छोटे, कम आकर्षक आविष्कार होते हैं जो हमारे चिकित्सा अनुभव और हमारे जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार करते हैं...

आनंद महिंद्रा एक्स पर काफी सक्रिय रहते हैं। वह अक्सर दिलचस्प, प्रेरणादायक और मजेदार पोस्ट करते हैं। उनके पोस्ट विभिन्न विषयों पर होते हैं। इनमें व्यवसाय और अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, सामाजिक और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने हाल ही में एक ट्वीट किया था जिसमें उन्होंने पूछा कि कौन भारत के लिए सबसे आवश्यक उत्पाद बना सकता है।

उद्योगपति के ताजा पोस्ट पर इनोवेशन की सराहना करते हुए द जीआईटीएफएफ पीएम नाम के एक एक्स यूजर ने कहा, यह शानदार है और बहुत सारे फोबिया को रोक सकता है। व्यक्तिगत अनुभव से इसकी व्यावहारिकता ने कई आघातों को बचाया होगा।

मिस्र को आसानी से होगा फूड प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट

मिस्र ने भारत में एक हलाल सर्टिफिकेशन सेंटर खोलने का निर्णय लिया है

- **इस समय मिस्र के मीट इंपोर्ट बाजार में भारत की हिस्सेदारी 80 फीसदी तक है**

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत से मिस्र को अब मीट और पॉल्ट्री समेत डेरी और अन्य फूड प्रोडक्ट्स का आसानी से निर्यात हो सकेगा। भारत से निर्यात किए जाने वाले मीट और पॉल्ट्री प्रोडक्ट मिस्र द्वारा निर्धारित हलाल स्टैंडर्ड के अनुरूप हो, इसके लिए एक बड़ा कदम उठा है। मिस्र ने यह सुनिश्चित करने के लिए बीते दिनों भारत में औपचारिक रूप से एक कार्यालय खोलने का फैसला किया। इसकी घोषणा भारत में मिस्र के राजदूत वील मोहम्मद अवाद हमेद ने की। इस अवसर पर एग्रीकल्चर एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी के अधिकारी भी उपस्थित थे।

मिस्र के राजदूत ने बताया कि अब हलाल सर्टिफिकेशन के लिए भारत में एजेंसी की शुरुआत हो चुकी है। यह एजेंसी पूरे भारत में अपनी सेवाएं देगा। फिलहाल यह एजेंसी मीट और पॉल्ट्री प्रोडक्ट्स का सर्टिफिकेशन करेगी। बाद में इसमें डेरी और फार्मा भी जुड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि भारत के मीट निर्यातकों के पास सुनहरा मौका है कि वे मिस्र को निर्यात किए जाने वाले मीट की मात्रा बढ़ा सकते हैं।

भारत है सबसे बड़ा मीट एक्सपोर्टर

मिस्र में इस समय भारत सबसे बड़ा मीट एक्सपोर्टर है। मिस्र के राजदूत ने बताया कि इस समय मिस्र में जितना मीट मंगाया जाता है, उसमें अभी भारतीय मीट की मात्रा 75 से 80 फीसदी के बीच है। हमें उम्मीद है कि आप मीट के कारोबार को 85 फीसदी, 90 फीसदी और 100 फीसदी तक बढ़ाना चाहेंगे। अगर आप इसे 100 फीसदी तक भी पहुंचाना चाहते हैं, तो मिस्र सरकार की तरफ से आपको पूरा सहयोग मिलेगा। उल्लेखनीय है कि मिस्र की 99 फीसदी आबादी मांसाहारी है।

5,000 करोड़ रुपये का होता है निर्यात

भारत ने कैलेंडर ईयर 2023 में मिस्र को 630 मिलियन डॉलर करीब 5,000 करोड़ रुपये का मीट एक्सपोर्ट किया था। इससे पहले साल 2022 में यह करीब 600 मिलियन डॉलर का रहा था। इसमें हर साल बढ़ोतरी ही हो रही है। मिस्र भारत के अलावा ब्राजील, अमेरिका, यूरोप, जर्मनी आदि देशों से भी मीट मंगाता है।

हाल ही में शुरू हुआ है सर्टिफिकेशन

मिस्र की भारत में हलाल सर्टिफिकेशन एजेंसी हलाल मार्केट इंडिया के सीईओ डॉ. गासर अलसईद ने बताया कि साल 2020 से पहले वहां कोई हलाल सर्टिफिकेशन अनिवार्य नहीं था। उस समय विश्वास के आधार पर मीट खरीदा जाता था। लेकिन कुछ गड़बड़ी होने की वजह से इसे साल 2020 में लागू कर दिया गया। उन्होंने बताया कि भारत में हलाल सर्टिफिकेशन के लिए कोई फेसिलिटेशन शुल्क नहीं लिया जाएगा। सिर्फ मिस्र सरकार द्वारा घोषित प्राइस लिस्ट लागू होगी। यदि कोई एक्सपोर्टर 40 फुट वाले किसी कंटेनर, जिसमें 28 टन तक मीट हो, का सर्टिफिकेशन कराना चाहता है तो उसे 2250 डॉलर का शुल्क चुकाना होगा।

इस हफ्ते 4 कंपनियों के आईपीओ पर दांव लगाने का है मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। इस हफ्ते निवेशकों को कई कंपनियों के आईपीओ पर दांव लगाने का मौका मिलेगा। इन कंपनियों में अम्बे लैबोरेटरीज, गणेश ग्रीन आदि है। आइए एक-एक करके इनके विषय में जानते हैं- यह आईपीओ 4 जुलाई को खुल गया था। निवेशकों के पास 8 जुलाई यानी कल तक का मौका इसे सब्सक्राइब करने के लिए रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए 65 रुपये से 68 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। इस आईपीओ का लॉट साइज 2000 शेयरों का बनाया गया है। कंपनी में एंकर निवेशकों ने भी दांव लगाया था। वहां से कंपनी को 12.73 करोड़ रुपये मिले थे।

यह आईपीओ 5 जुलाई को खुला था। इस सप्ताह निवेशकों को 9 जुलाई तक दांव लगाने का मौका रहेगा।

कंपनी ने 181 रुपये से 190 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। लॉट साइज की बात करें तो यह 600 शेयरों का है। ग्रे मार्केट में इस कंपनी की स्थिति शानदार नजर आ रही है। रविवार को जीएमपी 220 रुपये था।

यह आईपीओ भी 5 जुलाई को खुला था। कंपनी के आईपीओ का साइज 51.27 करोड़ रुपये का है। निवेशकों के पास 9 जुलाई तक का मौका दांव लगाने के लिए रहेगा। प्राइस बैंड की बात करें तो यह 78 रुपये से 82 रुपये प्रति शेयर है। बता दें, कंपनी 95 रुपये के प्रीमियम पर ग्रे मार्केट में ट्रेड कर रही है।

निवेशकों के लिए आईपीओ 11 जुलाई से 15 जुलाई तक खुला रहेगा। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 171 रुपये से 180 रुपये प्रति शेयर है। निवेशकों के लिए 800 शेयरों का एक लॉट बनाया गया है। ग्रे मार्केट में रविवार यानी आज आईपीओ 100 रुपये के प्रीमियम पर था।

एक किलो रस में 15 ग्राम चीनी तो वह जूस नहीं स्वीटेड जूस

पैक्ड फूड पर लेबलिंग के नए नियम

डिब्बाबंद खाने-पीने की चीजों में मोटे अक्षरों में बताना होगा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में पैक्ड यानी डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों पर अब बड़े और मोटे अक्षरों में बताना होगा कि उसमें चीनी, नमक या सेचुरेटेड फैट की मात्रा कितनी है। खाने-पीने की चीजों के मानक तय करने वाले एफएसएसएआई ने पैक्ड फूड की उपभोक्ताओं तक सटीक जानकारी पहुंचाने के लिए यह अहम फैसला लिया है। अभी खाने-पीने की इन चीजों पर ऐसी जानकारी छोटे अक्षरों में होती है। कई खाद्य पदार्थों पर तो यह जानकारी आसानी से नजर भी नहीं आती है। इस फैसले के दायरे में बिस्किट, नमकीन, पैक्ड जूस जैसे तमाम खाद्य पदार्थ आएंगे।

फूड रेगुलेटर एफएसएसएआई के अध्यक्ष और स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा की अध्यक्षता में हुई फूड अथॉरिटी की 44वीं बैठक में पैक्ड फूड की लेबलिंग से जुड़े कानून में बदलाव का यह फैसला लिया गया। इस फैसले से लोगों को आसानी से पता चल जाएगा कि किसी चीज में कितनी शुगर यानी चीनी है या उसमें कितना नमक या फैट है। इस पर अब हितधारकों से सुझाव और आपत्तियां मांगी जाएंगी। सरकार का कहना है कि उपभेक्ताओं को इस फैसले से स्वस्थ विकल्प चुनने में मदद मिलेगी। जब उपभोक्ता को पैक्ड फूड के बारे में पूरी जानकारी होगी तो यह सही फैसला ले सकेगा ब्लड प्रेशर, डायबीटीज के मरीजों की बढ़ती संख्या के बीच यह फैसला कई रोगों से निपटने में सहायक होगा।

भ्रामक दावों को रोकने की पहल- पैक्ड फूड में मोटे अक्षरों में सूचना को भ्रामक दावों को रोकने की पहल के रूप में देखा जा रहा है। रेगुलेटर एफएसएसएआई पहले भी समय-समय पर ऐसी सलाह जारी करता रहा है। इनमें हेल्थ ड्रिंक शब्द को हटाने के लिए ई-कॉमर्स वेबसाइट को दी गई सलाह भी है। फूड बिजनेस ऑपरेटर्स को फ्रूट जूस के लेवल और विज्ञापनों से शत- प्रतिशत फलों के रस जैसे दावे को तुरंत प्रभाव से हटाने का निर्देश भी दिया गया है।

बजाज ने पेश की दुनिया की पहली सीएनजी मोटरसाइकिल, एक गेमचेंजर बजाज फ्रीडम!

पुणे , एजेंसी। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर कंपनी बजाज ऑटो ने गर्व से दुनिया की पहली सीएनजी मोटरसाइकिल फ्रीडम के लॉन्च की घोषणा की है! यह ग्राउंडब्रेकिंग इनोवेशन कन्वेंशनल पेट्रोल मोटरसाइकिलों के बदले एक सस्ता और इन्वॉयरनमेंट-फ्रेंडली ऑप्शन प्रदान करके टू-व्हीलर इंडस्ट्री में क्रांति ला देगा।

फ़्यूल कंज़म्पशन में बेजोड़ बचत के साथ बेहतर जीवन जीने की फ्रीडम- बजाज फ्रीडम सीएनजी मोटरसाइकिल समान पेट्रोल मोटरसाइकिलों की तुलना में फ़्यूल कंज़म्पशन को काफी कम करके खर्चे में 950 प्रतिशत की कमी करती है। सीएनजी टैंक केवल 2 किलो सीएनजी फ़्यूल पर 200 + किमी की रेंज़ प्रदान करता है। इसके अलावा, इसमें 2-लीटर का पेट्रोल टैंक है जिससे सीएनजी टैंक के खाली हो जाने पर भी बिना किसी रुकावट के 130 किमी से अधिक की रेंज़ की दूरी आराम से तय की जा सकती है।

कंफ़र्ट, सेफ़्टी और आरामदायक फ़ीचर्स- कारों की तुलना में मोटरसाइकिल का आकार कॉम्पैक्ट होने के कारण सीएनजी मोटरसाइकिल बनाना एक चुनौती है। बजाज फ्रीडम सीएनजी मोटरसाइकिल में एक इंटीग्रेटेड सीएनजी टैंक और

किट है, जिसे एक ट्रेलिस फ्रेम में सुरक्षित रूप से फिट किया गया है। कठोर टेस्टिंग से इसकी सुरक्षा पक्की की गई। हॉरिजोंटली इनक्लाइन्ड इंजन और लिंक-मोनो शॉक सिस्टम से जगह ऑप्टिमाइज होती है और स्थिर राइड मिलती है। इस डिजाइन में 825द्वद्ब की सैडल हाइट है और ईजी ग्राउंड कॉन्टैक्ट के लिए मिडिल सेक्शन स्लिम है। सीएनजी टैंक होने के बावजूद स्मार्ट वेट-सेविंग उपायों से पेट्रोल मोटरसाइकिल जैसी ही सेंटर ऑफ ग्रैविटी (गुरुत्वाकर्षण केंद्र) बनाए रखा गया है, जिससे न्यूट्रल हैंडलिंग और राइडर कॉन्फिडेंस सुनिश्चित होता है। मोनो-लिंक्ड टाइप सस्पेंशन से बेहतर व्हील ट्रैवल और कम्फर्ट मिलता है, जिससे यह मोटरसाइकिल विभिन्न राइडिंग कंडीशंस के लिए उपयुक्त होती है। बजाज ऑटो भरोसेमंद और समय की कसौटी पर खरे उतरे प्रोडक्ट लीगेसी के साथ इनोवेशन में अग्रणी रहा है, जो आगे चलकर कैटेगरी डिफ़ाइनर बन गए हैं। 25 साल पहले भारत की पहली स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल, पल्सर को पेश करने से लेकर, लगभग उसी समय देश का पहला सीएनजी 3-व्हीलर बजाज आरई, चेतक से ले कर देश में सबसे पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करने वालों में से एक है। बजाज पल्सर का एक्सपोर्ट अब 50 से अधिक देशों में हो रहा है और यह 20 से अधिक देशों में यह मार्केट लीडर है। अपने 75 साल के इतिहास में, बजाज मोटरसाइकिल टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड फ़ीचर्स को सभी के लिए मुहैया कराता रहा है, और यही कमिटमेंट फ्रीडम के लॉन्च के साथ भी बनी हुई है। इस अवसर पर बजाज ऑटो लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक राकेश शर्मा ने कहा, बजाज फ्रीडम 125 बजाज ऑटो लिमिटेड ऋष्ठ और मैनुफ़ैक्चरिंग ताकत का सिबंल है। इनोवेशन द्वारा बजाज ऑटो लिमिटेड ने फ़्यूल के बढ़ते खर्च को कम करने और ट्रैवल के कारण होने वाले प्रदूषण कम करने की दोहरी चुनौती को सुलझाया है।

गो ग्रीन की फ़रीडम

सीएनजी कंबस्चन पेट्रोल की तुलना में लगभग 26.7 प्रतिशत कम ष्ठह्व2 छोड़ता है, और इस तरह क्लाइमेट चेंज़ को कम करने में योगदान देता है। इसके अलावा सीएनजी वाहन 85 प्रतिशत कम गैर-मीथेन हाइड्रोकार्बन और 43 प्रतिशत कम नाइट्रोजन ऑक्साइड का उत्सर्जन करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जहरीले कोबरा को शैंपू लगाया, यूं रगड़ रगड़कर नहलाया

लंदन , एजेंसी। सांपों का नाम सुनते ही लोगों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। यह ऐसे जीव हैं, जिसका इंसानों में खौफ बेहद ज्यादा है। वहीं किंग कोबरा का तो नाम सुनते ही लोग कांप जाते हैं। किंग कोबरा काट ले तो आधे घंटे से कम वक्त में इंसान मर सकता है, लेकिन एक शख्स किंग कोबरा को शैंपू से नहलाने का काम कर रहा है। जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। ट्विटर अकाउंट पर अक्सर जानवरों से जुड़े वीडियोज पोस्ट किए जाते हैं। हाल ही में एक हैरान करने वाला वीडियो शेयर किया गया है जिसमें एक शख्स किंग कोबरा को नहलाता नजर आ रहा है। सांपों को नहलाया इस वजह से जाता है क्योंकि उनके अंदर दुर्गंध आने लगती है। इसके अलावा कई बार उन्हें गर्मी के दिनों में नहला दिया जाता है, जिससे उनका तापमान सामान्य रहे। वो अक्सर गंदी जमीनों पर रेंगते हैं तो उनके शरीर पर गंदगी जम जाती है। वीडियो में शख्स के सामने एक काफी बड़ा और मोटा किंग कोबरा सांप मौजूद है। उसने अपना फन उठाया हुआ है। शख्स उसके पास ही बैठा है। सबसे पहले वो शैंपू को हाथ में लेकर उसके ऊपर लगाता है। ऊपर से नीचे तक वो शैंपू लगा देता है। सांप उसे कुछ नहीं कर रहा है, शायद वो उसका पालतू होगा। फिर वो पानी से नहलाने लगता है। ये देखकर लोग काफी हैरान लग रहे हैं। वीडियो को 12 लाख व्यूज मिले हैं।

भारत ने श्रीलंका के स्कूलों को दान किए 30 करोड़ रुपए के डिजिटल उपकरण, राष्ट्रपति बोले- थैंक्यू मोदी जी

कोलंबो , एजेंसी। भारत ने शनिवार को श्रीलंका के दक्षिणी प्रांत के 200 स्कूलों के उपयोग के लिए 30 करोड़ रुपए मूल्य के 2,000 टैब सहित डिजिटल उपकरण दान किए और इसे भावी पीढ़ी के लिए एक परियोजना बताया। दक्षिणी जिले गाले में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने भाग लिया और शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। समारोह में दक्षिणी प्रांत के 200 स्कूलों के लिए 2,000 टैब प्रदान किए गए। राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग (पीएमडी) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, स्वास्थ्य और उद्योग मंत्री डॉ. रमेश पथिराना के अनुरोध के बाद भारत सरकार ने इस परियोजना के लिए दक्षिणी प्रांतीय परिषद को 30 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। चयनित 200 स्कूलों में से 150 गाले जिले में हैं, जबकि शेष 50 हंबनटोटा और मटारा जिलों में हैं। बयान में कहा गया कि इसके अलावा 2,000 टैब वितरित किए गए, जिनमें से 200 कक्षाओं में से प्रत्येक को 10 टैब मिले। राष्ट्रपति ने कहा कि हम आधुनिक प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने में पड़ोसी देश भारत द्वारा दिए गए सहयोग की गहराई से सराहना करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान का कैम्पस स्थापित करने में रुचि व्यक्त की है, जिसकी अत्यधिक सराहना की जाती है। इसके अलावा, भारत के साथ ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए बातचीत सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है।

सिडनी के एक घर में आग लगने से तीन बच्चों की मौत, पुलिस को हत्या की आशंका

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में एक बड़ा हादसा हो गया। देर रात सिडनी के एक घर में आग लगने से 10 महीने के बच्चे सहित तीन बच्चों की मौत हो गई। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने इसकी जानकारी दी है, हालांकि ऑस्ट्रेलियाई पुलिस इस घटना को हत्या मान रही है। पुलिस ने इस घटना के बारे में आगे जानकारी देते हुए कहा, सिडनी के सिटी सेंटर से लगभग 35 किमी (20 मील) पश्चिम में लालोर पार्क पर देर रात 1 बजे आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया। पुलिस ने ये भी बताया कि दो और चार साल की उम्र के दो लड़कों का घटनास्थल पर ही इलाज किया गया, लेकिन अस्पताल ले जाने के तुरंत बाद उनकी मौत हो गई, जबकि आग बुझने के बाद 10 महीने की एक लड़की भी मृत पाई गई। बता दें कि अस्पताल में छह से 11 साल की उम्र के चार अन्य बच्चों की हालत स्थिर है, साथ ही बच्चों की मां 29 वर्षीय महिला का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। होमिसाइड स्क्वाड के कमांडर डिटेक्टिव सुपरिटेंडेंट डैनी डोहर्टी ने इस घटना को लेकर कहा कि होमिसाइड स्क्वाड के जासूसों ने जांच का कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया है और इसे घरेलू-संबंधित मानवहत्या मान रहे हैं। बताया जा रहा है इस घटना के लिए 28 साल का युवक जिम्मेदार है, कहा जा रहा है सिडनी में आग लगने के पीछे इसी का हाथ है। 28 साल का ये शख्स युवा जिंदगियों की कई मौतों के लिए जिम्मेदार है।

रूस को पीएम मोदी की मॉस्को यात्रा को लेकर काफी उम्मीदें, क्रेमलिन प्रवक्ता ने कही ये बात

मॉस्को , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूस दौरे को लेकर क्रेमलिन आशान्वित है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने शनिवार को कहा कि रूस को नरेन्द्र मोदी की मॉस्को यात्रा को लेकर उम्मीदें हैं, जो रूस-भारत संबंधों के लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर आठ से नौ जुलाई तक मॉस्को में रहेंगे। रूस के सरकारी टेलीविजन चैनल वीजीटीआरके को दिए साक्षात्कार में पेसकोव ने कहा कि मॉस्को में प्रधानमंत्री मोदी का व्यापक कार्यक्रम होगा। रूस-भारत में रणनीतिक साझेदारी हैं। हमें उम्मीद है कि दोनों राष्ट्राध्यक्ष अनौपचारिक तरीके से भी बातचीत कर सकेंगे। पेस्कोव ने कहा कि क्रेमलिन में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता भी होगी। यह लगभग पांच वर्षों में मोदी की पहली रूस यात्रा होगी। रूस की उनकी पिछली यात्रा 2019 में हुई थी।

किएर स्टार्मर के मंत्रिमंडल में भारतीय और पाक मूल की महिला सांसद

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन के आम चुनाव में लेबर पार्टी में धमाकेदार जीत हुई है। इस एकतरफा जीत में लेबर पार्टी को हाउस ऑफ कॉमंस की कुल 650 सीटों में से 412 सीटें मिली हैं। वहीं, कंजर्वेटिव पार्टी को मात्र 121 सीटें मिली। चुनाव में पूर्व पीएम ऋषि सुनक की भी हार हुई। वहीं, अब लेबर पार्टी के नेता किएर स्टार्मर ब्रिटेन के नए पीएम बन गए हैं। किएर ने कैबिनेट का भी गठन कर लिया है, जिसमें दो नाम सबसे ज्यादा चर्चा में हैं।

चौंकाने वाली बात ये है कि 19 भारतीय मूल के सांसद होने के बावजूद केवल एक भारतीय मूल की सांसद लिसा नंदी ही नए ब्रिटिश प्रधानमंत्री के मंत्रिमंडल में जगह बना पाई हैं। किएर की कैबिनेट बोरिस जॉनसन के मंत्रिमंडल से बिल्कुल अलग है, जो ब्रिटिश इतिहास में सबसे विविध थी। दूसरी ओर पीओके मूल की ब्रिटिश सांसद शबाना महमूद को किएर ने न्याय सचिव बनाया है। शबाना कश्मीर को लेकर भारत सरकार की कड़ी आलोचना करती रही हैं।

कौन है लिसा नंदी : मैनचेस्टर में जन्मी भारतीय मूल की 44 वर्षिय लिसा नंदी स्टारमर की कैबिनेट में संस्कृति, मीडिया और खेल मंत्री बनी हैं। इससे पहले वो शैडो कैबिनेट में शैडो विदेश मंत्री सहित कई भूमिकाएं निभा चुकी हैं। लिसा के पिता

दीपक नंदी, कोलकाता में जन्मे शिक्षाविद हैं। ब्रिटेन के निवासी दीपक नंदी ने लेबर पार्टी की 1976 में नस्ल संबंध विधेयक का मसौदा तैयार करने में मदद की थी। उनकी मां एन लुइस बायर्स हैं, जो खुद लेबर पार्टी की बड़ी नेता रह चुकी हैं।

भारत के खिलाफ बयान दे चुकी महमूद : पाकिस्तान मूल की ब्रिटिश सांसद शबाना महमूद को ब्रिटिश पीएम किएर ने न्याय सचिव बनाया है। शबाना महमूद विपक्ष में शैडो न्याय सचिव भी थीं। शबाना ने 2019 में पूर्व पीएम बॉरिस जॉनसन को लिखे एक पत्र पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें उन्हें भारतीय सरकार के कार्यों की कड़ी निंदा करने और कथित रूप से कश्मीर के खिलाफ अनुच्छेद 370 को अवैध और असंवैधानिक रूप से हटाने का आह्वान किया था।

बर्मिंघम में पैदा हुई हैं शबाना : शबाना महमूद का जन्म बर्मिंघम में हुआ है और उनके माता-पिता पीओके के मीरपुर के बाब-ए-यम गांव में पैदा हुए थे। शबाना कई बार हाउस ऑफ कॉमन्स में कश्मीर का राग अलाप चुकी है। भारतवंशी इकबाल ने ब्रिटेन में जीता निर्दलीय चुनाव, आगरा में जन्मे आलोक अब हाउस ऑफ लार्ड्स में जमाएंगे धाक। ब्रिटेन में हुए चुनाव में गुजरात के भरूच के मूल निवासी इकबाल मोहम्मद अहमदाबादी ने निर्दलीय चुनाव जीता। वह वेस्ट यार्कशायर के ड्यूजबरी और बैटले निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव मैदान में थे। इकबाल मूल रूप से भरुच के टंकारिया गांव के रहने वाले हैं। उल्लेखनीय है कि 1907 के बाद पहली बार यार्कशायर में एक स्वतंत्र उम्मीदवार ने चुनाव जीता है। ड्यूजबरी और बैटले निर्वाचन क्षेत्र में इकबाल मोहम्मद की जीत शानदार रही। उन्हें वेस्ट यार्कशायर सीट पर 41 प्रतिशत वोट मिले। भारतीय मूल के कंजर्वेटिव पार्टी के पूर्व सांसद आलोक शर्मा अब हाउस ऑफ लॉर्ड्स में बैठेंगे। ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स ने उन्हें उच्च सदन के लिए मनोनीत किया है। शर्मा ने हाल में संपन्न हुए चुनाव में इस बार एमपी का चुनाव न लड़ने का फैसला किया था। आगरा में जन्मे 56 वर्षीय शर्मा, दो साल पहले जलवायु शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपाय तैयार करने में योगदान दे चुके हैं। इसके लिए पिछले साल किंग चार्ल्स ने नववर्ष की सम्मान सूची में उन्हें सर आलोक के रूप में नाइट की उपाधि से नवाजा था। उन्हें अब लॉर्ड आलोक शर्मा के नाम से भी जाना जाता है। शर्मा, निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक द्वारा पारंपरिक डिसोल्यूशन पीयरेज के लिए किए गए सात नामांकित लोगों में से एक थे। अन्य लोगों में पूर्व प्रधानमंत्री थेरेसा मे भी शामिल हैं।

सुनक सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना को कीर स्टार्मर ने बंद करने का एलान किया

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने शनिवार को बतौर पीएम अपना कार्यभार संभाल लिया। अपने कार्यकाल के पहले ही दिन उन्होंने पूर्ववर्ती ऋषि सुनक सरकार की महत्वकांक्षी योजना रवांडा बिल को बंद करने का एलान कर दिया। उन्होंने कहा कि यह योजना शुरू होने से पहले ही खत्म हो गई है और इसे दफन कर दिया गया है। कीर स्टार्मर ने अपने दिन की शुरुआत कैबिनेट की बैठक के साथ की और अपनी सरकार की वित्त मंत्री रेसेल रीव्स और नए विदेश मंत्री डेविड लैमी के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे पास करने के लिए बहुत काम है, इसलिए अब हमें काम पर जुट जाना चाहिए। बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कीर स्टार्मर ने रवांडा बिल योजना को बंद करने का एलान किया। उन्होंने कहा रवांडा योजना शुरू होने से पहले ही खत्म होकर दफन हो गई है। मैं इस नौटंकी को जारी रखने के पक्ष में नहीं हूं।

क्या थी रवांडा योजना ब्रिटेन में अवैध अप्रवासियों का आगमन एक बड़ी समस्या है और आम चुनाव के दौरान भी यह एक प्रमुख मुद्दा रहा। इस समस्या से निपटने के लिए सुनक सरकार ने रवांडा योजना पेश की थी। बता दें कि साल 2022 में तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने ब्रिटेन और रवांडा के बीच पांच वर्षीय समझौता किया था। इस समझौते का मकसद असुरक्षित और अनधिकृत रास्तों से ब्रिटेन में हो रहे अवैध अप्रवासन को रोकना था। खासकर उस अप्रवासन को रोकना जो छोटी नावों के ज़रिए इंग्लिश चैनल (समुद्री मार्ग) के रास्ते से होता है। गैरकानूनी तरीके से ब्रिटेन में घुसने के लिए अत्यधिक ज़ोखिम वाले रास्तों का सहारा लिया जाता है तो इससे कई बार मौतें भी होती हैं और इस क्षेत्र में मानव तस्करी को भी बढ़ावा मिलता है। यही वजह है कि रवांडा प्लान के तहत ब्रिटेन में गैरकानूनी तरीके से आ चुके लोगों को प्रवासन की प्रक्रिया के तहत शरण देने और कुछ को रंवाडा भेजने की योजना थी। रवांडा ने शुरुआती पांच साल तक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर हर साल 1,000 शरणार्थियों को लेने पर सहमति दी थी। हालांकि मानवाधिकार समूहों और वकीलों ने इस योजना का विरोध किया और इसे अदालत में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने नॉन रिफॉलमेंट सिद्धांत के उल्लंघन पर चिंता जताई।

जंग के बीच हमास का रुख नरम, बिना शर्त स्थायी युद्ध विराम के लिए बातचीत को तैयार

यरुशलम, एजेंसी। हमास और इस्त्राइल बीते नौ महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्त्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर देशभर में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस बीच, हमास का रुख कुछ नरम होता दिख रहा है। वह किसी भी समझौते पर पहुंचने से पहले इस्त्राइल पर लगातार स्थायी युद्धविराम के लिए दबाव डालने की अपनी जिद पर पुनर्विचार करने के लिए तैयार है। गाजा में युद्ध विराम तक पहुंचने के लिए चल रहे प्रयासों में यह बयान एक महत्वपूर्ण पल है। हमास लगातार कई मांगे रखता आ रहा है। हालांकि अब वह बिना किसी शर्त के एक अस्थायी युद्ध विराम पर बातचीत शुरू करने के लिए तैयार है। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि संशोधित दृष्टिकोण से समझौते के प्रारंभिक चरण के दौरान स्थायी युद्धविराम पर बातचीत जारी रखने की अनुमति मिल जाएगी, जिसके छह सप्ताह तक चलने की उम्मीद है। महत्वपूर्ण बात यह है कि मध्यस्थ अस्थायी युद्धविराम के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेंगे, गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने में सुविधा प्रदान करेंगे, तथा वार्ता जारी रहने तक इस्त्राइली सैनिकों की वापसी की निगरानी करेंगे।

36 की उम्र तक महिला ने पैदा किए 44 बच्चे, बताया किस लिए उठाया ये कदम

लंदन , एजेंसी। वर्तमान में महंगाई के जमाने जहां महिलाएं एक या दो बच्चों से ज्यादा बच्चे नहीं पैदा करना चाहता है। लेकिन दुनिया में एक महिला ऐसी भी है जिसने महज 36 साल की उम्र में 44 बच्चों को पैदा किया। युगांडा की एक महिला है जो 44 बच्चों को जन्म देने के लिए जानी जाती है का नाम मरियम नबातनज़ी बबिरिए है। उसका जन्म साल 1980 में हुआ था। बबिरिये के अनुसार, उसकी मां ने उसके जन्म के तीन दिन बाद ही उसके परिवार और उसके पांच भाइयों को छोड़ दिया था। जब वह 7 साल की थी तब उसकी सौतेली मां ने उसके बड़े भाई-बहनों के भोजन में कटा हुआ गिलास मिला दिया जिससे वे सभी मर गए।

उस वक्त बबिरिए किसी रिश्तेदार से मिलने गई हुई थी इसलिए वह बच गई। महिला जब 12 साल की थी तब 40 साल के एक शख्स के साथ उसकी जबरन शादी करा दी गई। जिस शख्स से मरियम की शादी हुई थी उसने कई और शादियां भी की थी। मरियम उसकी पांचवी पत्नी है। 13 साल की उम्र में महिला ने बच्चों को पैदा करना शुरू किया। 36 साल की उम्र तक महिला ने कुल 44 बच्चों को जन्म दिया। फिलहाल महिला की उम्र 44 साल है और उसके 38 बच्चे अभी भी जिंदा है। जिनमें से 10 लड़कियां हैं और 28 लड़के हैं। महिला के सबसे बड़ी संतान की उम्र 31 साल है और सबसे छोटे की उम्र 6 साल है। मरियम ने अपनी छठी डिलीवरी के बाद, और बच्चे न हो इसके लिए एक डॉक्टर से संपर्क किया। लेकिन डॉक्टर ने उसे बताया कि अगर वह बच्चे पैदा करना बंद करने की कोशिश करेगी तो वह जल्द ही मर जाएगी इसलिए डॉक्टर ने उसे तब तक बच्चे पैदा करने की सलाह दी जब तक उसके अंडाशयों की संख्या कम न हो जाए। उस वक्त मरियम की उम्र 23 साल

थी और उसने तब तक 25 बच्चों को पैदा किया था। 2015 में, बबेरिय के पति ने 42 बच्चों का भरण-पोषण करने में असमर्थ होने के कारण परिवार को छोड़ दिया। लेकिन उससे पहले ही बबेरिये अपने जुड़वा बच्चों के साथ गर्भवती हो गई थी। बाद में अपने बच्चों को पालने के लिए उसने अपना घर बेच दिया। उनकी और उनके बच्चों की देखभाल उनकी दादी ने की थी, लेकिन जब उनकी दादी का निधन हो गया, तो उनके रिश्तेदारों ने उन्हें अपने बच्चों को रखने के लिए घर में रहने की अनुमति दे दी थी। मरियम ने सिर्फ 1 बच्चे को छोड़ अपने ज्यादातर बच्चों को घर पर ही जन्म दिया। मरियम ने 6 बार जुड़वां बच्चों को, 4 बार तिड़वां बच्चों को और 3 बार एक साथ 4-4 बच्चों को जन्म दिया। साल 2015 में महिला के पति ने उसे यह कहते हुए छोड़ दिया कि वह इतने बच्चों का पालन पोषण नहीं कर सकता। डॉक्टरों के मुताबिक, मरियम नबातनज़ी बबिरिये के अंडाशयों की संख्या समान्य महिलाओं के मुकाबले अधिक है। जिससे एक साथ उनके कई बच्चे होते हैं।

जेल से बड़ी साजिश रच रहे इमरान खान, पीएम के सलाहकार राणा सनाउल्लाह का दावा- अधिकारियों के पास इसके सबूत

रावलपिंडी, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के राजनीतिक मामलों के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने इमरान खान पर बड़ा आरोप लगाया है। राणा ने पूर्व पीएम इमरान पर जेल से पाकिस्तान में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया।

अराजकता फैलाने का आरोप : राणा ने दावा किया कि जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान राजनीतिक अराजकता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। सनाउल्लाह ने कहा कि इमरान खान को जेल परिसर के अंदर राजनीतिक बैठकें करने से अदालत ने प्रतिबंधित कर दिया है। सनाउल्लाह ने कहा कि पीटीआई संस्थापक जेल में रहते हुए अराजकता फैलाने की योजना बना रहे थे। उन्होंने जेल अधिकारियों के पास इसके सबूतों होने का भी इशारा किया।

ऑडियो-वीडियो सबूत होने का दावा : इमरान खान की कथित गतिविधियों के सबूत के बारे में पूछे जाने पर सनाउल्लाह ने कहा कि हमारे पास खुद ऑडियो या वीडियो सबूत नहीं हैं, लेकिन जेल के अंदर सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों के पास ये सबूत हैं।

इमरान ने नेताओं को नहीं मिलने दिया : सनाउल्लाह की टिप्पणी पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं की शिकायतों के बाद आई है, जिन्होंने दावा किया कि कई घंटों तक इंतजार करने के बावजूद उन्हें अदियाला जेल में इमरान खान से मिलने नहीं दिया गया। प्रधानमंत्री के सलाहकार ने मुहर्रम के पवित्र महीने के दौरान इस्लामाबाद में रैली करने के पीटीआई के फैसले की भी आलोचना की, उन्होंने सुझाव दिया कि इसका उद्देश्य राजनीतिक उथल-पुथल पैदा करना था। सनाउल्लाह ने कहा कि इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद 9 मई 2023 को हुए दंगों के दौरान विदेशी तत्वों ने पाकिस्तान को अस्थिर करने के इरादे से पीटीआई का समर्थन किया। उन्होंने कहा दुश्मन देश पीटीआई के माध्यम से पाकिस्तान में अराजकता फैलाने का लक्ष्य रखे हुए है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर रैली होने दी गई तो देश में अराजकता फैलने का खतरा होगा।

ईरान और पाकिस्तान ने फिर वापस भेजे 12 हजार अफगानी शरणार्थी; मानवीय संकट गहराया

काबुल , एजेंसी। पिछले चार दिनों में ईरान और पाकिस्तान ने लगभग 12,000 अफगान प्रवासियों को निर्वासित कर दिया है। तालिबान के शरणार्थी मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि 11,997 अफगान प्रवासियों को पाकिस्तान और ईरान की सरकारों ने अपने देश से निष्कासित कर दिया है। सभी शरणार्थी अफगानिस्तान लौट आए हैं। ईरान और पाकिस्तान से निष्कासित किए गए लोग 3 से 6 जुलाई के बीच तोरघुंडी, स्पिन बोल्डक, इस्लाम कला-हेरात और अब्रेशिम-निमरुज बॉर्डर से अफगानिस्तान में प्रवेश कर गए।

खामा प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया के बावजूद मानवीय संकट के बीच ईरान और पाकिस्तान से अफगान प्रवासियों को निर्वासित करने का सिलसिला जारी है। इससे पहले ईरान और पाकिस्तान से 13,447 अफगान प्रवासियों को निष्कासित कर दिया गया था। अफगानिस्तान में मानवीय संकट गहराया बता दें कि ईरान और पाकिस्तान से अफगान शरणार्थियों को जबरन वापस भेजे जाने से अफगानिस्तान में मानवीय संकट गहरा गया है। दरअसल, जो प्रवासी निर्वासित किए गए हैं उनमें से कईयों को अफगानिस्तान लौटने के बाद अनिश्चित भविष्य का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि अफगानिस्तान इस समय आर्थिक अस्थिरता और जरूरी बुनियादी सेवाओं की कमी का सामना कर रहा है। मानवीय संगठनों के सामने मदद करने में मुश्किल आ रही उधर अफगानिस्तान वापस लौटने वालों शरणार्थियों की अचानक बढ़ोतरी से मानवीय संगठनों को सभी को एक साथ मदद करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, दुनिया भर के मानवाधिकार समूहों और संगठनों ने बड़े पैमाने पर निर्वासन की निंदा की है और अफगान निर्वासितों की सुरक्षा के बारे में चिंता जताई है।

हमास ने गाजा में स्थायी युद्धविराम की शर्त छोड़ी, इजरायली बंधकों को रिहा करने को तैयार

काहिरा। , एजेंसी। हमास ने गाजा में स्थायी युद्धविराम की अपनी मांग छोड़ दी है और वह अस्थायी युद्धविराम के बीच इजरायली बंधकों को रिहा करने को तैयार है। हमास के अधिकारियों ने कहा है कि अमेरिका के शांति प्रस्ताव को स्वीकार करने पर संगठन सहमत है। इस बीच इजरायल के ताजा हमलों में 29 फलस्तीनियों के मारे जाने की सूचना है। इनमें पांच स्थानीय पत्रकार भी शामिल हैं। इन्हें मिलाकर गाजा युद्ध में मरने वाले पत्रकारों की संख्या 158 हो गई है।

अब गेंद इजरायल के पाले में : सूत्रों के अनुसार हमास ने छह हफ्ते के अस्थायी युद्धविराम की अमेरिकी प्रस्ताव की शर्त को मान लिया है और इसी दौरान इजरायली बंधकों और फलस्तीनी कैदियों की रिहाई के संबंध में वार्ता होगी। एक फलस्तीनी अधिकारी ने कहा है कि अब गेंद इजरायल के पाले में है। उसे नौ महीने से चले आ रहे गाजा युद्ध को रोकने के बारे में फैसला लेना है, हमास इजरायली बंधकों की रिहाई के लिए तैयार है।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अभी इस पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है। इससे पहले वह गाजा में हमास को खत्म करने के बाद ही सैन्य कार्रवाई रोकने की बात कहते रहे हैं। इधर, अमेरिका में बाइडन प्रशासन की कोशिश है कि गाजा में जल्द से जल्द युद्ध रुक जाए और इजरायली बंधकों की रिहाई हो जाए जिससे नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी की स्थिति मजबूत हो सके। गाजा में इजरायली सेना के हमले जारी हैं। मिस्त्र सीमा पर बसे शहर रफाह में भीषण लड़ाई चल रही है। शनिवार को इन हमलों में 29 लोग

मारे गए और 100 लोग घायल हुए। इन्हें मिलाकर बीते नौ महीनों में इजरायली हमलों में कुल 38,098 फलस्तीनी मारे गए हैं।

गाजा स्कूल पर इजरायली हमले में 16 लोग मारे गए : शनिवार को मध्य गाजा में विस्थापित फिलिस्तीनी परिवारों को आश्रय देने वाले एक स्कूल पर इजरायली हमले में कम से कम 16 लोग मारे गए। इसकी जानकारी फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। वहीं, इस हमले को लेकर इजरायल ने कहा कि उसने हमले में आतंकवादियों को निशाना बनाया था। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि अल-नुसीरात में स्कूल पर हुए हमले में कम से कम 16 लोग मारे गए और 50 से अधिक घायल हो गए।

कई घायलों की हालत गंभीर : इज़रायली सेना ने कहा कि उसने नागरिकों के लिए जोखिम को कम करने के लिए सावधानी बरतने के बाद, आसपास के क्षेत्र में सक्रिय बंदूकधारियों को निशाना बनाया। गाजा सिविल इमरजेंसी सर्विस के प्रवक्ता महमूद बसल ने एक बयान में कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि कई घायलों की हालत गंभीर है। उन्होंने कहा, इलाके में कोई भी जगह उन परिवारों के लिए सुरक्षित नहीं है जो आश्रय की तलाश में अपने घर छोड़ देते हैं।

कपिल देव और एमएस धोनी की विरासत रोहित शर्मा ने आगे बढ़ाई: गावस्कर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने टी20 विश्व कप 2024 जीतने के लिए रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि सलामी बल्लेबाज रोहित भी एमएस धोनी और कपिल देव की तरह ही लोगों के कप्तान हैं। रोहित टी20 विश्व कप 2007 और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारत की टीम के सदस्य थे। कप्तान के तौर पर वो वनडे विश्व कप 2023 और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में उपविजेता रहे। लेकिन रोहित को आखिरकार किस्मत का साथ तब मिला जब भारत ने पिछले महीने केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर टी20 विश्व कप जीता। टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद रोहित ने टी20 विश्व कप 2024 जीत को अपने खेल करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया, जिसे भारत ने प्रतियोगिता में अजेय टीम के रूप में जीता। गावस्कर ने रविवार को मिड-डे के लिए अपने कॉलम में लिखा, रोहित शर्मा उन दो अन्य क्रिकेट दिग्गजों, कपिल देव और धोनी के साथ शामिल हो गए हैं, जिन्होंने भारत को विश्व कप ट्रॉफी दिलाई है। इन दोनों की तरह, रोहित भी लोगों के कप्तान हैं। न केवल उनकी टीम के सदस्यों द्वारा, बल्कि पूरे भारतीय क्रिकेट समुदाय में उन्हें खूब पसंद किया जाता है। क्रिकेट प्रशंसकों को उनकी नेतृत्व शैली भी पसंद है और रणनीति के मामले में, वे खेल में सबसे तेज हैं। उनके कुछ कदम आपको आश्चर्यचकित कर सकते हैं, लेकिन अंतिम परिणाम अक्सर वही होता है जिसकी टीम को उस समय जरूरत होती है। गावस्कर ने रोहित और राहुल द्रविड़ की कप्तान-कोच जोड़ी की भी सराहना की, जिन्होंने भारत को ट्रॉफी जीतने में अहम भूमिका निभाई। राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में सहयोगी स्टाफ ने भी जीत में अहम भूमिका निभाई। टूर्नामेंट में, रोहित ने 156.70 की स्ट्राइक रेट से 257 रन बनाए और भारत को बल्ले से तेज शुरुआत देने की जिम्मेदारी ली, जिसमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ उनके अर्धशतक महत्वपूर्ण थे।

विम्बलडनः

विम्बलडन का आनंद लेने पहुंचे क्रिकेट के भगवान, दर्शकों ने दिया स्टैंडिग ओवेशन, बजी तालियां

नई दिल्ली, एजेंसी। सचिन के अलावा इंग्लैंड के टेस्ट और सीमित ओवरों के कप्तान बेन स्टोक्स और जोस बटलर के साथ पूर्व कप्तान जो रूट भी विम्बलडन के मुकाबलों का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचे। क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर शनिवार को विम्बलडन सेंटर कोर्ट पहुंचे। इस दौरान दर्शकों ने भारतीय दिग्गज को स्टैंडिंग ओवेशन दिया और तालियां बजाईं। वहीं, पूर्व बल्लेबाज ने हाथ हिलाकर प्रशंसकों को धन्यवाद कहा। सचिन के अलावा इंग्लैंड के टेस्ट और सीमित ओवरों के कप्तान बेन स्टोक्स और जोस बटलर के साथ पूर्व कप्तान जो रूट भी विम्बलडन के मुकाबलों का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचे। अब विम्बलडन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक खास वीडियो साझा करते हुए सचिन का स्वागत किया। विम्बलडन ने एक्स पर डाले वीडियो के साथ लिखा, सेंटर कोर्ट पर फिर आपका स्वागत है सचिन। वीडियो में देखा जा सकता है सचिन 2011 में भारत के टी20 विश्व कप जीतने का जश्न मनाते दिख रहे हैं। वहीं, सेंटर कोर्ट पर प्रस्तोता ने भी तेंदुलकर का स्वागत करते हुए कहा, हमारे बीच भारत के महान क्रिकेटर, विश्व कप विजेता और क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले लीजैंड हैं। सचिन तेंदुलकर का स्वागत कीजिए। तेंदुलकर पिछले काफी साल से नियमित तौर पर विम्बलडन देखने जाते हैं।

बैडमिंटन

प्रियांशु राजावत ने किया उलटफेर, डेनमार्क के इस खिलाड़ी को हराकर कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन को हराया। राजावत ने एंटोनसेन को हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। राजावत शानदार लय में दिख रहे हैं और उन्होंने अपना प्रदर्शन इस शीर्ष वरीय खिलाड़ी के खिलाफ भी जारी रखा और कनाडा ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। विश्व में 39वें नंबर के खिलाड़ी राजावत ने एक घंटे 19 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में एंटोनसेन को 21-11, 17-21, 21-19 से हराया। यह पहला अवसर है जब इस 22 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराया। राजावत दूसरी बार विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं जहां उनका सामना फ्रांस के अलेक्स लेनियर से होगा। राजावत ने अच्छी शुरुआत की तथा पहले गेम में एक समय वह 7-4 से आगे थे। एंटोनसेन ने हालांकि जल्द ही स्कोर 9ङ्क9 से बराबर कर दिया। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद लगातार पांच अंक बनाए। एंटोनसेन ने फिर वापसी की कोशिश की, लेकिन राजावत ने लगातार सात अंक बनाकर पहला गेम अपने नाम कर दिया।

महिला टी20 एशिया कप में हरमनप्रीत कप्तान, पहला मुकाबला होगा पाकिस्तान से

मुंबई, एजेंसी। हरमनप्रीत कौर 19 जुलाई से श्रीलंका में होने वाले महिला टी20 एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुआई करेंगी। हरमनप्रीत अभी चेन्नई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही टी20 श्रृंखला में खेल रही हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में शानदार फॉर्म में चल रही सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को उप-कप्तान बनाया गया है। मुख्य टीम की 15 खिलाड़ियों के अलावा श्वेता सहरावत, साइका इशाक, तनुजा कंवर और मेघना सिंह को रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर शामिल किया गया है। भारत को टूर्नामेंट के ग्रुप ए में रखा गया है जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान (19 जुलाई), संयुक्त अरब अमीरात (21 जुलाई) और नेपाल (23 जुलाई) शामिल हैं। सभी मैच रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जायेंगे। भारत गत विजेता है और उसने रिकॉर्ड सात बार प्रतियोगिता जीती है।

भारतीय टीमः - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), पूजा वस्त्रकार, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल और सजना सजीवन।

रिजर्वः श्वेता सहरावत, साइका इशाक, तनुजा कंवर और मेघना सिंह।

दिग्गज रेसलर जॉन सीना ने WWE से संन्यास की घोषणा की

न्यूयॉर्क,एजेंसी। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट के दिग्गज रेसलर जॉन सीना अपने लीजेंड्री करियर का जल्द ही अंत करने जा रहे हैं। ड्ढड्ढश्च के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में जॉन सीना ने इन-रिंग प्रतियोगिता से संन्यास की घोषणा की है। वह 2025 में ड्ढड्ढश्च को अलविदा कहेंगे। जॉन सीना कनाडा के टोरंटो में डब्ल्यूडब्ल्यूई मनी इन द बैंक शो में लौटे। उन्होंने सभी फैंस को चौंकाते हुए अचानक एंट्री की। इसके बाद उन्होंने कहा, आज रात मैं आधिकारिक तौर पर ड्ढड्ढश्च से अपनी रिटायरमेंट की घोषणा कर रहा हूं। जॉन सीन की इस घोषणा ने उनके प्रशंसकों को दुखी कर दिया है। एक सोशल मीडिया यूजर ने कमेंट किया, आपको याद करेंगे चैंपियन। एक अन्य प्रशंसक ने लिखा- सीना के बिना डब्ल्यूडब्ल्यूई देखना मुश्किल होगा। सीना ने खुलासा किया कि वह फिलहाल मंडे नाइट रॉ में बने रहने की योजना बना रहे हैं। दरअसल, मंडे नाइट रॉ शो जनवरी 2025 में नेटफ्लिक्स पर लॉन्च होने जा रहा है। सीना ने कहा- मैं आज संन्यास नहीं लूंगा। यह विदाई, यह आज रात खत्म नहीं होती है। उन्होंने कहा, हर कोई मंडे नाइट रॉ को अगले साल इतिहास बनाते देखना चाहता है। जब यह शो नेटफ्लिक्स पर आएगा तो इतिहास रचा जाएगा। मैं कभी भी नेटफ्लिक्स पर रॉ का हिस्सा नहीं रहा, यह इतिहास है। यह पहली बार है, और मैं वहां रहूंगा। उस इतिहास का गवाह बनूंगा। सीना ने कहा- 2025 रॉयल रंबल मेरा आखिरी होगा। 2025 एलिमिनेशन चैंबर मेरा आखिरी होगा। और मैं आज रात यहां यह घोषणा करने के लिए हूं कि लास वेगास में रेसलमेनिया 2025 मेरा आखिरी रेसलमेनिया होगा जिसमें मैं मुकाबला करूंगा। सीना ने 2001 में ड्ढड्ढश्च के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया और उसके बाद लगातार सफलता की सीढ़ियां चढ़ते गए।

डेब्यू में डक होने वाले अभिषेक शर्मा का तूफान

46 गेंदों पर ठोकी करियर की पहली सेंचुरी

हरारे(एजेंसी। अभिषेक शर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। उनकी पारी 4 गेंदों पर खत्म हो गई थी। अभिषेक खाता भी नहीं खोल पाए थे। लेकिन एक दिन बाद ही अभिषेक ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक ठोक दिया है। अपने दूसरे ही इंटरनेशनल मैच में अभिषेक ने 46 गेंदों पर शतक ठोक दिया। फिफ्टी से शतक तक पहुंचने में उन्होंने सिर्फ 13 गेंदों का सामना किया।

हैट्रिक छक्के से अभिषेक का शतक - अभिषेक शर्मा ने लगातार तीन गेंदों पर तीन शतक लगाकर शतक पूरा किया। यह दिखाता है कि वह रिकॉर्ड के लिए नहीं खेलते हैं। 43 गेंदों पर वह 82 रन बनाकर खेल रहे थे। इसके बाद वेलिंगटन मसाकाद्जा को लगातार तीन छक्के मारे। हालांकि शतक बनाने के बाद अगली ही गेंद पर आउट भी हो गए। 47 गेंदों की अपनी 100 रनों की पारी में अभिषेक शर्मा ने 7 चौके और 8 छक्के मारे।

- **टीम की शुरुआत थी खराब** - जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच में भारत की बैटिंग पूरी तरह फेल रही थी। 116 रनों के लक्ष्य के सामने भारतीय टीम 102 पर ऑलआउट हो गई। एक ही बाद ही सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में भी भारत की शुरुआत खराब रही। कप्तान शुभमन गिल दूसरे ही ओवर में आउट हो गए। इसके बाद अभिषेक शर्मा और रुतुराज गायकवाड़ ने संभलकर बैटिंग की। 6 ओवर के बाद भारत का स्कोर 36 रन ही था।

- **जीवनदान मिलने के बाद हुए खतरनाक** - अभिषेक शर्मा ने इस मैच में सेट होने के लिए समय लिया। उन्हें जिम्बाब्वे के फील्डर्स ने जीवनदान भी दिया। उन्हें जीवनदान मिला तो 23 गेंद पर 27 रन बनाकर खेल रहे थे। इसके बाद पंजाब के इस बल्लेबाज ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 33 गेंदों पर उन्होंने अपनी पहली फिफ्टी लगाई। अगले 13 गेंदों पर शतक लगा दिया। टी20 क्रिकेट में यह उनकी चौथी सेंचुरी है।

आपको कड़ी मेहनत, ईमानदारी का परिणाम मिला : हार्दिक पांड्या पर बोले ईशान किशन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के क्रिकेटर इशान किशन ने पिछले छह महीनों में सुस्त फॉर्म से जूझने के बावजूद अपने शांत और केंद्रि÷ दृष्टिकोण के लिए ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की सराहना की। चोट लगने के बाद भारत का यह ऑलराउंडर वनडे विश्व कप 2023 से बाहर हो गया। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में भी, 30 वर्षीय खिलाड़ी मुंबई इंडियंस (एमआई) को टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में ले जाने में असफल रहे। लेकिन हार्दिक ने टी20 विश्वकप में अपनी उपयोगिता साबित कर टीम इंडिया को खिताब दिला दिया। हार्दिक ने बल्ले से 8 मैचों की 6 पारियों में 151.57 की स्ट्राइक रेट से 144 रन बनाए। इस बीच उन्होंने गेंद से भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने टूर्नामेंट में 8 मैच खेलकर 7.64 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट लिए। उन्होंने बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर टीम इंडिया को अपनी दूसरी टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीतने में मदद की।बहरहाल, किशन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कहा कि हार्दिक को पिछले कुछ महीनों में कई चीजों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि ऑलराउंडर को उनकी कड़ी मेहनत का फल मिला। किशन ने लिखा- पिछले कुछ महीनों में आपने बहुत सी चीजों का सामना किया, फिर भी आप शांत और केंद्रित रहे। और आज भैया आपको अपनी कड़ी मेहनत, ईमानदारी और निष्ठा का परिणाम मिला। मैं और भी बहुत कुछ महसूस करता हूं और कहना चाहता हूं लेकिन शब्द कम पड़ जाएंगे। किशन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, आप एक चैंपियन हैं और आप दुर्लभ हैं। किशन ने टी20 विश्व कप जीत के बाद हार्दिक पंड्या से मुलाकात का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ने ऑलराउंडर से मिलने के बाद उसे गले लगाया।

इंडिया वर्सेस जिम्बाब्वे

काम खत्म नहीं हुआ है अभी सीरीज जीतनी है : सिकंदर रजा

हरारे, एजेंसी। जिमबाब्वे क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए हरारे के मैदान पर टीम इंडिया के खिलाफ पहला मुकाबला 13 रन से जीत लिया। सिंदर रजा की अगुवाई में जिमबाब्वे टीम ने पहले खेलते हुए महज 115 रन ही बनाए थे लेकिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया को 102 रन पर ही ऑलआऊट कर दिया। मैच में सिकंदर ने तीन महत्वपूर्ण विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। उन्होंने मैच खत्म होने के बाद कहा कि मैं जीत से बहुत खुश हूं। एक समय में एक खेल लेने की जरूरत है। काम ख़त्म नहीं हुआ, अभी सीरीज खत्म नहीं हुई है। विश्व चैंपियन विश्व चैंपियन की तरह खेलते हैं इसलिए हमें अगले गेम के लिए तैयार रहना होगा। रजा ने कहा कि यह ऐसा विकेट नहीं है जहां आप 115 रन पर आउट हो जाएं। दोनों पक्षों के गेंदबाजों को श्रेय देना चाहिए। यह स्पष्ट रूप से एक संकेत है कि हमें अपने कौशल को बढ़ाने की जरूरत है। मैंने कहा कि जब तक हम भीड़ और चेंजिंग रूम के प्रति सच्चे रह सकते हैं, तब तक मुझे परिणाम की परवाह नहीं है। आज हम अपनी योजनाओं पर कायम रहे और हमने अपने लोगों का समर्थन किया। हमारी कैचिंग और ग्राउंड फील्डिंग अद्भुत थी लेकिन हमने कुछ गलतियां कीं, जिससे पता चलता है कि सुधार की गुंजाइश है। हम जानते थे कि प्रशंसक हमारा हौसला बढ़ाएंगे और हमें ऊर्जा देंगे, इसका श्रेय उन्हें जाता है, इससे हमें मदद मिली।

ऐसा रहा मुकाबला - जिमबाब्वे ने भारतीय टीम की टी20 में लगातार 12 मैचों में जीत की स्ट्रीक आखिरकार तोड़ ही दी। हरारे के मैदान पर खेले गए पहले टी20 में जिमबाब्वे को 13 रन से जीत मिली। जिमबाब्वे ने पहले खेलते हुए वेस्ले के 21, ब्रियान के 24, डियोन मेयर्स के 23 तो मदांदे के 29 रन की बदौलत 115 रन बनाए थे। भारत की ओर से रवि बिश्नोई ने 13 रन देकर 4 तो सुंदर ने 11 रन देकर 2 विकेट लिए। जवाब में खेलने उतरी भारतीय टीम की ओर से शुभमन गिल ने सर्वाधिक 31 रन बनाए। चितारा और सिकंदर रजा ने 3-3 विकेट लेकर भारत को जीत से 13 रन दूर कर दिया।

ओलंपिक से पहले विनेश फोगाट का दमदार प्रदर्शन, स्पेन ग्रां प्री के फाइनल में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। दो बार की विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता विनेश ने फाइनल में मारिया तियुमेरेकोवा को 10-5 से हराकर पहला स्थान हासिल किया। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वलिफाई कर चुकी भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को स्पेन ग्रां प्री में महिलाओं के 50 किग्रा का स्वर्ण पदक जीता। दो बार की विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता विनेश ने फाइनल में मारिया तियुमेरेकोवा को 10-5 से हराकर पहला स्थान हासिल किया। विनेश को बुधवार को आखिरी समय में शेंगेन वीजा मिला था और उन्होंने बिना किसी परेशानी के तीन मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनाई थी।

राप्चिक रीटा में नजर नहीं आएंगी हिना खान

टीवी अभिनेत्री हिना खान स्टेज थ्री के ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। वह इस समय कैंसर का इलाज करवा रही हैं। हाल ही में अभिनेत्री की कीमोथेरेपी हुई है। इस बीमारी ने निजी तौर पर तो हिना को प्रभावित किया ही है, बल्कि उनके प्रोफेशनल जिंदगी को भी प्रभावित किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिना खान को अपने ट्रीटमेंट के चलते उनकी एक आगामी परियोजना से हाथ धोना पड़ गया है।

अदा शर्मा ने ली हिना की जगह!

मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री हिना खान की आगामी कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म 'राप्चिक रीटा' में वह एक वकील की भूमिका निभाने वाली थीं। अब ब्रेस्ट कैंसर का पता चलने के बाद कहा जा रहा है कथित तौर पर उनकी जगह अभिनेत्री अदा शर्मा ने ले ली है।

प्रशंसकों ने की आलोचना

हिना के परियोजना से बाहर होने की खबर आने के बाद उनके प्रशंसकों ने निराशा जताई और 'डिज्नी प्लस हॉटस्टार' की आलोचना भी की। एक यूजर ने एक्स पर लिखा, वह (हिना) कैंसर से जूझ रही हैं, उनके ठीक होने का इंतजार नहीं कर सकते? यह क्रूर है।' एक और यूजर ने 'डिज्नी प्लस हॉटस्टार' को टैग करते हुए लिखा, 'शर्म आनी चाहिए।'

ब्रेस्ट कैंसर की खबर सुन प्रशंसक हो गए थे हैरान

हिना ने 28 जून को अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट लिखते हुए अपने प्रशंसकों के साथ खबर साझा की। उन्होंने लिखा कि जो लोग भी उन्हें प्यार करते हैं, उनकी परवाह करते हैं, वह उन्हें बताना चाहती हैं कि उन्हें स्टेज थ्री का ब्रेस्ट कैंसर हुआ है। यह खबर सुनते ही उनके प्रशंसक हैरान रह गए और उनके लिए दुआ करने लगे। कई अभिनेत्रियों ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर स्टोरी साझा करते हुए हिना का हौसला बढ़ाया और उनके जल्दी ठीक हो जाने की कामना की।

आर्थिक तंगी से जूझ रही पंजाबी गायिका को अक्षय कुमार ने भेजे

25 लाख रुपये

बॉलीवुड के खिलाड़ी यानी अक्षय कुमार अपनी दमदार फिल्मों के साथ-साथ अपनी दरियादिली को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरते हैं। अभिनेता को अक्सर जरूरतमंदों की मदद करते देखा जाता है। इसी कड़ी में अक्षय ने ग्लोरी बावा की मदद कर हर किसी का दिल जीत लिया है। जानकारी हो कि प्रसिद्ध पंजाबी लोक गायक और पद्म भूषण पुरस्कार विजेता दिवंगत गुरमीत बावा की बेटी ग्लोरी बावा ने बीते दिन आर्थिक संकट से जूझने की बात कही थी। साथ ही सोशल मीडिया पर सरकार से मदद मांगती नजर आई थीं। ऐसे में अक्षय कुमार सामने आए और एक भाई के तौर पर उनकी मदद की।

ग्लोरी की मदद पर अक्षय कुमार ने साझा किया, मुझे इसकी जानकारी सोशल मीडिया से मिली। बहुत दुख हुआ कि गुरमीत बावा जी, जो पंजाब की शान थीं उनके परिवार को आज इतनी आर्थिक दिक्कतें हैं।

मैंने उनकी बेटी ग्लोरी बावा को अपनी बहन समझ के एक प्यार का इशारा भेजा है। ये कोई मदद नहीं है, एक पंजाबी और एक कलाकार होने के नाते मेरा फर्ज है।

मल्लिका शेरावत के साथ झगड़े पर

20 साल बाद इमरान ने दी सफाई

अभिनेता इमरान हाशमी और अभिनेत्री मल्लिका शेरावत फिल्म मर्डर में साथ नजर आए थे। 2004 में आई इस फिल्म में दोनों के बीच गजब की केमिस्ट्री देखने को मिली थी। लेकिन, हैरानी की बात ये भी है कि इसी फिल्म के दौरान दोनों के बीच भयंकर झगड़ा भी हो गया था। बात इतनी बिगड़ चुकी थी कि उस फिल्म के बाद दोनों फिर किसी फिल्म में साथ नजर नहीं आए। दो दशक बाद इमरान हाशमी ने उस तकरार पर अब जाकर चुप्पी तोड़ी है।

कई बार हो चुकी है मुलाकात

वक्त के साथ दोनों सितारों के बीच गिले-शिकवे अब दूर हो चुके हैं। हाल ही में मुंबई में एक कार्यक्रम में दोनो को गले मिलते देखा गया था और अब इमरान ने आखिरकार उनके बीच के उस चर्चित झगड़े पर खुलकर बात की। एक न्यूज वेबसाइट के साथ बातचीत में इमरान ने मल्लिका से मुलाकात के बारे में बात करते हुए कहा, यह बहुत गर्मजोशी भरा और कॉर्डियल था। मैंने उसे बहुत समय बाद देखा। मुझे नहीं लगता कि लंबे समय में हमारा ऐसा कोई एनकाउंटर हुआ था। मर्डर की रिलीज के बाद मैंने उससे कई बार मुलाकात की।

बोले- वो बातें अब बीत चुकीं

अभिनेत्री के साथ तकरार पर इमरान ने आगे कहा, उस वक्त हम युवा थे और बेवकूफ थे। आप अपनी जिंदगी में एक ऐसे दौर से गुजरते हैं, जब आपकी फैसला लेने की शक्ति इतनी सीमित हो जाती है। आप बहुत जल्दी आवेग में आ जाते हैं। कुछ छोटी बातें उसने कहीं और कुछ मैंने भी, लेकिन वह सभी बातें अब बीत चुकी हैं। वह सब बीत चुका है।

दोबारा करना चाहते हैं साथ काम

इस दौरान इमरान हाशमी ने कहा कि वह मल्लिका के साथ दोबारा साथ काम करना चाहते हैं। अभिनेता ने कहा, हमने यह सब एक तरफ रख दिया, बहुत समय पहले की बात है। उसे देखना और मिलना बहुत अच्छा लगा। वह बहुत गर्मजोशी से भरी थीं और मैं भी। वह एक को-एक्ट्रेस हैं, काश मैं उनके साथ दोबारा काम कर पाता।

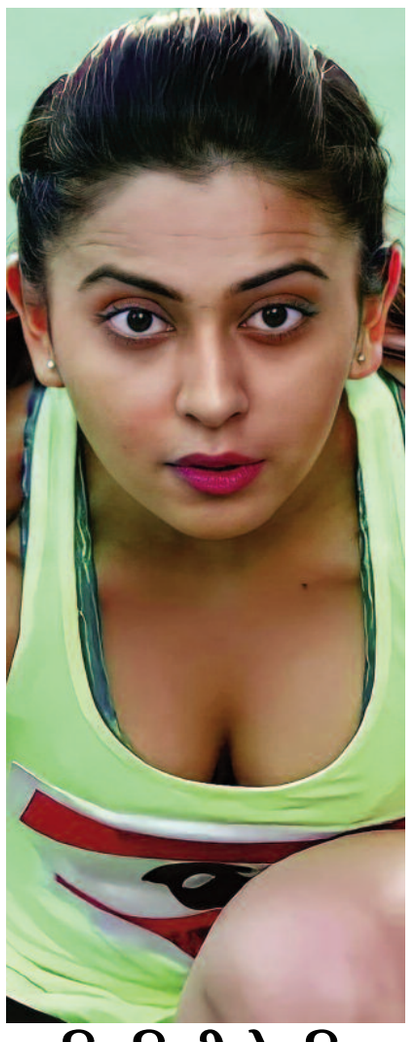

पब्लिसिटी के लिए फिल्म में बोल्ड सीन डालना सही नहीं

रकुल प्रीत सिंह का नाम बॉलीवुड की ग्लैमरस एक्ट्रेसेस में गिना जाता है। उन्होंने 2017 में दिए एक इंटरव्यू में इंटीमेट सीन को लेकर बात की थी। उन्होंने कहा था कि उन्हें इंटीमेट सीन करने में परहेज नहीं है। रकुल का कहना था- सीन की डिमांड पर मैं इंटीमेट सीन या लिप-लॉक करने के लिए तैयार हूं। लेकिन इस तरह के सीन को जबरदस्ती पब्लिसिटी के लिए फिल्म में नहीं डालना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, एक्ट्रेस ने कहा कि ग्लैमर फिल्म इंडस्ट्री का जरूरी हिस्सा है, हर कोई चाहता है कि वो अपनी फेवरेट एक्ट्रेस को ग्लैमरस कपड़ों में देखे। रकुल बहुत जल्द ही फिल्म 'इंडियन 2' में नजर आएंगी। ये फिल्म 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राम चरण ने पूरी की गेम चेंजर की शूटिंग

साउथ सुपरस्टार राम चरण की आगामी फिल्म गेम चेंजर इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। लगातार फिल्म को लेकर नई जानकारियां सामने आ रही हैं। दर्शक बेसब्री से फिल्म में राम चरण और कियारा आडवाणी को एक साथ बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के लिए अभिनेता ने निर्देशक एस शंकर से हाथ मिलाया है। फिल्म की शूटिंग काफी समय पहले शुरू हुई थी, जिसके कई शेड्यूल बने। वहीं अब फिल्म की शूटिंग को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। कॉलीवुड के मशहूर निर्देशक शंकर और सुपरस्टार राम चरण की अखिल भारतीय राजनीतिक ड्रामा फिल्म गेम चेंजर पर सभी की निगाहें टिकी हैं। निर्माता दिल राजू इस फिल्म को अपने करियर की यादगार परियोजना बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं, क्योंकि यह उनकी 50वीं प्रोडक्शन फिल्म है। फिल्म की शूटिंग में लगातार राम चरण और टीम व्यस्त थे। अब आखिरकार राम चरण ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। लंबे समय से चल रही शूटिंग को लेकर प्रशंसक भी परेशान थे और लगातार फिल्म की रिलीज डेट के बारे में अपडेट मांग रहे थे।

ताजा खबर से प्रशंसकों को राहत मिली है, कि अब जल्द ही फिल्म की रिलीज की तारीख का भी खुलासा कर दिया जाएगा। आज राम चरण ने फिल्म में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। ऐसे में अब जब शंकर पूरी प्रोडक्शन औपचारिकताएं पूरी कर लेंगे तो इसके बारे में नई जानकारियां साझा करेंगे। वहीं खबर यह भी है कि गेम चेंजर की शूटिंग पूरी करने के बाद अब राम चरण उप्पेना फेम बुची बाबू सना के निर्देशन में बन रही अपनी अगली फिल्म पर फिलहाल अपना ध्यान लगा सकते हैं और उसकी शूटिंग शुरू करने की योजना बनाएंगे।

पूजा भट्ट के साथ रिश्ते पर बोले रणवीर शौरी!

हाल ही में रणवीर शौरी ने एक एक्ट्रेस के साथ अपने ब्रेकअप पर बात की है। रणवीर ने कहा कि एक एक्ट्रेस के साथ रिलेशनशिप में रहना उनकी लाइफ का सबसे बड़ा स्कैंडल बन गया था। रणवीर के इस बयान के बाद अंदाजा लगाया जा रहा है कि उन्होंने पूजा भट्ट के साथ अपने रिश्ते पर बात की है। एक वक्त पर एक्टर की पूजा के साथ लिंकअप की खबरें बहुत ज्यादा चर्चा में थीं। दोनों लिव इन रिलेशनशिप में भी थे, लेकिन बाद में दोनों के रिश्ते में बहुत दूरी आ गई। बिग बॉस 3 के हालिया एपिसोड में रणवीर ने कहा कि वो 2002 में लद्दाख में फिल्म लक्ष्य की शूटिंग कर रहे थे। एक दिन घर से कॉल आया कि उनकी मां की तबीयत ठीक नहीं है। लेकिन वो शूटिंग खत्म होने से पहले छुट्टी लेकर मां के पास नहीं जा सकते थे। उन्होंने बताया कि उस वक्त वो एक एक्ट्रेस के साथ सबसे बड़े स्कैंडल में फंसे हुए थे। इस बारे में उन्होंने कहा- उस वक्त मुझे एक एक्ट्रेस के साथ जिंदगी के सबसे बड़े स्कैंडल का भी सामना करना पड़ा था। मैं इस सिचुएशन से अकेले नहीं निकल सकता था।

मैंने हमेशा गलत पुरुषों को डेट किया: मनीषा कोइराला

अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपनी अभिनय प्रतिभा के बूते इंडस्ट्री में अलग मुकाम हासिल किया है। नेपाली मूल की मनीषा ने बॉलीवुड में कई शानदार फिल्में दी हैं। हाल ही में अभिनेत्री अपने व्यक्तिगत जीवन पर बात करती नजर आई। इस दौरान मनीषा ने कहा कि उन्होंने अपनी जिंदगी में रिलेशनशिप के मामले में काफी कुछ झेला है।

मनीषा ने कहा कि उन्होंने गलत पुरुषों को डेट किया है। मनीषा कोइराला ने फिल्मफेयर के साथ बातचीत के दौरान अपनी निजी जिंदगी पर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने कहा कि वह टॉक्सिक रिलेशनशिप में रही हैं। मनीषा ने कहा कि उन्होंने हमेशा गलत पुरुषों को डेट किया है। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उन्होंने पिछले रिश्तों में खबरों के साफ-साफ संकेत मिलने पर भी वह नजरअंदाज क्यों किए थे। मनीषा कोइराला ने बताया, मैंने इस बात पर गौर किया कि मैं सिर्फ गलत लोगों के प्यार में क्यों पड़ी। मैं सोचती थी कि मैं बार-बार ऐसा क्यों कर रही हूं या फिर मेरे साथ कुछ गड़बड़ है, जो मैं कमरे में सबसे ज्यादा परेशान रहने वाले व्यक्ति की ओर आकर्षित हो रही हूं। मैंने सोचा कि सबसे पहले मुझे इस बात पर काम करना होगा कि मुझे क्या परेशान कर रहा है। मैं पिछले पांच-छह वर्षों से अकेली हूं और मैं घुलने-मिलने के मूड में नहीं हूं, क्योंकि मुझे अभी भी लगता है कि मुझे खुद पर बहुत काम करने की जरूरत है। अभिनेत्री से जब पूछा गया कि वे कैसा पार्टनर चाहती हैं? तो जवाब मिला, यह सब कहने के बाद कभी मैं एक अच्छे रिलेशनशिप में आना चाहूंगी, जहां मुझे लगे कि हम दोनों एक-दूसरे को स्वीकार करते हैं और जहां हम हैं, उसके बारे में ईमानदार हैं। यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि हमें आगे बढ़ने के लिए क्या सीखने की जरूरत है और क्या हम अपनी यात्रा में एक-दूसरे का समर्थन कर सकते हैं।

मैं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रहना चाहती हूं, जिसके पास सपने और महत्वाकांक्षाएं हों और किसी तरह का जुनून हो, क्योंकि मैं बहुत भावुक इंसान हूं।

तापसी ने फिर साधा एनिमल पर निशाना

फिल्मों का दर्शकों पर क्या प्रभाव पड़ता है और अभिनेताओं और फिल्म निर्माताओं की नैतिक जिम्मेदारियां क्या हैं, यह बात लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। हालांकि, निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल की रिलीज के बाद यह चर्चा शुरू हुई।पिछले साल दिसंबर में इस मुद्दे ने और तूल पकड़ लिया था। कई लोगों ने फिल्म की आलोचना करते हुए कहा था कि इसमें महिलाओं के प्रति घृणा और हिंसा को महिमामंडित किया गया है। एक्सप्रेसो के एक साक्षात्कार में तापसी पन्नू ने एक बार फिर एनिमल की आलोचना की है। तापसी ने कहा, अगर मैंने एनिमल की स्क्रिप्ट पढ़ी होती, तो मैं भी रणबीर कपूर की तरह ही उत्साहित होती... लेकिन, फर्क यह है... जब आप कोई स्क्रिप्ट पढ़ते हैं और जब आप वही देखते हैं जो आप देखते हैं, तो यह निर्देशक का माध्यम होता है। जब मैं कोई स्क्रिप्ट पढ़ रही होती हूं, तो मुझे नहीं पता होता कि वह किस शॉट पर लो एंगल और हाई बीजीएम डाल रहा है। तापसी ने आगे कहा, मैं स्क्रिप्ट के जरिए यह नहीं देख पाती। यह सिर्फ निर्देशक ही है जो शॉट-टेकिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन के जरिए संवाद कर सकता है। आप एक निश्चित सीन और शॉट की कल्पना करते हैं। एक किरदार, इस बात पर निर्भर करता है कि सीन कैसे शूट किया गया है यह कागज पर नहीं होगा। तापसी ने कहा, एनिमल में कुछ सीन्स पर तालियां और सीटियां सुनना थोड़ा अजीब था, जहां मुझे इस तरह के किरदार का इस तरह बढ़ना पसंद नहीं था। वहीं, तापसी इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में चल रही हैं।

बॉडी डिस्मॉर्फिया से जूझ रहे हैं करण जौहर

करण जौहर को भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के सबसे महान फिल्म निर्माताओं में से एक माना जाता है। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता निर्देशक-निर्माता को स्टार मेकर के रूप में भी जाना जाता है। हाल ही में एक साक्षात्कार में, उन्होंने बॉडी डिस्मॉर्फिया से जूझने की बात स्वीकार की। करण जौहर हाल ही में बातचीत में थे, अपनी असफलताओं के बारे में बात की। उन्होंने यह भी बताया कि बचपन में उन्हें अपने दिखने के तरीके से असहज महसूस होता था जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अब भी उस वजन को ढो रहे हैं, तो केजेओ ने स्वीकार किया, मुझे बॉडी डिस्मॉर्फिया है, मुझे पूल में उतरना बहुत अजीब लगता है।

-साभार एजेंसी